THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 129 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रवण कृ.11 2081 बुधवार, 31 जुलाई-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

छह करोड़ की ड्रग तस्करी

ईडी स्पेशल कोर्ट से पूर्व डीएसपी जगदीश भोला समेत 17 लोग दोषी करार दस साल की कैद

मोहाली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। करीब छह हजार करोड़ रुपये के ड्रग तस्करी मामले में ईडी स्पेशल कोर्ट ने पूर्व डीएसपी जगदीश भोला समेत 17 आरोपियों को दोषी करार दिया है। जगदीश भोला समेत मनप्रीत, सुखराज, सुखजीत सुख और मनिंदर को 10 साल की सजा सुनाई गई है। वहीं भोला की पत्नी गुरप्रीत कौर को 3 साल की सजा सुनाई गई है। इस मामले में कुल 23 आरोपी थे, जिनमें से चार की मौत हो चुकी है वहीं दो आरोपी भगोड़े घोषित हो चुके हैं।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एनसीपी नेता नवाब मलिक को मिली जमानत

सुप्रीम कोर्ट ने बीमारी को माना आधार

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक को जमानत दे दी। कोर्ट ने उनकी बीमारी को आधार मानते हुए जमानत मंजूर की। मलिक ने यह कहते हुए उच्च न्यायालय से राहत मांगी थी कि वह कई अन्य बीमारियों के अलावा किडनी रोग से पीड़ित हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा यह राहत उनकी नियमित जमानत पर बॉम्बे हाईकोर्ट का आदेश आने तक बनी रहेगी। मलिक ने बॉम्बे हाईकोर्ट के 13 जुलाई के आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया था, जिसमें उन्हें चिकित्सा के आधार पर जमानत देने से इनकार कर दिया था। कोर्ट का कहना था कि उन्हें विशेष चिकित्सा सहायता मिल रही है और उनके स्वास्थ्य अधिकार या जीवन अधिकार का किसी भी तरह से उल्लंघन नहीं किया रहा है। इसके बाद शीर्ष अदालत ने कुछ महीने पहले उनको अंतरिम जमानत दी थी। इसे बाद में तीन महीने के लिए बढ़ा दिया गया था। इसके बाद मलिक ने कोर्ट से बीमारी के आधार पर जमानत देने की मांग की थी। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने उनकी जमानत याचिका मंजूर की। वहीं ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने जमानत देने का विरोध नहीं किया और कहा कि अंतरिम चिकित्सा जमानत को स्थायी बनाया जा सकता है।

न्यायिक हिरासत में है एनसीपी नेता

बता दें कि ईडी ने नवाब मलिक को फरवरी 2022 में भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों की कथित गतिविधियों से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार किया था। हाईकोर्ट में मलिक के वकील अमित देसाई ने तर्क दिया था कि उनके मुवक्किल का स्वास्थ्य पिछले आठ महीनों से बिगड़ रहा था और वह क्रोनिक किडनी बीमारी से जूझ रहे हैं।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने किया था इनकार

बॉम्बे हाईकोर्ट का कहना था कि मलिक की मेडिकल रिपोर्ट यह नहीं दर्शाती है कि आवेदक किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित है या उसकी दाहिनी किडनी ठीक से काम नहीं कर रही है। इसके विपरीत, रिपोर्ट में कहा गया है कि आवेदक को आगे अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता नहीं है।

पश्चिम बंगाल में 10 अलग-अलग जगहों पर ईडी की छापेमारी, राशन घोटाला केस में कार्रवाई

कोलकता, 30 जुलाई (एजेंसियां)। ईडी ने राशन घोटाला मामले में मंगलवार को पश्चिम बंगाल में कम से कम 10 स्थानों पर छापेमारी की। केंद्रीय जांच एजेंसी ने अनीसुर रहमान के आवास पर भी रेड डाली, जो नॉर्थ 24 परगना जिले के देगंगा क्षेत्र के टीएमसी ब्लॉक अध्यक्ष हैं। अनीसुर जेल में बंद पूर्व खाद्य मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक के करीबी माने जाते हैं। ईडी ने तस्करी के कई मामलों में आरोपी बारिक बिस्वास के आवास पर भी छापेमारी की। उन्हें भी मल्लिक का करीबी भी माना जाता है। एजेंसी द्वारा बशीरहाट, राजारहाट में उनके घर और कई चावल मिलों की तलाशी ली गई। इससे पहले कथित मवेशी तस्करी, कोयला तस्करी, सोना तस्करी के कई मामलों में उनका नाम आया था। उन्हें विभिन्न एजेंसियों द्वारा कई बार गिरफ्तार किया गया है। अब ईडी की छापेमारी के बाद कारोबारी बारिक बिस्वास का नाम राशन घोटाले में भी जुड़ रहा है। जांच अधिकारियों का मानना है कि बारिक बिस्वास ने अपने ईंट-पत्थर और सोने के कारोबार में भारी मात्रा में काला धन निवेश किया है, जो उन्होंने राशन घोटाले से कमाया था। ईडी ने बारिक बिस्वास की दो महंगी कारों की भी तलाशी ली है। ईडी सूत्रों का दावा है, राशन घोटाला मामले की जांच के दौरान, पता चला है कि ज्योतिप्रियो मल्लिक ने एक मजबूत नेटवर्क बनाकर यह स्कैम जारी रखा, जिसमें बशीरहाट के बारिक बिस्वास, संदेशखाली के शेख शाहजहां, देगंगा के बाकिबुर रहमान सहित कई ताकतवर लोग शामिल थे। यह नेटवर्क राशन घोटाले के अलावा जमीन सौदे, तस्करी समेत कई तरह की अवैध गतिविधियों में शामिल है। केंद्रीय जांच एजेंसी शेख शाहजहां, बकीबुर रहमान, अनीसुर रहमान और बशीरहाट सीमा पर प्रसिद्ध तस्करी किंग बारिक बिस्वास के बीच नेटवर्क के दस्तावेज इकट्ठा करने के लिए उनके ठिकानों पर यह कार्रवाई की। ईडी सूत्रों का दावा है कि उन्हें बाकिबुर और अनीसुर के खिलाफ पहले ही कई दस्तावेज मिल चुके हैं।

सुप्रीम कोर्ट से शेफ कुणाल कपूर को झटका

क्रूरता के आधार पर एचसी द्वारा मंजूर किए गए तलाक पर रोक लगाई

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट से सेलिब्रिटी शेफ कुणाल कपूर को बड़ा झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें उन्हें उनकी पत्नी द्वारा की गई क्रूरता के आधार पर तलाक की मंजूरी दी थी।

उच्चतम न्यायालय मध्यस्थता केंद्र के पास भेजा मामला

शेफ कपूर की पत्नी की याचिका पर न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की पीठ ने मामले को उच्चतम न्यायालय मध्यस्थता केंद्र के पास भेज दिया ताकि इसके निपटारे की संभावना तलाशी जा सके।

हाईकोर्ट ने दी थी तलाक को मंजूरी

इससे पहले, अप्रैल में हाईकोर्ट ने तलाक को मंजूरी देते हुए कहा था कि कुणाल कपूर के प्रति महिला का व्यवहार गरिमा और सहानुभूति वाला नहीं था। फैमिली कोर्ट ने उन्हें तलाक दिलाने से इनकार कर दिया था। उसके बाद कपूर हाईकोर्ट पहुंचे थे। अदालत ने कहा था कि यह कानून में साफ है कि सार्वजनिक रूप से जीवनसाथी के खिलाफ लापरवाही भरा, अपमानजनक और निराधार आरोप लगाना 'क्रूरता' के समान है। जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने फैसले में कहा था कि यदि एक जीवनसाथी का दूसरे के प्रति इस तरह का स्वभाव है तो यह विवाह की मूल भावना का ही निरादर करती है और इस बात का कोई कारण नहीं है कि उन्हें एकसाथ रहते हुए लंबे समय तक यातना सहने के लिए बाध्य होना चाहिए।

साल 2008 में हुई थी शादी

कुणाल की शादी अप्रैल 2008 में हुई थी और उनकी पत्नी ने 2012 में एक बेटे को जन्म दिया था। कपूर ने अपनी याचिका में आरोप लगाया कि उनकी पत्नी ने कभी भी उनके माता-पिता का सम्मान नहीं किया और उन्हें अपमानित किया। दूसरी तरफ महिला ने उन पर अदालत को गुमराह करने के लिए झूठे आरोप लगाने का दावा किया। उन्होंने कहा कि वह हमेशा अपने पति से जीवनसाथी की तरह बात करती थीं और उनके प्रति वफादार थी। उन्होंने आरोप लगाया कि कुणाल ने उन्हें अंधेरे में रखा और तलाक लेने के लिए फर्जी कहानियां गढ़ीं।

पांच हजार की रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

शाजापुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। शाजापुर जिले के नारायण गांव निवासी किसान प्रेम सिंह गुर्जर के पिता और चाचा भगवान सिंह गुर्जर की 13 एकड़ जमीन का बंटवारे और पावती अलग अलग करवानी थी, जिसे लेकर किसान लंबे समय से परेशान था। मामले को लेकर किसान पटवारी शाहिद शाह जो उनके गांव ने पदस्थ था के पास पहुंचा और जमीन नामांतरण करने की बात कही। जिसके लिए पटवारी ने किसान से 45000 हजार रुपये की मांग की। चालीस हजार रुपये में बात तय की गई थी। जिसके बाद लोकायुक्त ने पटवारी को 5 हजार की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है।

नए आपराधिक कानून में संशोधन

केंद्र से बोला कर्नाटक हाईकोर्ट- दुष्कर्म पीड़िता का मेडिकल केवल महिला डॉक्टर करे

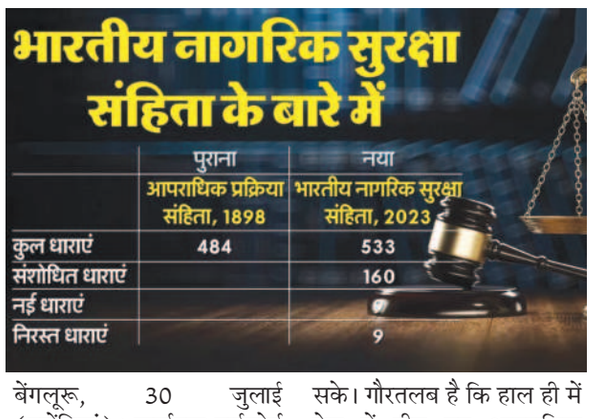

बेंगलूरू, 30 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 184 में संशोधन करने का आग्रह किया। ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वयस्क दुष्कर्म पीड़ितों की जांच सिर्फ महिला डॉक्टर ही करें, जिससे उनकी निजता के अधिकार की रक्षा हो सके। गौरतलब है कि हाल ही में देश में तीन नए आपराधिक कानून लागू हुए हैं। ब्रिटिश हुकूमत के दौर से चले आ रहे तीन कानूनों- भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और साक्ष्य अधिनियम में बड़े बदलाव करते हुए सरकार ने इनकी जगह भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को लागू किया है।

आरोपी की जमानत याचिका खारिज, दुष्कर्म पीड़ितों के साथ संवेदनशील रहने का निर्देश

जस्टिस एमजी उमा की एकल पीठ ने केंद्र व राज्य सरकारों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि संशोधन होने तक दुष्कर्म पीड़ितों की चिकित्सा जांच एक महिला पंजीकृत चिकित्सक या उसकी देखरेख में की जाए। हाईकोर्ट ने प्राधिकारियों को पुलिस अधिकारियों, अभियोजकों, डॉक्टरों, चिकित्साकर्मियों और न्यायिक अधिकारियों समेत हितधारकों को दुष्कर्म पीड़ितों के साथ संवेदनशीलता से पेश आने के महत्व के बारे में शिक्षित करने का भी निर्देश दिया। अदालत ने ये निर्देश दुष्कर्म व हत्या के प्रयास के आरोपी अजय कुमार भेरा की जमानत याचिका खारिज करते हुए दिए।

तीन नए आपराधिक कानून

क्या है नए कानूनों पर सरकार का पक्ष

बता दें कि 25 दिसंबर, 2023 को राष्ट्रपति ने तीन विधेयकों को कानून बनाने के लिए जरूरी मंजूरी दी थी। इसी साल 24 फरवरी को केंद्र सरकार ने घोषणा की थी कि तीन नए आपराधिक कानून इस साल 1 जुलाई से लागू होंगे। सरकार ने संसद में कहा था कि समाप्त होने वाले ये तीनों कानून अंग्रेजी शासन को मजबूत करने और उसकी रक्षा करने के लिए बनाए गए थे और उनका मकसद इंसाफ नहीं, दंड देना था। अब तीनों नए कानूनों का मकसद देश के नागरिकों को संविधान से मिले अधिकारों की रक्षा और उन्हें इंसाफ दिलाना है। इन कानूनों का मकसद केवल दंडित करना नहीं।

युवती की बेरहमी से हत्या करने का आरोपी गुलबर्गा से गिरफ्तार

मुंबई, 30 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई में एक 20 साल की लड़की की हत्या कर झाड़ियों में फेंकने का मामला सामने आया है। इस मामले पुलिस ने मुख्य आरोपी दाऊद शेख को कर्नाटक के गुलबर्गा से अरेस्ट किया है। बताया जा रहा है कि इस मामले में युवती के फरार प्रेमी की तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है। यह मामला मुंबई के उरण निवासी यशश्री से सामने आया है।

शनिवार को युवती का शव नवी मुंबई उरण रेलवे स्टेशन के पास झाड़ियों में मिला। उसके शरीर पर चाकू मारने और चोट के निशान भी पाए गए हैं। जांच के दौरान इस बात का पता चला कि यशश्री शिंदे 25 किमी दूर बेलापुर में काम करती थी और उसका एक लड़के से अफेयर चल रहा था। जांच में सामने आया है कि प्रेम प्रसंग के चलते युवती को मारा गया है।

पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और इसके लिए 5 टीमें बनाई गई हैं। इसके अलावा युवती के फोन कॉल डिटेल से सामने आया कि वह कर्नाटक के मोहसिन नाम के युवक के साथ संपर्क में थी। युवक को कर्नाटक से हिरासत में लिया गया है।

जम्मू कश्मीर में पाकिस्तान के सैकड़ों कमांडो घुसे

पूर्व डीजीपी का दावा, वे कितने ताकतवर हैं

जम्मू, 30 जुलाई (एजेंसियां)। कश्मीर में आतंकी हमलों ने काफी चिंताएं बढ़ा दी है। इस साजिश के पीछे पाकिस्तान का हाथ है, जिसकी अब पोल खुल रही है। इसको लेकर जम्मू-कश्मीर के पूर्व डीजीपी एसपी वेद ने दावा किया है कि पाकिस्तानी सेना के 600 से कमांडो भारत में दाखिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि ये स्पेशल सर्विस ग्रुप के कमांडो सीमा पार कर भारत में घुस चुके हैं और आतंकी हमलों को अंजाम दे रहे हैं। इन कमांडो की तुलना भारत के पैरा-एसएफ से की जाती है। अब ऐसे में चर्चा हो रही है कि आखिर ये स्पेशल सर्विस ग्रुप के कमांडो कैसे होते हैं, इनकी क्या खासियत है।

ये मिशन पूरा कर चुके हैं पाकिस्तान के कमांडो

जिन कमांडों की भारत में घुसने की खबरें हैं, उन्हें पाकिस्तान की तरफ से अब तक 5 बड़े मिशन सौंपे गए हैं। स्पेशल सर्विस ग्रुप का दावा है कि उसके पास यमन, भारत और अफगानिस्तान का भी अनुभव है। 2010 में ही 300 कमांडो ने हूती विद्रोहियों से निपटने में सऊदी अरब और यमन की मदद की थी। 2009 में तालिबान से 39 लोगों को बचाया था।

90 प्रतिशत लोग ट्रेनिंग में छोड़ देते हैं नौकरी

भारत में भी कमांडो की काफी टफ ट्रेनिंग होती है। भारत के पैरा-एसएफ कमांडो के लिए भी सबसे मुश्किल ट्रेनिंग से गुजरना पड़ता। 90 फीसदी लोग तो ट्रेनिंग के दौरान ही नौकरी छोड़ देते हैं। पाकिस्तान का स्पेशल सर्विस ग्रुप का भी ड्रापआउट रेट 80-90 फीसदी है। इनकी ट्रेनिंग 9 महीने चलती है। इसमें 12 घंटे में 56 किमी दौड़ कर सफर तय करना होता है।वहीं, शारीरिक और मानसिक फिटनेस पर ज्यादा जोर दिया जाता है।

ट्रेनिंग में जूडो और कराटे भी सिखाए जाते हैं। विशेष हथियार ट्रेनिंग, सैन्य नेविगेशन, विस्फोटकों को डिफ्यूज करना भी सिखाया जाता है। पाकिस्तान में ऊंचाई पर लड़ाई, पहाड़ों पर लड़ाई, स्नाइपर आदि की ट्रेनिंग दी जाती है। इन कमांडो को पैराशूट से कूदने, तैरने, गोताखोरी की भी ट्रेनिंग दी जाती है। इसलिए ये काफी खतरनाक माने जाते हैं। वहीं, भारत में पैरा-एसएफ कमांडो की ट्रेनिंग 3.5 साल की होती है, जो किसी भी देश के मुकाबले सबसे लंबा है। कमांडो को 25 किग्रा के वजन के साथ 70 किलोमीटर तक दौड़ना भी होता है।

ग्वालियर में कांग्रेस विधायक पर एफआईआर, महिलाओं को बाल पकड़कर पीटने का आरोप

ग्वालियर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। ग्वालियर ग्रामीण सीट से कांग्रेस विधायक साहब सिंह गुर्जर और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। यूनिवर्सिटी थाना पुलिस ने महिलाओं के साथ मारपीट करने के आरोप में यह कारवाई की है। बीते दिन ग्रामीण महिलाओं ने विधायक समेत अन्य के खिलाफ मारपीट, अभद्रता समेत अन्य गंभीर आरोप लगाए थे। दरअसल, यह घटना औहदपुर गांव स्थित विधायक निवास की है। सोमवार दोपहर को महू जमार विक्रमपुर गांव की डीपी (बिजली ट्रांसफार्मर) लगवाने की मांग को लेकर विधायक से मिलने के ग्रामीण महिलाएं पहुंचीं थीं।

महिलाओं का आरोप है कि यहां विधायक साहब सिंह गुर्जर ने उनके साथ बाल पकड़कर मारपीट और और गाली-गलौज भी की गई। इसके बाद महिलाओं ने एसपी ऑफिस पहुंचकर विधायक और उनके साथियों के खिलाफ शिकायती आवेदन दिया था। पीड़ित महिला मुन्नी लोधी की शिकायत पर यूनिवर्सिटी थाना पुलिस ने कांग्रेस विधायक के खिलाफ केस दर्ज किया है। वहीं, विधायक के पीएसओ ने भी इस मामले में शिकायती आवेदन दिया है। डीएसपी अशोक जादौन ने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से की गई शिकायत की जा रही है।

महाराष्ट्र चुनाव से पहले एक्टिव हुईं राज ठाकरे की पत्नी शर्मिला ठाकरे

नवी मुंबई पुलिस कमिश्नर से की मुलाकात

मुंबई, 30 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले मनसे प्रमुख राज ठाकरे की पत्नी शर्मिला ठाकरे राजनीति में काफी सक्रिय दिख रही हैं। इस बीच नवी मुंबई में यशश्री शिंदे हत्या मामले को लेकर आज मंगलवार (30 जुलाई) को उन्होंने नवी मुंबई पुलिस कमिश्नर से मुलाकात की। दरअसल, उरण में 22 वर्षीय यशश्री शिंदे की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। उसका शव शनिवार को एक खेत में झाड़ियों के बीच मिला था, जिसमें उसके चेहरे, शरीर और निजी अंगों पर चोटों के निशान थे। यशश्री की उसके कथित प्रेमी दाऊद शेख ने बेरहमी से हत्या की थी। उसके हत्यारे को पकड़ने के लिए पुलिस ने कर्नाटक तक मशक्कत कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। इसी सिलसिले में शर्मिला ठाकरे पुलिस कमिश्नर से मुलाकात की थी।

क्या है पूरा मामला?

यशश्री शिंदे 25 जुलाई को लापता हो गई थीं। वह बेलापुर में एक कंपनी में काम करती थीं और उरण में अपने परिवार के साथ रहती थीं। घटना के दिन वह सुबह काम पर निकली थीं और उसके बाद वापस नहीं लौटीं। उनके परिवार ने पुलिस में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस ने उनकी तलाश शुरू की। कुछ दिनों बाद, रेलवे स्टेशन के पास झाड़ियों में उनका शव मिला। यशश्री के पिता ने अपने बयान में दाऊद शेख नामक व्यक्ति पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए सात टीमें बनाई हैं और यह संभावना जताई जा रही है कि आरोपी बेंगलुरु भाग गया है। बता दें यशश्री हत्याकांड मामले में लोगों की मांग है कि आरोपी को फांसी दी जाए।

एमएनएस 250 सीटों पर लड़ेगी

बता दें महाराष्ट्र में विधानसभा की 288 सीटें हैं। राज ठाके की एमएनएस ने 250 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू कर दी है। हालांकि राज ठाकरे की पार्टी अब तक अपने दम पर चुनाव लड़कर कोई बड़ा करिश्मा नहीं कर पाई है। लेकिन उनकी पार्टी हार-जीत के गणित को प्रभावित करने की ताकत रखती है।

मेयर शैली ओबेरॉय ने प्रीत विहार में कोचिंग सेंटर को किया सील, किया बड़ा ऐलान

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। मेयर शैली ओबेरॉय ने एक कोचिंग सेंटर के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने प्रीत विहार में एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट का निरीक्षण कर उसे सील कर दिया है। उन्होंने कहा, 'पूरी दिल्ली में ऐसे बहुत सारे कोचिंग संस्थान हैं, जो बेसमेंट में अवैध तरीके से चल रहे हैं। हम ऐसे सभी कोचिंग संस्थान पर सख्त कार्रवाई करेंगे और अगर कोई अधिकारी इसमें दोषी पाया जाएगा, तो उस पर भी कार्रवाई की जाएगी।' राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने एक कोचिंग सेंटर के 'बेसमेंट' में पानी भर जाने के कारण तीन सिविल सेवा अभ्यर्थियों की मौत के संबंध में दिल्ली सरकार, पुलिस आयुक्त और नगर निगम आयुक्त को नोटिस भेजे हैं।

एक बयान में कहा गया है कि एनएचआरसी ने उनसे दो सप्ताह के भीतर एक विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। एनएचआरसी की ओर से जारी बयान के अनुसार, दिल्ली के मुख्य सचिव से पूरे शहर में निर्धारित मानदंडों का उल्लंघन करके संचालित हो रहे ऐसे संस्थानों और कोचिंग सेंटर की सटीक संख्या का पता लगाने के लिए विस्तृत सर्वेक्षण कराने के लिए भी कहा गया है। इसमें कहा गया है कि रिपोर्ट में ऐसे संस्थानों के हर विवरण का उल्लेख होना चाहिए, जिसमें उनके खिलाफ लंबित शिकायतें और संबंधित विभाग द्वारा की गई कार्रवाई भी शामिल है। एनएचआरसी ने कहा कि उसने मीडिया में आई उन खबरों पर स्वतः संज्ञान लिया है

पुरी में जगन्नाथ मंदिर का खजाना चोरी! रत्न भंडार की अलमारियां खुली हुई मिली

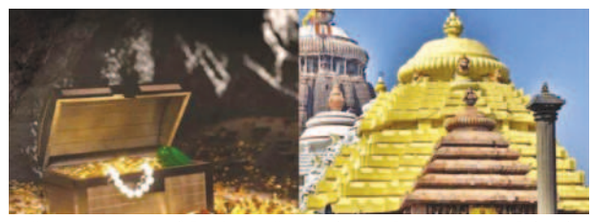

पुरी, 30 जुलाई (एजेंसियां)। पुरी में जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार की गुम हुई चाबियों के रहस्य ने हाल ही में विशेष रूप से राजनीतिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण ध्यान आकर्षित किया है। रत्न भंडार, जिसमें मंदिर के बहुमूल्य आभूषण और आभूषण रखे हुए हैं, में एक बाहरी और एक आंतरिक कक्ष है। आंतरिक कक्ष की चाबियाँ 2018 से गायब हैं जब उड़ीसा उच्च न्यायालय द्वारा निरीक्षण का आदेश दिया गया था। दरअसल इस रत्न भंडार की देखरेख के लिए सरकार की तरफ से नियुक्त गई समिति के एक सदस्य ने यह शक जताया है। उन्हें आशंका कि पहले कीमती सामान चुराने के लिए नकली चाबियों का इस्तेमाल किया जाता था रिपोर्ट के मुताबिक, इस पैनल के अध्यक्ष विश्वनाथ रथ की अध्यक्षता में सोमवार को पुरी में बैठक हुई थी। जिसके बाद समिति के सदस्य जगदीश मोहंती ने सनसनीखेज आरोप लगाते हुए कहा, 'नकली चाबियों के काम न करने के बाद ताले तोड़े गए, इससे यह साफ होता है कि आपराधिक मकसद और कीमती सामान चुराने की मंशा थी। नकली चाबी का मुद्दा एक धोखा था, क्योंकि चोरी की कोशिश से इनकार नहीं किया जा सकता है। बता दें कि साल 2018 में इस रत्न भंडार की असली चाबियां गायब हो गई थी। इसके बाद पुरी प्रशासन ने दो नकली चाबियां बनवाई थी। हालांकि 14 जुलाई को जब रत्न भंडार खोलने की कोशिश की गई, तो इन चाबियों ने काम ही नहीं किया। इसके बाद समिति के सदस्यों को रत्न भंडार के अंदरूनी कक्ष के तीनों ताले तोड़ने पड़े थे। वहीं अब यह मुद्दा राजनीतिक विवाद का विषय बन गया है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मामले को संभालने के ओडिशा सरकार के तरीके और गुम हुई चाबियों पर न्यायिक आयोग की रिपोर्ट को दबाने पर सवाल उठाए हैं। मंदिर के अंदर बक्से खुले हुए पाए गए रिटायर्ड आईएएस अधिकारी मोहंती ने कहा कि 14 जुलाई को आंतरिक कक्ष के भीतर कुछ बक्से खुले हुए पाए गए थे। अंदरूनी कक्ष में लकड़ी की तीन अलमारियां, एक स्टील की अलमारी, दो लकड़ी के संदूक और एक लोहे का संदूक था। मंदिर प्रशासन के सूत्रों ने बताया कि सिर्फ लकड़ी की एक अलमारी ही बंद मिली।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

सेवानिवृत्त कैप्टनों की पेंशन से जुड़ी सभी अड़चनें करें दूर

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र को कड़ी फटकार लगाई। दरअसल, अदालत ने कुछ साल पहले वन रैंक वन पेंशन (ओआरओपी) योजना के अनुसार सेना से सेवानिवृत्त नियमित कैप्टनों को बकाया भुगतान करने के लिए कहा था। मगर बकाया पेंशन पर वर्षों तक कोई फैसला नहीं लेने पर शीर्ष अदालत ने आज केंद्र को कड़ी फटकार लगाई। साथ ही उस पर दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने सेवानिवृत्त अधिकारियों की पेंशन के मामले में जो भी अड़चनें आ रही हैं उन्हें दूर करने के लिए केंद्र को 14 नवंबर तक का समय दिया है। पीठ ने कहा कि दो लाख रुपये की राशि सेना के कल्याण कोष में जमा की जाएगी।

वर्ष-29 अंक : 129 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **श्रवण कृ.11 2081 बुधवार, 31 जुलाई-2024**

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ❊ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

वायनाड में 4 घंटे में 3 लैंडस्लाइड, 125 मौतें

> सेना और एयरफोर्स रेस्क्यू में जुटी > केरल में 2 दिन का राजकीय शोक

वायनाड/नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। केरल के वायनाड में तेज बारिश की वजह से सोमवार देर रात 4 अलग-अलग जगहों पर लैंडस्लाइड हुई। रात 2 बजे से सुबह 6 बजे के बीच हुए लैंडस्लाइड में 4 गांव बह गए।

मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला और नूलपुझा में घर, पुल, सड़कें और गाड़ियां भी बह गईं। अब तक 125 लोगों की मौत हो चुकी है। 116 अस्पताल में हैं, जबकि 98 से ज्यादा लोगों के लापता होने की खबर है। रेस्क्यू के लिए आर्मी, एयरफोर्स, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम

मौके पर मौजूद है। कन्नूर से आर्मी के 225 जवानों को वायनाड के लिए रवाना किया गया है।

एयरफोर्स के 2 हेलिकॉप्टर भी रेस्क्यू के लिए भेजे गए, लेकिन बारिश के चलते उन्हें कोझिकोड लौटना पड़ा। सेना की स्पेशल डॉग यूनिट के ट्रेंड डॉग्स, जिनमें बेल्जियन मैलिनोइस, लैब्राडोर और जर्मन शेफर्ड जैसी नस्लें शामिल हैं, वायनाड में भूस्खलन प्रभावित मेप्पाड़ी के लिए रवाना किए गए हैं। इधर, केरल सरकार ने इस हादसे के बाद राज्य में दो दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। >14

मुझे अनुराग ठाकुर ने गाली दी है, इनकी माफी भी नहीं चाहिए : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद और सदन में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और अनुराग ठाकुर एक-दूसरे से जातीय जनगणना के मुद्दे पर भिड़ गए। दोनों के बीच जोरदार बहस हुई और इस दौरान अखिलेश यादव ने भी राहुल गांधी का समर्थन करते हुए सत्ता पक्ष के नेताओं को घेरा। इस दौरान सदन का माहौल काफी हंगामेदार रहा।

बता दें कि इस दौरान संसद का मानसून सत्र चल रहा है, जिसमें बजट पर चर्चा हो रही है। इसी बीच जातिगत जनगणना का मुद्दा भी उठा। इस दौरान राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि 'अनुराग ठाकुर' ने मुझे गाली दी है, मेरी बेइज्जती की है। लेकिन मुझे इनसे माफी भी नहीं चाहिए। दरअसल, मंगलवार को सदन

में सभापति की कुर्सी पर जगदंबिका पाल बैठे थे। अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि, उन्हें पता होना चाहिए कि एलओपी का फुल फॉर्म लीडर ऑफ अपोजिशन होता है >14

बार काउंसिल में पंजीकरण के लिए युवाओं को ज्यादा ढीली नहीं होगी जेब : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। कानून की पढ़ाई करने के बाद बार काउंसिल में पंजीकरण कराने के लिए युवाओं को ज्यादा जेब ढीली नहीं करनी पड़ेगी। सुप्रीम कोर्ट ने देश और सभी राज्यों की बार काउंसिल को वकीलों के पंजीकरण के लिए कानून में तय शुल्क ही लेने के निर्देश दिए हैं। कई राज्यों में बार में पंजीकरण के लिए युवाओं से की जा रही मोटी फीस की वसूली को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने फैसला सुनाया है। कोर्ट ने बार से सामान्य और अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति (एससी-एसटी) श्रेणी के विधि स्नातकों युवाओं से पंजीकरण के लिए क्रमश: 650 रुपये और 125 रुपये लेने के लिए कहा है। दरअसल देश के कई राज्यों में विधि स्नातकों का बार में पंजीकरण करने के लिए बार काउंसिल मोटी फीस लेते हैं। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट में कई विधि स्नातकों ने याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया था कि कई राज्य बार में पंजीकरण के लिए भारी-भरकम फीस ले रहे हैं। अत्यधिक पंजीकरण शुल्क वसूलना कानून का उल्लंघन है और बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) को इसे रोकने के लिए कड़े कदम उठाने चाहिए। >14

टीएमसी नेता अनुब्रत मंडल को जमानत

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मवेशी तस्करी मामले में दो साल से हिरासत में लिए गए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता अनुब्रत मंडल को जमानत दे दी। यह फैसला जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और एससी शर्मा की पीठ ने लिया, जिन्होंने जमानत देने के लिए मुकदमे की लंबी अवधि को मुख्य कारण बताया। कोर्ट ने मंडल को चल रही जांच में पूरा सहयोग करने और जमानत की शर्त के रूप में अपना पासपोर्ट सरेंडर करने का निर्देश दिया।

गरीबी रेखा से बाहर आए 25 करोड़ लोग : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। बजट को लेकर पीएम मोदी पिछले दिनों दावा किया था कि यह देश के विकास में अहम साबित होने वाला है। वहीं आज सीआईआई द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर बड़ा दावा किया। पीएम मोदी ने कहा कि अर्थव्यवस्था 8 प्रतिशत से ज्यादा की रफ्तार से बढ़ रही है और वो दिन दूर नहीं जब उनके तीसरे कार्यकाल में देश विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के तौर पर उभरेगा। सीआईआई सम्मेलन में पीएम मोदी ने कहा कि मैं जिस बिरादरी से आता हूं, उस बिरादरी की पहचान बन गई है, चुनाव से पहले जो बातें करते हैं, चुनाव के बाद भुला देते हैं, लेकिन मैं उस बिरादरी में अपवाद हूं। पीएम मोदी ने कहा

कि मैंने कहा था मेरे तीसरे टर्म में देश तीसरे नंबर की इकॉनमी बनेगा। भारत लगातार सधे हुए कदमों से आगे बढ़ रहा है। 2014 में आपने हमें देश की सेवा करने का मौका दिया था। 2014 में सरकार बनी तो सबसे बड़ा सवाल यही था कि इकॉनमी को वापस पटरी पर कैसे लाएं। पीएम मोदी ने कहा कि पूंजीगत व्यय 10 वर्षों में पांच गुना से अधिक होकर 11.11 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। सरकार ने पिछले 10 वर्षों में मंत्रालयों के आवंटन में रिकॉर्ड वृद्धि की है, जबकि कर की दरें रिकॉर्ड निम्न स्तर पर आ गई हैं। सरकार जिस गति और स्तर पर बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रही है वह अभूतपूर्व है। भारत हर सेक्टर की इकॉनमी पर फोकस कर रहा है। >14

यूपी में 'लव जिहाद' पर होगी उम्रकैद

योगी सरकार ने बढ़ाया कानून का दायरा

लखनऊ, 30 जुलाई (एजेंसियां)। छल-कपट या बलपूर्वक कराए गए मतांतरण के मामलों में कानून और सख्त होगा। अब किसी महिला को अपने जाल में फंसाकर मतांतरण कराकर उत्पीड़न की घटना यानी 'लव जिहाद' के दोषियों को पहली बार उम्रकैद तक की सजा होगी। अवैध मतांतरण की गंभीर घटनाओं की रोकथाम के लिए सरकार ने कानून का दायरा और सजा की अवधि बढ़ाई है। अभी तक ऐसे मामलों में अधिकतम 10 वर्ष तक की सजा और 50 हजार रुपये तक जुर्माना निर्धारित था। मतांतरण के लिए विदेशी फंडिंग में अब सात से 14 वर्ष तक की सजा तथा कम से कम 10 लाख रुपये तक जुर्माना होगा। विधानसभा में मानसून सत्र के पहले दिन उप्र विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध (संशोधन) विधेयक-2024 पेश किया गया। जिसके तहत अब यदि कोई व्यक्ति मतांतरण कराने की नीयत से किसी व्यक्ति को उसके जीवन या संपत्ति के लिए धमकाता है, हमला करता है, विवाह या विवाह करने का वादा करता है अथवा षड्यंत्र करता है, नाबालिग, महिला या किसी व्यक्ति की तस्करी करता है तो उसके अपराध को सबसे गंभीर श्रेणी में रखा जाएगा।

कानून का दायरा और सजा दोनों बढ़ाने का प्रस्ताव

अब कानून का दायरा और सजा दोनों बढ़ाने का प्रस्ताव किया गया है। सभी अपराधों को गैरजमानती बनाते हुए जमानत के आवेदन पर पहले लोक अभियोजक का पक्ष सुने जाने की व्यवस्था भी की गई है। इनका विचारण सेशन कोर्ट से नीचे नहीं होगा।

यह भी किए गए प्रावधान

नाबालिग, दिव्यांग, मानसिक रूप से दुर्बल, महिला, अनुसूचित जाति व जनजाति के व्यक्ति का मतांतरणः न्यूनतम पांच वर्ष से 14 वर्ष तक का कारावास तथा न्यूनतम एक लाख रुपये जुर्माना।
सामूहिक मतांतरण : न्यूनतम सात वर्ष से 14 वर्ष तक की सजा तथा न्यूनतम एक लाख रुपये जुर्माना।
मतांतरण के लिए नाबालिग की तस्करी : आजीवन कारावास व जुर्माना।

कम स कम 20 साल की सजा या आजीवन कारावास

ऐसे मामले में आरोपित को कम से कम 20 वर्ष कारावास या आजीवन कारावास तक की सजा व जुर्माने से दंडित किया जाएगा। न्यायालय पीड़ित के इलाज के खर्च और पुनर्वास के लिए धनराशि जुर्माने के रूप में तय कर सकेगी। गंभीर अपराधों की भांति अब कोई भी व्यक्ति मतांतरण के मामले में भी एफआइआर दर्ज करा सकेगा। पहले मतांतरण से पीड़ित व्यक्ति, उसके स्वजन अथवा करीबी रिश्तेदार की ओर से ही एफआइआर दर्ज कराने की व्यवस्था की गई थी। अवैध मतांतरण के मामले बढने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ा कानून बनाने का निर्देश दिया था।

इसके अनुपालन में प्रदेश में नवंबर 2020 में उप्र विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अध्यादेश-2020 लागू किया गया था। इसके उपरांत विधानमंडल ने उप्र विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम-2021 को मंजूरी दी थी जिसमें अधिकतम 10 वर्ष तक की सजा तथा 50 हजार रुपये तक जुर्माना निर्धारित किया गया था।

'नेता का बेटा ही नेता बनेगा?'

नीतीश कुमार की पार्टी ने लालू यादव के साथ किसको-किसको लपेटा?

पटना, 30 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी के नेता और जेडीयू एमएलसी भगवान सिंह कुशवाहा ने सवाल उठाया है कि क्या नेता का बेटा ही नेता बनेगा?

अपने बयान के जरिए उन्होंने आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, जगदानंद सिंह और साथ ही मुलायम सिंह यादव का भी नाम लेते हुए हमला बोला। भगवान सिंह कुशवाहा बीते सोमवार को एक दिवसीय दौरे पर बक्सर पहुंचे थे। यहां सर्किट हाउस में उन्होंने पत्रकारों से बात की।

जेडीयू एमएलसी ने सरकार की उपलब्धियों को गिनाया

जेडीयू एमएलसी का पार्टी के नेताओं ने स्वागत किया। इस दौरान श्री भगवान सिंह कुशवाहा ने सरकार की उपलब्धियों को गिनाया और लालू यादव पर निशाना साधा। कहा कि बिहार में नीतीश सरकार समाज के हर वर्ग के लिए लोगों के अनुरूप योजना बनाकर टोला सेवक, विकास मित्र जैसे पदों का सृजन कर रोजगार का अवसर दे रही है। जातिगत आधार पर सर्वेक्षण पूरा कर सभी वर्ग के लोगों के लिए गरीबी रेखा का मूल्यांकन करते हुए उन्हें लाभ देने के लिए पार्टी गंभीर है।

नीतीश कुमार परिवारवाद के विरोधी- जेडीयू एमएलसी

पत्रकारों के सवाल पर जवाब देते हुए उन्होंने समाजवाद को लेकर कहा कि नीतीश कुमार परिवारवाद के विरोधी हैं। लालू प्रसाद यादव और जगदानंद सिंह पर तंज कसते हुए कहा कि ये लोग देश के सुपर समाजवादी लोग हैं।

उन्होंने मुलायम सिंह और उनके परिवार पर भी निशाना साधा। कहा यही लोग समाजवादी हैं? नीतीश कुमार की हुकूमत में राजतंत्र नहीं प्रजातंत्र है। क्या नेता का बेटा ही नेता बनेगा? एक गरीब का बेटा भी मुख्यमंत्री और मंत्री बन सकता है।

वहीं दूसरी ओर इस सवाल पर कि टोला सेवक एवं विकास मित्र धरातल पर काम नहीं करते। इस पर भगवान सिंह कुशवाहा ने गोलमोल जवाब दिया। कहा, पत्रकार आप लोग हैं, खबर बनाइए, उस पर सरकार संज्ञान लेगी।

युवती का अश्लील वीडियो बनाकर युवक ने किया रेप, पांच के खिलाफ एफआईआर

बस्ती, 30 जुलाई (एजेंसियां)। बस्ती में युवक की घिनौनी हरकत से विवाहिता की जिंदगी खराब होने तक की नौबत आ गई। युवक ने चोरी से युवती का अश्लील वीडियो बना लिया था। आरोपी ने वीडियो वायरल करने की धमकी देते हुए उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। युवती की शादी होने बाद भी युवक ने उससे शारीरिक संबंध बनाने की बात कही। युवती के मना करने पर युवक ने लड़की के ससुराल वालों को वीडियो भेज दी।

अब युवती के विवाह टूटने तक की नौबत आ गई है। दरअसल पूरा मामला जिले के रूधौली थाना क्षेत्र स्थित एक गांव का है जहां युवक ने एक युवती का चोरी से अश्लील वीडियो बना लिया,इसी वीडियो के जरिए वह उसे ब्लैकमेल करने लगा। वीडियो वायरल कर देने की बात कह कर उसने उसके साथ कई बार रेप किया। जब युवती का विवाह हो गया तब भी उसने उसका पीछा नहीं छोड़ा, युवती ने जब उसकी बात मानने से इनकार कर दिया, तो उसने उसका वीडियो उसके ससुराल भेज दिया, जिसके बाद उसने आरोपी सहित पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

तेज आवाज में बोलने से हम डरने वाले नहीं

'गरजीं रागिनी सोनकर, सीएम योगी से पूछे दो सवाल

लखनऊ, 30 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधानसभा सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को समाजवादी पार्टी की विधायक रागिनी सोनकर ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से दो अहम सवाल पूछे। सीएम ने इसका जवाब भी दिया। रागिनी ने पूछा कि उत्तर प्रदेश में आए दिन महिलाओं और बच्चों का यौन शोषण बढ़ता जा रहा है और उसको रोकने के लिए सरकार ने क्या योजना बनाई है? आप खुद यह मानते हैं कि हां दर बढ़ती जा रही है। आज इस मामले में यूपी इंडिया में सबसे पहले नंबर पर है। उन्होंने कहा कि जब हमारे अन्य सदस्य यह सवाल उठाते हैं तो आप की ओर से पूछा जाता है कि आपने क्या किया था। हमारी सरकार में लोकतंत्र था और लोग धरना प्रदर्शन देते थे। लेकिन आज की सरकार में ऐसा नहीं है। रागिनी ने पूछा कि 2017 से लेकर 2023 तक कुल ऐसे कितने ऐसे यौन शोषण और पॉस्को के कितने मामले दर्ज किए गए और उनको किस तरह की मदद की गई? क्या काउंसिलिंग की गई? क्या सरकार ने उनकी जिम्मेदारी ली? क्या कोई स्किल डेवलपमेंट का काम हुआ? जौनपुर स्थित मछलीशहर से विधायक रागिनी ने बलिया में नरही थाने के मामले का जिक्र करते हुए कहा कि आपको अपने अधिकारियों पर भरोसा नहीं है। एसपी बलिया होते हुए भी बाहर से टीम भेजनी पड़ी। मैं पूछना चाहती हूं कि 2017 से 2027 तक कितने लापता गुमशुदगी के मामले दर्ज हुए और कितने लोग आज भी गुमशुदा हैं जिनको आपकी सरकार नहीं खोज पाई। इसके जवाब में सीएम ने कहा कि यूपी में आज महिलाएं सुरक्षित हैं। महिला संबंधित अपराधों पर कार्रवाई हो रही है।

उन्होंने कहा कि महिला सम्मान के लिए सरकार गंभीर है। 20 हजार महिला पुलिसकर्मियों की भर्ती हुई। महिला थानों पर हमारा फोकस है। अपराध निपटारे में आज यूपी नंबर 1 है। थानों में अलग से महिला हेल्प डेस्क है। इस दौरान सीएम ने सपा पर निशाना साधा। सीएम ने अखिलेश यादव पर तंज कसा कि सपा से जुड़े लोग अपराधों में शामिल रहे हैं। अपने चाचा को गच्चा दे दिया।

प्रेमिका ने प्रेमी पर फेंका एसिड

शादी तय होने से थी नाराज, पुलिस ने किया गिरफ्तार

आगरा, 30 जुलाई (एजेंसियां)। आगरा में एक प्रेमिका ने प्रेमी पर एसिड अटैक कर दिया। बताया जा रहा है युवक शादी तय हो गई थी। जिससे प्रेमिका नाखुश थी और युवक पर तेजाब फेंक दिया। जिससे युवक झुलस गया ।इतना ही नहीं आरोपी महिला ने खुद पुलिस को सूचना दी कि उस पर एसिड अटैक हुआ है।

युवक की शादी तय हो गई थी पर महिला मित्र को यह पसंद नही आया। जिससे गुस्साई प्रेमिका ने युवक पर तेजाब फेंक दिया। जिससे युवक का चेहरा और शरीर झुलस गया।आरोपी महिला तीन बच्चों की मां है और यह पहला मामला बताया है, जब महिला ने युवक पर एसिड अटैक किया हो।

आरोपी महिला ने घटना के बाद खुद पुलिस को सूचना दी और कहा कि उसके ऊपर एसिड अटैक हुआ है और फरार हो गई। एसिड अटैक की सूचना पर पुलिस तत्काल एक्शन में आई। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो मामला कुछ ही निकला। जो सूचना पुलिस को दी गई थी मामला उसके विपरित था फिर सच्चाई सामने आई। पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

क्षेत्रवाद और तुष्टीकरण की राजनीति

कांग्रेस एमएलए शिल्पी नेहा तिर्की पर भड़के तारकिशोर प्रसाद

पटना, 30 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने झारखंड की कांग्रेस विधायक शिल्पी नेहा तिर्की के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवाद और तुष्टीकरण की राजनीति कांग्रेस की पहचान बन चुकी है। झारखंड के कांग्रेसी विधायक द्वारा बिहारी की तुलना बांग्लादेशी घुसपैठियों से करना घोर निंदनीय है।

उन्होंने कहा कि संविधान की रक्षा करने का ढोंग रचने वाले इन लोगों को क्या नहीं मालूम कि हमारा संविधान सबको सब जगह बसने, रहने की इजाजत देता है, परंतु ये लोग क्षेत्रवाद और तुष्टीकरण के नाम पर समाज को बांटना चाहते हैं। प्रसाद ने कहा कि बिहार के लोग परिश्रम और पुरुषार्थ से अपनी पहचान बनाते हैं। आज देश और दुनिया के हर क्षेत्र में बिहारियों ने अपनी साख और पहचान कायम की है। उन्होंने कहा कि झारखंड में कांग्रेस के साथ राजद भी सत्ता में साझेदार है। कांग्रेस और राजद जैसी पार्टियों का यही हाल है। ये लोग हमेशा क्षेत्रवाद और तुष्टीकरण को लेकर अनाप-शनाप बयान देते हैं।

यूपी के 60 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी

लखनऊ, 30 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बीते कुछ दिनों से मॉनसून के एक्टिव होने की वजह से तापमान में गिरावट तो जरूर दर्ज हुई है, लेकिन लोगों को इस वक्त उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में सूबे के लोग फिर एक बार भारी बारिश की उम्मीद जता रहे हैं। इस बीच भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के लखनऊ केंद्र ने मंगलवार और बुधवार को यूपी के मौसम को लेकर ताजा अपडेट जारी किया है। आईएमडी के अनुसार, मंगलवार और बुधवार को राजधानी लखनऊ समेत लगभग 60 जिलों में हल्की-फुल्की बारिश हो सकती है। इसके साथ ही मौसम विभाग ने इन जिलों में आकाशीय बिजली गिरने का भी अलर्ट जारी किया है।

इन जिलों में हो सकती है तेज बारिश

आईएमडी के अनुसार, 30 जुलाई को प्रयागराज, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, संत रवि दास नगर, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, रामपुर, बिजनौर, बरेली, पीलीभीत और आसपास के इलाकों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

यहां हो सकती है हल्की-फुल्की बारिश

मौसम विभाग के अनुसार, बहराइच, लखीमपुर, सीतापुर, शामली, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, अमरोहा, शाहजहांपुर, संभल, महोबा, झांसी, ललितपुर, बांदा, चित्रकूट, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती में भी मंगलवार को हल्की-फुल्की बारिश का अनुमान है। आईएमडी के वैज्ञानिकों के बताया है कि अगस्त पहले सप्ताह में लखनऊ समेत मध्य यूपी में अच्छी बारिश की संभावना है।

बाल सुधार गृह से ताला तोड़कर भाग गए थे 5 बच्चे, 12 घंटे में पकड़े गए

बेगूसराय, 30 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के बेगूसराय में बाल सुधार गृह से बीते रविवार (28 जुलाई) की रात को ताला तोड़कर पांच बच्चे भाग गए थे। इस सूचना के बाद पुलिस के हाथ पांव फूल गए लेकिन जानकारी मिलने के बाद सभी बच्चों को पुलिस ने 12 घंटे के अंदर ही बरामद कर लिया। इसके बाद पुलिस ने इन बच्चों को बाल सुधार गृह के निदेशक को सौंप दिया। इस पूरे मामले में पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि पुलिस लोहियानगर थाना क्षेत्र के पन्हास गांव स्थित बालसुधार गृह संस्थान के सहायक निदेशक के माध्यम से लोहियानगर थाने को एक सूचना मिली थी कि रविवार देर रात करीब 12 बजे पांच बच्चे ताला तोड़कर और छत से कूदकर फरार हो गए हैं। पुलिस थाना के अधिकारियों ने तत्काल घटना की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी। इसके बाद पुलिस जांच में जुट गई। इसी बीच लोहिया नगर थाना को सूचना मिली कि लाखों थाना की डायल 112 पुलिस टीम ने टोल प्लाजा के निकट एक ढाबा के पास संदिग्ध स्थिति में चार बच्चों को रात्रि में ही पकड़ लिया है। इसके बाद पूछताछ कर सत्यापन के लिए लाखो थाना में लाया गया। इस सूचना के बाद लोहियानगर थाना पुलिस तत्काल लाखो थाना पहुंचकर पूछताछ और सत्यापन करते हुए बच्चों को अपने साथ लेकर लोहियानगर थाने पहुंची। इसी बीच पुलिस बाल सुधार गृह के निकट जंगल-झाड़ी में छिपकर बैठे एक बच्चे को बरामद कर लिया।

पूर्व मार्केटिंग ऑफिसर भोला की सम्पत्ति होगी जब्त निगरानी के विशेष जज ने जारी किया आदेश

पटना, 30 जुलाई (एजेंसियां)। वैशाली जिले के लालगंज के पूर्व मार्केटिंग ऑफिसर (फूड सप्लाइ एंड कंज्यूमर्स प्रोटेक्शन) भोला गिरि और उनकी पत्नी संध्या गिरि की 87.09 लाख रुपये की अवैध संपत्ति जब्त होगी। यह आदेश पटना के प्राधिकृत पदाधिकारी सह निगरानी के विशेष जज बृजेश कुमार पाठक की अदालत ने दिया है। आदेश के अनुसार उन्हें और उनकी पत्नी को एक महीने के अंदर चिह्नित संपत्ति को डीएम को सौंप देना है। ऐसा नहीं करने पर एक महीने के बाद डीएम सिविल प्रक्रिया के तहत संपत्ति को जब्त करेंगे।

जानिए कौन सी संपत्ति होगी जब्त

इस संबंध में विशेष लोक अभियोजक राजेश कुमार का कहना है कि संपत्ति जब्त करने का आवेदन 17 जुलाई, 2019 को विशेष कोर्ट में दाखिल किया गया था। छह जनवरी, 1992 से 11 मार्च, 2016 तक संपत्ति को चिह्नित करते हुए पाया गया कि आरोपित भोला गिरि और उनकी पत्नी संध्या गिरि के नाम पर अवैध रूप से 87.09 लाख की चल व अचल संपत्ति अर्जित है। कोर्ट ने जिन संपत्ति को जब्त करने का आदेश दिया, उनमें पांडेय कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स में दो दुकानें, बिहटा स्थित तीन प्लांट, गाजियाबाद में फ्लैट, 80 हजार नकद, 20,000 के सात एनएससी, और 21 लाख का पांच टीडीआर, बैंक में जमाराशि शामिल है।

2016 में मामला हुआ था दर्ज

इस संबंध में विशेष लोक अभियोजक राजेश कुमार का कहना है कि निगरानी विभाग ने दोनों के खिलाफ 10 मार्च, 2016 को आय से अधिक संपत्ति रखने का मामला दर्ज किया था। इस वाद के आलोक में आवेदन दाखिल किया गया था, जिसके बाद अदालत ने उनकी संपत्ति जब्त करने का आदेश जारी किया है।

कब तक बन जाएगा रामजन्मभूमि परिसर का कॉरिडोर, निर्माण समिति की बैठक में बताया

अयोध्या, 30 जुलाई (एजेंसियां)। अयोध्या में निर्माणाधीन श्रीराम मंदिर के यात्री सुविधा केंद्र बनकर तैयार हो गया है। इसी के साथ इसमें फर्नीचर और लिफ्ट लगाने का काम भी पूरा हो गया है। उधर, जन्मभूमि परिसर में बन रहे कॉरिडोर का काम पूरा होने में थोड़ा समय लग सकता है। संभावना है कि यह काम दिसंबर के आखिर तक पूरा हो पाएगा। श्रीराम मंदिर में हो रहे निर्माण कार्यों की प्रगति देखने के लिए सोमवार को निर्माण समिति की बैठक हुई थी। इस बैठक से पहले समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र व महासचिव चंपत राय आदि ने परिसर का निरीक्षण किया था। इस बैठक के बाद मंदिर के ट्रस्टी डॉ। अनिल मिश्र ने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर में बन रहे कॉरिडोर के निर्माण कार्य को तेज करने के निर्देश दिए गए हैं। यह कॉरिडोर यात्री सुविधा केंद्र से लेकर 150 टॉयलेट और कुबेर टीला के अलावा शेषावतार व सप्त मंडपम मंदिर को आपस में कनेक्ट करेगी। इससे रामलला के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु आराम से इन सभी स्थानों पर जा सकेंगे।उन्होंने बताया कि कॉरिडोर के बनने के बाद रामलला के दर्शन कर श्रद्धालु परिसर में बनने वाले अन्य मंदिरों तक जा सकेंगे। वहीं, दर्शन पूजन के बाद श्रद्धालु इसी कॉरिडोर से यात्री सुविधा केंद्र तक जाकर अपने जमा कराए गए सामान को लेने के बाद बाहर निकल सकेंगे।

डॉक्टर संजय जयसवाल को मिली अहम जिम्मेदारी बीजेपी ने लोकसभा में बनाया पार्टी का चीफ व्हिप

पटना, 30 जुलाई (एजेंसियां)। संसद में बजट सत्र जारी है और इस समय दोनों सदनों में केंद्रीय बजट पर चर्चा की जा रही है। संसद में जारी चर्चा के बीच केंद्र में सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने आज लोकसभा में चीफ व्हिप (मुख्य सचेतक) की नियुक्ति कर दी है जबकि 16 अन्य सांसदों को व्हिप (सचेतक) बनाया गया है। पार्टी की ओर से लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को भेजे पत्र में बताया गया कि 4 बार के सांसद डॉक्टर संजय जायसवाल को लोकसभा में पार्टी का चीफ व्हिप बनाया गया है। जबकि उन्हें मदद देने के लिए 16 अन्य सांसदों को व्हिप नियुक्त किया गया है।

जिन सांसदों को व्हिप बनाया गया है, उनके नाम हैं दिलीप सैकिया, गोपालजी ठाकुर, कमलजीत सहरावत, संतोष पांडेय, धवल लक्ष्मणभाई पटेल, देवसिंह चौहान और जुगल किशोर शर्मा। इनके अलावा बीजेपी की ओर से पार्टी व्हिप बनाए गए अन्य सांसदों में सुधीर गुप्ता, के। श्रीनिवास पुजारी, स्मृता उदय वाघ, अनंत नायक, दामोदर अग्रवाल, कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी, सतीश कुमार गौतम, शशांक मणि और खगन मुर्मू भी शामिल हैं। चीफ व्हिप और व्हिप की संसद की कार्यवाही के दौरान अहम भूमिका रहती है।

इनका काम पार्टी के सांसदों को महत्वपूर्ण बिलों और अवसरों पर सदन में मौजूद रहने का निर्देश देने और समन्वय का काम करते हैं। बीजेपी की ओर से लोकसभा का चीफ व्हिप बनाए गए डॉक्टर संजय जायसवाल बिहार से सांसद हैं। वह राज्य की पश्चिम चंपारण लोकसभा सीट से एक लाख से अधिक मतों के अंतर से चुनाव जीतने में कामयाब रहे थे। डॉक्टर संजय जायसवाल बिहार में पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रहे हैं।

नालंदा से लापता 3 छात्राएं मिलीं, 2 की लोकेशन बंगाल: पुलिस बोली- डांट के कारण भाग गई थीं, ब्लेड से हाथ पर लिखे थे अल्फाबेट

नालंदा, 30 जुलाई (एजेंसियां)। नालंदा में एक स्कूल से लापता 5 छात्राओं में से 2 लड़कियां सोमवार की देर शाम घर वापस लौट आई थीं। 1 छात्रा को पुलिस मंगलवार की सुबह पटना से नालंदा लाई है।

अब 2 लड़कियों की तलाश पुलिस कर रही है। बता दें कि नालंदा वापस आई तीनों लड़कियां पटना गई थीं। लेकिन फिलहाल, अभी ये क्लियर नहीं है कि तीनों लड़कियां एक साथ थीं या अलग-अलग। वहीं, जो 2 लड़कियां गायब है उनका लोकेशन मालदा बताया जा रहा है। सोमवार को घर वापस लौटने वाली छात्राओं की पहचान मनडाछ निवासी सुरेंद्र रविदास की बेटी चांदनी कुमारी और लाल बाग निवासी उपेंद्र कुमार की बेटी काजल कुमारी के रूप में हुई है।

वहीं, मंगलवार की सुबह पटना से बरामद की गई लड़की की पहचान लालबाग निवासी सुरभी है। मंडाछ गांव निवासी राजनंदिनी और डौली का लोकेशन मालदा बताया जा रहा है। मां-पिता की डांट के कारण भागी थीं लड़कियां शुरुआत में इस मामले में लड़कियों के प्रेम-प्रसंग में घर से भागने की बात सामने आ रही थी। एसएचओ नारद मुनि ने प्रारंभिक जांच में बताया कि कि मां-पिता की डांट फटकार के कारण तीनों लड़कियां घर से भाग गई थीं। फिलहाल पुलिस सभी एंगल से जांच कर रही है।

भागी राजनंदनी

मंदिर जाने के बहाने घर से

रविवार को पूजा करने के लिए घर से निकली राजनंदनी के पिता मिथलेश कुमार ने बताया कि वह अपनी दोस्त डौली के साथ गांव के ही मंदिर में पूजा करने के लिए गई थी, जो वापस नहीं लौटी।

काफी खोजबीन की गई बावजूद उसका कहीं अता-पता नहीं चल सका है। पहले कभी ऐसी कोई हरकत राजनंदिनी ने नहीं की थी। जिससे उस पर संदेह व्यक्त किया जाता। शनिवार को स्कूल में हुई घटना की जानकारी भी वह घर आकर नहीं दी थी। दरअसल, शनिवार को स्कूल में 3 छात्राओं ने अपने हाथ पर ब्लेड से अंग्रेजी के अल्फाबेट लिखे थे।

एंड्रॉयड मोबाइल से पढ़ाई करती थी सुरभि

सुरभि की मां रीता देवी ने बताया कि उनकी बेटी स्कूल पढ़ने जाती थी। वहां से वापस घर आ जाती थी। घर में एक एंड्रॉयड मोबाइल है, जो बेटी बहुत कम उपयोग करती थी। उस दिन भी पहले से उसकी गतिविधि में कोई चेंज नहीं दिखा। इसके कारण उस पर घरवालों को कोई शक नहीं गया। रीता देवी ने आगे बताया कि शनिवार को स्कूल के प्रिंसिपल ने बुलाया था।

इसके बाद यह कहते हुए मामले को टाल दिया गया कि रहने दीजिए बच्ची है, समझा दिया गया है। ताकि ऐसी कोई हरकत न करे। जब वह स्कूल से छुट्टी के बाद घर लौट कर नहीं आई तो हम लोगों ने खोजबीन शुरू कर दिया था। फिलहाल, पुलिस ने सुरभि को पटना से बरामद कर लिया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

भरोसा और प्यार दो ऐसे पंछी है अगर इनमें से एक उड़ जाए तो दूसरा अपने आप उड़ जाता है

अंतरराज्यीय मोबाइल चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

दो कांस्टेबल, एक होमगार्ड समेत 9 गिरफ्तार

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एस.एम. विजय कुमार, डीसीपी पश्चिमी क्षेत्र, हैदराबाद और एस. मोहन कुमार, एसीपी, पंजागुट्टा डिवीजन की देखरेख में मेट्रो ट्रेनों में हाल ही में हुई मोबाइल चोरी के मामलों में उपलब्ध सुरागों पर काम करते हुए, पंजागुट्टा पुलिस को एक अंतरराज्यीय मोबाइल चोरी गिरोह के बारे में पता चला जिसमें छह आरोपी शामिल थे, जिन्हें एमएस मक्ता में एक होमगार्ड और दो कांस्टेबल के साथ गिरफ्तार किया गया और पूछताछ के दौरान उनके कब्जे से 15 फोन जब्त किए गए।

आरोपियों ने कबूल किया कि गिरोह का मुख्य सरगना झारखंड राज्य के थेनपहाड़ गांव का राहुल कुमार यादव है जिसने एक गिरोह बनाया है और गिरोह के सदस्यों को देश के विभिन्न हिस्सों जैसे हैदराबाद, सूरत, लखनऊ, रांची, बेलूर, चेन्नई, वाराणसी, नागपुर, पटना में तैनात किया है। गिरोह के सदस्य सब्जी मंडियों, मेट्रो ट्रेनों, धार्मिक जुलूसों आदि जैसी भीड़-भाड़ वाली जगहों की पहचान करते हैं। गिरोह के सदस्य उक्त जगहों पर घूमते हैं और भोले-भाले पीड़ितों की पहचान करते हैं जो अपने सेल फोन को शर्ट की जेब में रखते हैं और जब गिरोह के सदस्य एकाग्रता भंग करने के लिए कवर देते हैं, तो गिरोह का एक प्रशिक्षित व्यक्ति पीड़ितों की जेब से सेल फोन उठाता है और गिरोह के किसी अन्य व्यक्ति को सौंप देता है। चोरी करने के तुरंत बाद गिरफ्तारी से बचने के लिए गिरोह के सभी सदस्य जगह से चुपके से निकल जाते हैं और वे सेल फोन चोरी करने के लिए किसी अन्य भीड़भाड़ वाली जगह पर जाते हैं।

जब वे लगभग 50-60 मोबाइल फोन की चोरी करते हैं तो वे गिरोह के सरगना राहुल कुमार यादव को सूचित करते हैं। वह एक अन्य व्यक्ति मुख्तार सिंह को हैदराबाद और अन्य शहरों में मोबाइल इकट्ठा करने और उन्हें झारखंड लाने के लिए भेजता है और वे दोनों एक साथ पश्चिम बंगाल जाते थे। गढ़ी नगर थाने में कार्यरत पुलिस कर्मी अशोक एचजी और पीसी सोमन्ना तथा सैफाबाद थाने में कार्यरत साईं राम पीसी ने गिरोह के सदस्यों से पैसे लेकर उन्हें पुलिस थानों से छुड़वाने में मदद की। आरोपी व्यक्तियों में अलामिनगाजी उर्फ जिद्दी नोनिया अतुरिया, उत्तरी परगना, पश्चिम बंगाल, मोहम्मद शाहनवाज निवासी दौना, पोस्ट-बाकछप्पर, शाहकुंड, बाघछप्पर, भागलपुर, बिहार, गोविंदा कुमार महतो, निचे टोला, तीनपहाड़, साहेबगंज, झारखंड, जुगेश्वर नोनिया निवासी बाबूपुर, तीनपहाड़, साहेबगंज, झारखण्ड, जोनू कुमार पुत्र, निवासी कजरैली, भागलपुर, कजरैली, बिहार, मोहम्मद मुख्तार शेख निवासी तिनपन्हार, साहेबगंज, झारखंड, के. अशोक, एचजी, पी.एस. गांधी नगर, निवासी चेंगिचेरला, हैदराबाद, पी. सोमन्ना पुलिस कांस्टेबल, गांधीनगर, निवासी अंबरपेट, साई राम, पुलिस कांस्टेबल , सैफाबाद निवासी चिलकलगुडा, हैदराबाद शामिल हैं। जबकि कंचन नोनिया निवासी बाबूपुर तिनपहाड़ गांव, साहेबगंज जिला, झारखंड, शानू निवासी तिनपहाड़, साहेबगंज, झारखंड, राहुल कुमार यादव निवासी तिनपहाड़, साहेबगंज जिला, झारखंड, रिंकू निवासी तिनपहाड़, साहेबगंज जिला, झारखंड फरार है। आरोपित के पास 15 मोबाइल फ़ोन मिले हैं। पुलिस ने जनता से अपील करते हुए कहा है कि भीड़भाड़ वाली जगहों पर अपने कीमती सामान जैसे मोबाइल फोन पर अतिरिक्त सतर्कता बरतें। पीड़ित अपनी इसी तरह की शिकायत दर्ज कराने के लिए संबंधित पुलिस स्टेशन से संपर्क कर सकते हैं। संदेह की स्थिति में, लोग स्थानीय पुलिस स्टेशन/नियंत्रण कक्ष 8712660000/डायल 100 पर संपर्क कर सकते हैं।

उत्तरी क्षेत्र के निवासी कल्याण संघों (आरडब्लूए) के प्रतिनिधियों के साथ समन्वय बैठक आयोजित

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उत्तरी क्षेत्र पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) द्वारा उत्तरी क्षेत्र के एसएचओ के साथ उत्तरी क्षेत्र के सम्मेलन कक्ष में समन्वय बैठक आयोजित की गई, जिसमें उत्तरी क्षेत्र के सभी 11 पुलिस थानों की सीमाओं से आवासीय कल्याण संघों के लगभग 100 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

इस बैठक का उद्देश्य निवासियों की पुलिसिंग से संबंधित विभिन्न चिंताओं को समझना और सुरक्षा के दृष्टिकोण से कुछ निर्देश देना था। प्रतिनिधियों ने विभिन्न मुद्दों पर अपनी चिंताएँ व्यक्त कीं, जैसे कि स्ट्रीट लाइटों का काम न करना, सीसीटीवी कैमरों का न होना, नाबालिगों द्वारा वाहनों की सवारी करना, सड़कों पर अनधिकृत/अनियमित पार्किंग, जिससे मुक्त मार्ग अवरुद्ध होता है, लापरवाही से वाहन चलाना, स्ट्रीट डॉग, आवासीय कॉलोनियों के बगल में कचरा फेंकना, आवारा लोगों की संदिग्ध गतिविधियाँ, सड़क विक्रेताओं द्वारा सड़कों/फुटपाथों पर अतिक्रमण आदि। इन चिंताओं पर विस्तार से चर्चा की गई और उत्तरी क्षेत्र पुलिस ने उन्हें आश्वासन दिया कि उनकी शिकायतों पर कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, नागरिकों की सुरक्षा, कॉलोनी परिसर में सीसीटीवी लगाने और घर में चोरी के खिलाफ एहतियाती उपायों से संबंधित निर्देशों पर चर्चा की गई। उनका सहयोग मांगने के अलावा, रेजिडेंट एसोसिएशनों को वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा के बारे में सतर्क रहने का निर्देश दिया गया, खासकर जहां वरिष्ठ नागरिक अकेले रह रहे हों और किराए की मदद से उनकी सेवा की जा रही हो।

अग्नि सुरक्षा, विद्युत उपकरण ऑडिट, अग्नि अभ्यास, सीसीटीवी कवरेज की आवश्यकता, पड़ोस के बारे में जागरूकता और आपातकालीन प्रतिक्रिया पर भी विस्तार से चर्चा की गई। पुलिस उपायुक्त, उत्तर क्षेत्र, हैदराबाद सुश्री एस रश्मि पेरुमल ने कहा कि प्रत्येक आरडब्ल्यूए से नोडल अधिकारी वाला एक समूह भी बनाया जाएगा जो सभी आरडब्ल्यूए को महत्वपूर्ण जानकारी का आसान प्रसार सुनिश्चित करेगा और किसी भी मुद्दे को तुरंत हल करने में मदद करेगा।

बीसी घोषणा को तत्काल लागू करने की मांग को लेकर धरना

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हाल ही में घोषित बजट में बीसी के साथ कांग्रेस सरकार के अन्याय के विरोध में, भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आनंद गौड़ के नेतृत्व में बीसी घोषणा को तत्काल लागू करने की मांग करते हुए हैदराबाद कलेक्टरेट के सामने विरोध प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश कोषाध्यक्ष शांति कुमार समेत अन्य नेता व कार्यकर्ता शामिल हुए। भाजपा के प्रदेश कोषाध्यक्ष शांति कुमार ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने हाल ही में घोषित बजट में बीसी के साथ बहुत बड़ा अन्याय किया है। झूठ के आधार पर जीत हासिल करने वाली कांग्रेस पार्टी कामारेड्डी में घोषित बीसी घोषणा को लागू करने से बचने की कोशिश कर रही है। विधानसभा चुनाव के समय उन्होंने स्थानीय निकायों में मौजूदा बीसी आरक्षण को 23 प्रतिशत से बढ़ाकर 42 प्रतिशत करने का वादा किया था, लेकिन अब तक इसे नहीं बढ़ाया गया है। महात्मा ज्योतिबा फूले ने उपयोजना के तहत हर साल 20 हजार करोड़ रुपये देने का वादा किया और बजट में अन्याय किया। उन्होंने कहा कि वे बीसी के युवाओं को छोटे व्यवसाय चलाने और उच्च शिक्षा के लिए 10 लाख रुपये तक का असुरक्षित और ब्याज मुक्त ऋण देंगे। शांति कुमार ने कांग्रेस सरकार को चेतावनी दी कि जब तक कांग्रेस पार्टी बीसी से किए गए वादों को पूरा नहीं करती, तब तक भाजपा अपनी लड़ाई तेज करेगी।

वीएच ने उप्पल स्टेडियम में राजीव की प्रतिमा के लिए भूमि पूजन किया

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को पूर्व पीसीसी अध्यक्ष और पूर्व सांसद वी. हनुमंत राव ने एसएएपी अध्यक्ष शिवसेना रेड्डी और उप्पल कांग्रेस पार्टी प्रभारी परमेश्वर रेड्डी के साथ उप्पल राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भूमि पूजन किया, जहां वीएच पूर्व पीएम राजीव गांधी की प्रतिमा स्थापित कर रहा है। इस अवसर पर बोलते हुए, वीएच ने कहा कि प्रतिमा का अनावरण 20 अगस्त को राजीव गांधी जयंती पर किया जाएगा। पूजा में पीसीसी महासचिव आर. लक्ष्मण यादव, पीसीसी सचिव अफसर यूसुफ, शंभुला श्रीकांत गौड़, ज्ञानेश्वर गौड़, आदि अविनाश और स्थानीय नेताओं ने भाग लिया।

क्या फार्मा सिटी की जमीन किसानों को लौटाई जाएगी

केटीआर ने पूछे कांग्रेस सरकार से सवाल

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने आज आरोप लगाया कि अगर बीआरएस सरकार हैदराबाद में फार्मा सिटी स्थापित करने की कोशिश करती है, तो कांग्रेस सरकार इस परियोजना को आगे नहीं बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि फार्मा सिटी की स्थापना के लिए मुचरला सहित कई गांवों में करीब 12,000 एकड़ जमीन अधिग्रहित की गई थी। उन्होंने कहा, लेकिन कांग्रेस सरकार ने कई बार घोषणा की थी कि उसने परियोजना को रद्द कर दिया है। अगर परियोजना रद्द की जाती है, तो किसानों को बताया जाना चाहिए कि उनकी जमीन कब वापस की जाएगी। केटीआर ने याद दिलाया कि अतीत में कांग्रेस नेता कोदंडा रेड्डी, कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, श्रीधर बाबू और सीएम रेवंत रेड्डी ने घोषणा की थी कि फार्मा सिटी की जमीन किसानों को वापस कर दी जाएगी। विधानसभा में वार्षिक बजट के मदों पर चर्चा के दौरान केटीआर ने पूछा कि अगर फार्मा सिटी को खत्म कर दिया गया तो किसानों को जमीन कब लौटाई जाएगी। केटीआर ने मुसी नदी सौंदर्यीकरण परियोजना की लागत में भारी वृद्धि पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट पर 100 प्रतिशत काम पूरा कर लिया है, जो मुसी नदी सौंदर्यीकरण परियोजना के लिए महत्वपूर्ण है। केटीआर ने याद दिलाया कि उनकी पार्टी की सरकार ने 16,000 करोड़ रुपये की लागत से डिजाइन भी पूरा कर लिया था। लेकिन यह सरकार अब कह रही है कि मुसी नदी परियोजना पर 50,000 करोड़ खर्च होंगे। पर्यटन मंत्री ने परियोजना के लिए 75,000 करोड़ रुपये मंजूर किए। हाल ही में गोपनपल्ली में मुख्यमंत्री ने कहा कि परियोजना की लागत 1,50,000 करोड़ है। उन्होंने कहा कि वे ईस्ट और वेस्ट एक्सप्रेसवे परियोजना को पूरा करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और मुसी सौंदर्यीकरण 16,000 करोड़ रुपये की लागत से पूरा किया जाएगा। उन्होंने सरकार से लोगों को जवाब देने को कहा कि उसने मुसी नदी परियोजना की लागत 1,50,000 करोड़ रुपये तक क्यों बढ़ा दी? केटीआर ने सरकार से परियोजना की डीपीआर जनता के सामने रखने की अपील की। उन्होंने कहा, हैदराबाद में एसआरडीपी और एसएनडीपी परियोजनाओं पर काम पूरी तरह रुका हुआ है। पिछले आठ महीनों से फ्लाईओवर और पुलों का निर्माण बंद है। यह कहते हुए कि बिलों का भुगतान न करने के कारण यह स्थिति पैदा हुई है, केटीआर ने सरकार से तुरंत बिलों का भुगतान करने और काम पूरा करने का आग्रह किया।

श्रीशैलम में दो और गेट खोले गए

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीशैलम परियोजना में मंगलवार को लगातार पांचवें दिन बाढ़ का पानी घुसना जारी रहा। परियोजना से 2.25 लाख क्यूसेक से अधिक बाढ़ का पानी निकाला जा रहा है। इसके लिए दो और गेट खोले गए हैं। इसके अलावा तीन गेट पहले से ही खुले रखे गए थे, ताकि पानी का प्रबंधन किया जा सके। कृष्णा में बाढ़ के स्तर पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है क्योंकि वर्तमान भंडारण 215 टीएमसी की सकल भंडारण क्षमता के मुकाबले 203 टीएमसी तक पहुंच गया है। जलाशय का स्तर 882 फीट (885 फीट के एफआरएल के करीब) तक पहुंच गया है।

यह स्थिति नागार्जुन सागर के लिए महत्वपूर्ण है, जो एक डाउनस्ट्रीम परियोजना है जिसे इसके बहिर्वाह से लाभ होगा। नागार्जुन सागर में वर्तमान संग्रहण 312 टीएमसी की सकल भंडारण क्षमता के मुकाबले 141 टीएमसी तक पहुंच गया है। जलाशय का स्तर 590 फीट के एफआरएल के मुकाबले 514 फीट पर है। जलस्तर में वृद्धि को दो तेलुगु राज्यों के लिए बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है, जिन्हें अपने अयाकट में सिंचाई और पीने के पानी की जरूरतों को पूरा करने के लिए पानी की ज़रूरत है। अलमट्टी, नारायणपुर और जुराला की अपस्ट्रीम परियोजनाओं से बहिर्वाह तीन लाख क्यूसेक से अधिक रहा, जबकि तुंगभद्रा परियोजनाओं से डिस्चार्ज एक लाख क्यूसेक के करीब था।

सीतक्का ने माता-पिता का नाम लिए जाने पर जताई आपत्ति

कानून के अनुसार मिला था पट्टा, बीआरएस की वजह से नहीं

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री डी. अनसूया उर्फ सीथक्का ने बीआरएस सदस्य अनिल कुमार जाधव की इस टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताई कि उनके माता-पिता को पोडू भूमि का स्वामित्व दस्तावेज बीआरएस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के कारण मिला था। उन्होंने कहा कि उनके माता-पिता को पट्टा कानून के अनुसार मिला था, किसी पक्षपात के कारण नहीं।

सीताक्का के माता-पिता को पिछले वर्ष मुलुगु मंडल के जगन्नापेटा गांव में 1.17 एकड़ जमीन का पट्टा मिला था, जब बीआरएस सरकार ने पोडू भूमि मालिकों को पट्टा सौंपने का निर्णय लिया था। मंगलवार को विधानसभा में अनुदान मांगों पर चर्चा में हस्तक्षेप करते हुए सीतक्का ने जाधव के इस दावे पर नाराजगी जताई कि उनके माता-पिता को पूर्व मुख्यमंत्री की वजह से पट्टे मिले थे। उन्होंने कहा कि उनके माता-पिता पांच दशकों से अधिक समय से जमीन पर खेती कर रहे थे, उन्हें कानून के अनुसार पट्टे मिले थे, न कि बीआरएस सरकार की वजह से।

मंत्री ने कहा कि पट्टा यूपीए सरकार द्वारा लाए गए वन अधिकार अधिनियम-2006 के अनुसार उसके माता-पिता को दिया गया था और बीआरएस सरकार की इसमें कोई भूमिका नहीं थी। जाधव ने स्पष्ट किया कि वह मंत्री का अपमान नहीं करना चाहते थे, बल्कि बीआरएस सरकार की उपलब्धियों में से एक का जिक्र कर रहे थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि मेरा मंत्री की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का कोई इरादा नहीं है। मैंने सिर्फ उनके माता-पिता का उदाहरण दिया था।

आरटीसी कर्मचारियों की जिम्मेदारी हमारी सरकार पर है : पोन्नम

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने सोमवार को कहा कि टीजीएसआरटीसी कर्मचारियों की जिम्मेदारी राज्य सरकार द्वारा ली जाएगी। उन्होंने कहा कि 70 के दशक में कांग्रेस पार्टी ने ही नवोदय और गुरुकुलम की शुरुआत की थी और कहा कि वहां से पढ़कर आए कई लोग आज उच्च अधिकारी बन गए हैं। उन्होंने विधानसभा में जोश से बात की और बीआरएस पार्टी के शासनकाल में हुए आरटीसी टेंडरों के बारे में पूछा। उन्होंने कहा कि आरटीसी, जो महत्वपूर्ण हो गया है, आज उनकी सरकार द्वारा धीरे-धीरे विकसित किया जा रहा है। उन्होंने मजाक उड़ाते हुए कहा, बीआरएस पार्टी जिसने कहा था 'आरटीसी नहीं चलेगा' आज आरटीसी पर मगरमच्छ के आंसू बहा रही है।

न्यायमूर्ति मदन भीमराव लोकुर विद्युत आयोग के अध्यक्ष बने

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। न्यायमूर्ति मदन भीमराव लोकुर को तेलंगाना विद्युत आयोग का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उन्होंने उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और बाद में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में कार्य किया। तेलंगाना सरकार ने उन्हें सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। इससे पहले न्यायमूर्ति नरसिम्हा रेड्डी ने आयोग के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया था।

रेवंत रेड्डी सरकार ने यादाद्री और भद्राद्री सब-क्रिटिकल थर्मल पावर स्टेशन स्थापित करने और छत्तीसगढ़ राज्य से बिजली खरीदने के लिए तेलंगाना में पिछली सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों की जांच के लिए एक जांच आयोग का गठन किया था। आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति एल. नरसिम्हा रेड्डी को नियुक्त किया गया। जांच के दौरान पूर्व सीएम केसीआर ने आयोग के गठन और इसके अध्यक्ष की निष्पक्षता को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले की सुनवाई की और राज्य सरकार को आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति नरसिम्हा रेड्डी को बदलने का आदेश दिया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, SUNITA GHATANI Legal W/o. SUDESH GHATANI Vide No.14940115H, Rank -NK, R/O Naya Railway siding Rangbull ha, PO-Rangbull ha, PS. Jorabunglow, Dist. Darjeeling, W.B., INDIA-734123,hereby declare that, due to my name wrongly mentioned in service document of my husband, I have changed my name from SUNITA GHATANI to SUNITA GAZMER Vide Affidavit No.3204/224, dt. 15/05/2024 Hence from now onwards I will be known as above changed name for all purposes.

I, NEERAJ KAWAR , Legally wedded Spouse of SHEKHAWAT BAJRANG SINGH, R/O: KOTRI, SRIMADHOPUR, SIKAR, RAJASTHAN - 332715, have changed my name from NEERAJ KAWAR to NEERAJ KANWAR vide Affidavit dt.23-7-2024 duly Sd.by P.RAVEENDRANATH ADV & NOTARY

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

राज्यपालों का दो-दिवसीय सम्मेलन दो अगस्त को राष्ट्रपति भवन में शुरू होगा

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 2 और 3 अगस्त को नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में राज्यपालों के सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगी। यह सम्मेलन राज्यपालों का पहला सम्मेलन होगा जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी। सभी राज्यों के राज्यपाल सम्मेलन में भाग लेंगे।

उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण, शिक्षा, जनजातीय मामले, सूचना एवं प्रसारण, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, युवा मामले एवं खेल मंत्री, नीति आयोग के उपाध्यक्ष एवं सीईओ, पीएमओ, कैबिनेट सचिवालय, गृह मंत्रालय एवं अन्य मंत्रालयों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इसमें भाग लेंगे। सम्मेलन के एजेंडे में तीन आपराधिक कानूनों का क्रियान्वयन, उच्च शिक्षा में सुधार और विश्वविद्यालयों की मान्यता, आदिवासी क्षेत्रों, आकांक्षी जिलों और ब्लॉकों तथा सीमावर्ती क्षेत्रों जैसे फोकस क्षेत्रों का विकास, 'मेरा भारत', 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' और 'एक वृक्ष मां के नाम' जैसे अभियानों में राज्यपालों की भूमिका, प्राकृतिक खेती, जनता से संपर्क बढ़ाना, राज्य में विभिन्न केंद्रीय एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय में राज्यपालों की भूमिका शामिल हैं। राज्यपाल अलग-अलग समूहों में इन एजेंडा मदों पर विचार-विमर्श करेंगे। समापन सत्र में ये समूह राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अन्य प्रतिभागियों के समक्ष प्रस्तुति देंगे।

सिकंदराबाद से आईआरसीटीसी चलाएगा भारत गौरव पर्यटक ट्रेन

> ज्योतिर्लिंग के साथ दिव्य दक्षिण यात्रा की सुविधा

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद से आईआरसीटीसी भारत गौरव पर्यटक ट्रेन सिकंदराबाद से चलाने जा रहा है। श्रावण मास यात्रा में तिरुवन्नामलाई, रामेश्वरम, मदुरै, कन्याकुमारी, त्रिवेंद्रम, त्रिची और तंजावुर शामिल हैं। यात्रियों को दो तेलुगु राज्यों तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के 10 स्टेशनों पर बोर्डिंग/डी-बोर्डिंग की सुविधा प्रदान की गई है भारतीय रेलवे द्वारा शुरू की गई ज्योतिर्लिंग के साथ दिव्य दक्षिण यात्रा भारत गौरव पर्यटक ट्रेनों को दक्षिण मध्य रेलवे में भारी सफलता मिली है।

रेल यात्रियों की सकारात्मक प्रतिक्रिया से उत्साहित भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) ने दिव्य दक्षिण यात्रा की एक और यात्रा की योजना बनाई है। यह ट्रेन 04 अगस्त, 2024 को सिकंदराबाद से अपनी यात्रा शुरू करेगी और दक्षिणी राज्यों तमिलनाडु और केरल के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों को कवर करेगी। पूरी यात्रा 04 से 12 अगस्त, 2024 तक 8 रातों/9 दिनों की अवधि में पूरी की जाएगी। यह ट्रेन व्यक्तिगत योजना बनाने और यात्रियों के लिए उपयुक्त ट्रेन, आवास, भोजन आदि जैसी सभी संबंधित व्यवस्था

करने में शामिल सभी कठिनाइयों से बचती है। इसमें सभी यात्रा सुविधाएं (रेल और सड़क परिवहन दोनों), आवास सुविधा, खानपान व्यवस्था (सुबह की चाय, नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात का खाना- ऑन-बोर्ड और ऑफ-बोर्ड दोनों), पेशेवर और मैत्रीपूर्ण टूर एस्कॉर्ट्स की सेवाएं, ट्रेन में सुरक्षा (सभी कोचों में लगे सीसीटीवी कैमरे सहित), सभी कोचों में सार्वजनिक घोषणा की सुविधा, यात्रा बीमा और सहायता के लिए पूरी यात्रा के दौरान आईआरसीटीसी टूर मैनेजर की मौजूदगी शामिल है।

प्रजावाणी कार्यक्रम में कुल 455 आवेदन प्राप्त हुए

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को महात्मा ज्योतिबा फूले प्रजा भवन में आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम में कुल 455 आवेदन प्राप्त हुए। अधिकारियों ने बताया कि राजस्व संबंधी 94, नागरिक आपूर्ति विभाग से संबंधित 77, विद्युत विभाग से संबंधित 45, आवास से संबंधित 44, पंचायती राज ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित 40 तथा अन्य विभागों से संबंधित 155 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इस कार्यक्रम में राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. चिन्ना रेड्डी ने भाग लिया और आवेदन प्राप्त किये। उन्होंने प्रजा भवन में आये लोगों से उनकी समस्याएं पूछीं।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 31 जुलाई- 2024

तीन मौतों से क्या सबक लिया?

दिल्ली के राजेंद्रनगर में राव कोचिंग में आईएएस बनने की तैयारी कर रहे तीन छात्रों की दुखद मौत ने जहां देश को हिला दिया वहीं स्थानीय प्रशासन और राजनीतिक नेतृत्व पर भी जमकर सवाल उठने लगे हैं। दिल्ली का ओल्ड राजेंद्रनगर और मुखर्जी नगर कोचिंग हब के रूप में विख्यात है। लाखों लोग देश भर से इन कोचिंग क्लासों पर विश्वास कर पढ़ने आते हैं। लेकिन दोनों ही जगहों पर हालात कितने बदतर हैं यह भी किसी से छिपा नहीं है। फिर चाहे वह प्रशासन हो या राजनेता। इसके बाद भी कोई कार्रवाई न होना लापरवाही नहीं तो और क्या दर्शाता है? तीन होनहार युवाओं की मौत के बाद अब गिरफ्तारियों और निलंबन की रस्मअदायगी की जा रही है। राजधानी में यूपीएससी क्रैक करने की आकांक्षा लेकर आए तीन स्टूडेंट्स की जिन हालात में मौत हुई, वह दुखद तो है ही, बेहद शर्मनाक भी है। इस घटना ने राष्ट्रीय राजधानी में इन्फ्रास्ट्रक्चर मेनटेनेंस से जुड़े तमाम विभागों और उनके कर्मचारियों के दावों की पोल खोल कर रख दी है। इनके संचालन और देखरेख की जिम्मेदारी संभाल रहे राजनीतिक नेतृत्व पर भी सवालिया निशान खडे हो रहे हैं। इस हृदयविदारक घटना के बाद ही स्थानीय प्रशासन और राजनीतिक नेतृत्व नींद से जागा है। नतीजतन अपना पिंड छुडाने के लिए धड़ाधड़ कई गिरफ्तारियां कर ली गईं बल्कि कुछ कर्मचारियों और अधिकारियों के खिलाफ बर्खास्तगी और निलंबन जैसे कदम उठाते हुए घटना के सभी पहलुओं की विस्तृत जांच के आदेश भी दे दिए गए हैं। संसद में भी यह मामला उठाकर कार्रवाई की मांग की गई है। कोफ्त होती है कि जिस हालात की वजह से यह दुखद घटना हुई है वह कोई नई नहीं है। न ही ऊपर से लेकर नीचे तक के सरकारी तंत्र का कोई भी हिस्सा इन हालातों से अनजान है। दिल्ली के ओल्ड राजेंद्रनगर और मुखर्जी नगर जैसे इलाके आईएएस कोचिंग हब के रूप में काफी पहले से जाने जाते रहे हैं। वहां जीर्ण-शीर्ण इमारतों में किन हालात में कोचिंग सेंटर चलते हैं और स्टूडेंट्स प्रतिष्ठित सेवाओं की तैयारी करते हैं, यह भी किसी से छिपा नहीं है। इससे पहले भी आग लगने जैसी घटनाएं उन विषम हालात की ओर सबका ध्यान खींच चुकी हैं। लेकिन तब भी शासन व प्रशासन नहीं चेता। वाजिब सवाल यह है कि जब सबको पहले से यह सब पता था, तो समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं की गई। अब भी क्या गारंटी है, कुछ समय बाद फिर सबकुछ पहले जैसा ही नहीं हो जाएगा। यही इस पूरी घटना का सबसे गंभीर पहलू है और इसी बिंदु पर सरकार व शासन की ओर से अब तक कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिल रहा है। घटना के बाद बीजेपी और आम आदमी पार्टी के बीच जिस तरह एक-दूसरे पर दोष मढ़ने का सिलसिला शुरू हो गया, वह भी निराश करने वाला है। जहां बीजेपी इसके लिए एमसीडी और राज्य की सत्ता संभाल रही आप को यह कहते हुए जिम्मेदार बता रही है कि सारे संबंधित विभाग इन्हीं दोनों के अंतर्गत आते हैं, वहीं आप नेताओं का कहना है कि तमाम अफसरों को दंडित या पुरस्कृत करने का अधिकार तो एलजी के हाथों में थमा दिया गया है तो हम क्या कर सकते हैं। सवाल यह है कि क्या ऐसी हर त्रासदी पर राजनीति दिल्ली के लोगों की नियति है या कोई आगे बढ़कर इनकी जिम्मेदारी भी लेगा और ऐसी घटनाएं दोबारा न होने देने का संकल्प भी करेगा। आखिर इन तीन युवाओं की मौत का कौन जिम्मेदार होगा इसे कौन तय करेगा?

बाढ़ की प्राकृतिक त्रासदी

संजीव ठाकुर

पानी के उत्प्लावन से दिल्ली का सदैव बुरा हाल रहा है। दिल्ली शहर में वर्षा के पानी के एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में में जल भराव से तीन युवा छात्रों की मौत ने छात्र जगत में हाहाकार मचा दिया है, सरकार अब जाकर कार्यवाही और सुधार कार्य कर रही है, नुकसान तो बड़ा हुआ है खैर जब जागो तब सवेरा हुआ ।भारत में कई वर्षों से भीषण प्राकृतिक वर्षा के फल स्वरुप बाढ़ भूस्खलन और नदियों में उफान आने से उत्तरांचल ,उत्तराखंड, दिल्ली और पंजाब भीषण त्रासदी झेल रहे हैं और बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु भी हो गई है।विश्व में कई देशों में अतिवृष्टि से बाढ़ का प्रकोप होता है लैंडस्लाइडिंग भी होती है पर सर्वाधिक मृत्यु भारत में ही होती है। भारत में भूकंप के झटके भी लगते हैं कई बार भूकंप भी आता है और जान माल की हानि होती है। यह ऐसा तो है नहीं कि अति वर्षा कई सालों में एक बार होती हो, वर्षा, बाढ़ तथा लैंडस्लाइडिंग का प्रकोप हर वर्ष अखबारों में हम पढ़ते हैं और लोगों की मृत्यु होती है तो ऐसे में केंद्र तथा राज्य सरकारों को आपस मैं सामंजस्य कर इस त्रासदी तथा विपदा का पहले से प्रबंध करने की आवश्यकता होनी चाहिए जिससे आमजन को जान माल का कम से कम नुकसान हो सके । आपदा सदैव अनअपेक्षित घटना होती है। जो मानवीय नियंत्रण से बाहर तथा प्राकृतिक व मानवीय कारकों द्वारा मूर्त रूप दी जाती है। प्राकृतिक आपदा अल्प समय में बिना किसी पूर्व सूचना के घटित होती है, जिससे मानव जीवन के सारे क्रियाकलाप अवरुद्ध हो कर,जान और माल की बड़ी हानि होती है ।आपदा की गहनता, विशालता एवं निरंतरता मानव जीवन तथा समाज, देश को बड़ी हानि पहुंचाते हैं, एवं उस देश की आर्थिक स्थिति में गहरी चोट करते हैं। इन प्राकृतिक आपदाओं से देश की प्रगति पर चोट पहुंचती है। तथा राष्ट्र को आर्थिक रूप से बहुत पीछे खींच कर ले जाती है।

आपदा प्रबंधन में जापान से सीख ली जा सकती है। क्योंकि जापान आपदा प्रबंधन में विश्व में अग्रणी देश माना जाता है। जापान पृथ्वी के ऐसे क्षेत्र में अवस्थित है, जहां भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी जैसी प्राकृतिक आपदाएं सदैव आती रहती हैं। जापान में आपदा प्रबंधन की अत्याधुनिक तकनीक को याकोहामा रणनीति कहा जाता है। जापान में आपदा प्रबंधन की साल भर नियमित रूप से मॉनिटरिंग कर एक्सरसाइज की जाती रहती है, एवं आपदाओं पर निरंतर निगरानी तथा नजर रखी जाती है,एवं इसके निदान के लिए पूर्व से ही सुनियोजित योजना बनाकर नागरिकों को सुरक्षित कर लिया जाता है। भारत को भी इसी तरह आपदा प्रबंधन को अपनाकर हमें बाढ़, अतिवृष्टि, लैंडस्लाइडिंग तथा भूकंप से पूरी क्षमता कथा विशेषताओं के साथ सामना करना चाहिए।

आपदाओं के प्रति मानवीय सभ्यता के संदर्भ में समाज के आर्थिक सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग को ज्यादा प्रभावित करती है। एवं समाज का सबसे संवेदनशील तबका यानी वृद्ध व्यक्ति, महिलाएं, बच्चों, दिव्यांग लोगों को प्राकृतिक आपदाओं से सबसे ज्यादा खतरा बना रहता है। आपदा के समय सबसे ज्यादा निम्न आय वर्ग का व्यक्ति तथा मजदूर तबके का व्यक्ति सबसे ज्यादा प्रभावित होकर उसकी दिनचर्या समूह रूप से छिन्न-भिन्न हो जाती है, एवं आर्थिक साधन भी नष्ट हो जाते हैं, जिससे उसे आजीविका का एक बड़ा भय सताने लगता है।

भारत के भू भाग का लगभग 58% क्षेत्र भूकंप की संभावना वाला क्षेत्र है, जिसमें हिमालयिन क्षेत्र,पूर्वोत्तर राज्य, गुजरात का कुछ क्षेत्र, अंडमान निकोबार द्वीप समूह भूकंप की दृष्टि से सबसे सक्रीय क्षेत्र रहें है। देश के 65 से 68% भूभाग पर कभी कम कभी ज्यादा भीषण रूप से सूखा पड़ता है, इसी तरह भारत के पश्चिमी और प्रायद्वीपीय राज्य में मुख्यतः शुष्क तथा अर्ध शुष्क न्यून नमी वाले क्षेत्र सूखे से सदैव प्रभावित रहते हैं। बाढ़ से प्रभावित भूमि का विस्तार क्षेत्र देश के 12% है।

देवेन्द्र फडणवीस से क्यों डरा रहता है विपक्ष?

आर.के. सिन्हा

लोकसभा चुनावों के नतीजे आने और केन्द्र में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सरकार बनने के बाद अब महाराष्ट्र विधानसभा के आगामी अक्तूबर के महीने होने वाले चुनाव हैं। भारत की मजबूत होती अर्थव्यवस्था की जान है महाराष्ट्र। इसलिए सारे देश की निगाहें महाराष्ट्र पर लगी रहती हैं। वहां राज्य विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की राजनीति भी गरमा चुकी है। आरोप-प्रत्यारोप के नियमित दौर चल रहे हैं। महाराष्ट्र का विपक्ष महाविकास आघाडी राज्य के उस नेता पर आरोप लगा रहे हैं, जिसने राज्य का मुख्यमंत्री रहते हुए प्रदेश का चौतरफा विकास करवाया। हम बात कर रहे हैं महाराष्ट्र के शिखर भाजपा नेता और वर्तमान उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की। देवेंद्र फडणवीस राज्य के एक बड़े नेता होने के साथ ही काफी दूरदर्शी और अनुभवी रणनीतिकार के रूप में भी जाने जाते हैं। वह कई बार मुश्किलों में फँसी पार्टी को बाहर निकालकर अपनी योग्यता साबित कर चुके हैं। जब वह राज्य के मुख्यमंत्री थे, तब उनके कार्यकाल में राज्य के बुनियादी ढांचे के विकास में कई काम हुए । मुंबई मेट्रो विस्तार और मुंबई-नागपुर समृद्धि महामार्ग जैसी प्रमुख परियोजनाओं की शुरुआत की गई। तब महाराष्ट्र की प्रतिष्ठा एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में और बढ़ी। देवेंद्र फडणवीस ने ही कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए पुलिसिंग को मजबूत किया और अपराध की रोकथाम के लिए टेक्नोलॉजी आपरेटेड सिस्टम की शुरुआत की। समाज कल्याण को लेकर भी उन्होंने काफी पहल की। हाशिए पर पड़े समुदायों के उत्थान और सामाजिक समानता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई कार्यक्रम लागू किए गये। महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने बीत दिनों देवेन्द्र देवेंद्र फडणवीस पर आरोप लगाया कि वे जब राज्य के गृहमंत्री थे तब उन्होंने (देवेंद्र फडणवीस ने)उन पर दबाव बनाया था कि वे राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और महाविकास आघाडी के तीन अन्य नेताओं के खिलाफ केस दर्ज करवा दें। हालांकि देवेंद्र फडणवीस ने देशमुख के इस आरोप को सिरे से खारिज किया है। कुल मिलाकर लग यह रहा है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में जनता के बुनियादी मसलों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप लगते रहेंगे। विपक्ष सत्ता हासिल करने के लिए तबीयत से कीचड़ उछालेगा। जाहिर है फडणवीस ने भी देशमुख को उनकी ही भाषा में जवाब भी दिया। सबको याद है कि अप्रैल 2021 में गृह मंत्री रहे देशमुख पर तत्कालीन मुंबई पुलिस कमिनर परमबीर सिंह ने यह आरोप लगाया था कि उन्होंने महाराष्ट्र की पुलिस को शहर के होटल और बार मालिकों से पैसे वसूलने पर लगा दिया था। अब देशमुख कह रहे हैं कि फडणवीस के निर्देश पर परमबीर सिंह ने उनके खिलाफ झूठे आरोप लगाए। अब तीन साल बाद वही एनसीपी नेता देशमुख यह दावा कर रहे हैं कि फडणवीस ने उन पर उद्धव और आदित्य ठाकरे, तत्कालीन डिप्टी सीएम अजीत पवार और मंत्री अनिल परब सहित एमवीए के प्रमुख लोगों के खिलाफ झूठे आरोप लगाने के लिए दबाव डाला था। साफ है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में टकराव बढ़ने वाले हैं और महाविकास आघाडी के निशाने पर देवेंद्र फडणवीस ज्यादा रहने वाले हैं। देवेंद्र फडणवीस पर विपक्ष गठबंधन महाविकास आघाडी के नेता रणनीति के तहत हल्ला बोल रहे हैं। उन्हें लगता है कि देवेंद्र फडणवीस को घेरकर वे विधानसभा चुनाव में बढ़त बना सकते हैं। बेशक, यह अफसोसजनक स्थिति है कि जिस फडणवीस के मुख्यमंत्रित्व काल में राज्य का अभूतपूर्व विकास हुआ, उन पर मिथ्या आरोप लग रहे हैं। उनके ही नेतृत्व में मुंबई मेट्रो का विस्तारीकरण हुआ। मुंबई-नागपुर समृद्धि महामार्ग, आर्थिक गलियारों और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए एक्सप्रेसवे परियोजना की शुरुआत हुईं। बढ़ती शहरी आबादी को समायोजित करने के लिए किफायती आवास योजनाओं को उन्होंने ही लागू किया। सड़क और रेल परियोजनाओं सहित सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क में सुधार किया। आतंकवाद-रोधी उपायों के तहत संभावित खतरों को रोकने और उनका जवाब देने के लिए सुरक्षा ढांचे को बढ़ावा दिया। देवेंद्र फडणवीस ने सामुदायिक पुलिसिंग पर जोर दिया। मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक के तहत मुंबई को नवी मुंबई से जोड़ने के लिए इस समुद्री पुल की शुरुआत की। गोपीनाथ मुंडे के निधन के बाद देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र की राजनीति में एक प्रमुख नेता के रूप में सामने आए। उन्होंने राज्य भाजपा को एकजुट किया। यह फडणवीस ही थे जिन्होंने भाजपा की ताकत बढ़ाने के लिए शिवसेना के बिना चुनाव लड़ने का हिम्मती फैसला किया। उन्होंने राज्य के लिए भाजपा की स्वतंत्र ताकत और दृष्टि पर जोर दिया और उनके नेतृत्व में ही भाजपा राज्य में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। राज्य में शिव सेना के बिना भाजपा की सरकार बनाने के लिए फडणवीस ने ही मंच तैयार किया। अब भी वह सत्तासीन गठबंधन में स्थिरता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

उनका रणनीतिक कौशल जबर्दस्त रहा है। वह शासन में निरंतरता और प्रगति सुनिश्चित करते हुए लचीलेपन के साथ हर मुद्दे का राजनीतिक समाधान तलाशने में महारत रखते हैं। वही विभिन्न वर्गों के साथ प्रभावी ढंग से बातचीत करने में आगे रहे हैं। उनकी नेतृत्व शैली और उपलब्धियों ने उन्हें महाराष्ट्र की राजनीति में एक केंद्रीय व्यक्ति के रूप में स्थापित किया है। वह पैराशूट वाले नेता नहीं हैं। महाराष्ट्र में वह भाजपा में रैंक के माध्यम से आगे बढ़ने वाले नेता हैं। फडणवीस 1989 में युवा विंग के अध्यक्ष रहे हैं और केवल 27 साल की उम्र में नागपुर के मेयर नियुक्त हुए और 44 साल की उम्र में मुख्यमंत्री बन गए। वह एक ऐसे नेता हैं जो भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व और आरएसएस दोनों में स्वीकार्यता रखते हैं। वह संघ के मूल मूल्यों को समझते हैं और पार्टी के भीतर उसको अपनाने की कोशिश भी करते हैं। महाराष्ट्र में हाल ही में हुए राजनीतिक उथल-पुथल जैसे चुनौतीपूर्ण समय के दौरान स्थिति को स्थिर करने और पार्टी के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने में उनकी बड़ी भूमिका रही है। हाल के लोक सभा चुनावों में पार्टी की हार को अपनी जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार करते हुए इस्तीफा देने की उनकी पेशकश, नैतिक बल को ही दर्शाती है। फडणवीस पर 2024 के विधानसभा चुनावों में भाजपा को जीत दिलाने की बड़ी जिम्मेदारी है। राज्य के राजनीतिक हलकों में कई लोगों को लगता है कि पिछले दस वर्षों से महाराष्ट्र में भाजपा के निर्विवाद नेता के रूप में फडणवीस ही राज्य में भाजपा की पुनः वापसी कर सकते हैं। वे विपक्ष को पटकनी देने में सक्षम हैं। विपक्ष भी हमेशा फडणवीस से ही डरा हुआ दिखाई देता है। किसी न किसी तरह से उन पर निशाना साधने में महाविकास अघाडी के नेता कोई कसर नहीं छोड़ते। यह अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देवेन्द्र फडणवीस पर भरोसा रखते हैं। 2019 के विधानसभा चुनावों में भाजपा को अच्छी सफलता मिली, सबको लगा कि फडणवीस एक बार फिर मुख्यमंत्री बनेंगे। लेकिन उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षा के साथ आगे आ गए। उन्हें अपने पुराने सहयोगी - भारतीय जनता पार्टी को दगा देने में कोई संकोच नहीं किया। शरद पवार ने कांग्रेस नेतृत्व को राजी किया और उन्हें उद्धव ठाकरे का समर्थन करने के लिए मजबूर किया और अपनी सरकार बना ली, लेकिन फडणवीस ने जून 2022 में पवार साहब की साजिश को माकूल जवाब दे दिया। केवल ढाई साल की अवधि के लिए उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बने। अब वही ठाकरे शरद पवार के हाथों खिलौना बने हुए हैं।

मोदी के सपने को पूरा करने का रास्ता यूपी से ही जाता है

अशोक भाटिया

भाजपा की मुख्यमंत्री परिषद की बैठक दो दिन पहले ही समाप्त हुई है। बैठक में कई राज्यों की योजनाओं पर चर्चा हुई। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को पांच ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के प्रयासों पर चर्चा की। इसमें भाजपा शासित राज्यों के 13 मुख्यमंत्रियों और 15 उपमुख्यमंत्रियों ने हिस्सा लिया था । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि अगर केंद्र और राज्य सरकारें जन कल्याण के लिए समन्वित प्रयासों के साथ काम करें तो सरकार विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विरासत का संरक्षण और विकास की विरासत का निर्माण विकसित भारत की अवधारणा के लिए महत्वपूर्ण है। सभी को इस ओर ध्यान देते रहना चाहिए। प्रधानमंत्री ने देश की अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने के लिए किए जा रहे विभिन्न प्रयासों, विकास कार्यक्रमों में जनभागीदारी बढ़ाने औरसरकारी योजनाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करने पर चर्चा की। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखते हुए, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के लिए 'यूपी फॉर यूपी, यूपी फॉर इंडिया, यूपी फॉर ग्लोबल' की कल्पना के बारे में बताया मुख्यमंत्री ने कहा है कि अब उत्तर प्रदेश का समय है । उत्तर प्रदेश अपनी सभी क्षमताओं का उपयोग करते हुए देश के बहुआयामी विकास के सबसे महत्वपूर्ण आधार के रूप में स्थापित होगा । यूपी की क्षमता के अनुरूप क्षेत्रवार अल्पकालिक और दीर्घकालिक रणनीति तय करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करने के लिए 2027 तक की समयसीमा तय की है ।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2027 तक उत्तर प्रदेश 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला राज्य बन जायेगा । योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना हमारा मिशन है । इसके लिए अधिकारियों को मुख्य क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेंगे साथ ही इसके लिए हमारे मुख्य क्षेत्र विनिर्माण, आईटी और आईटीईएस, धार्मिक पर्यटन और कृषि हैं । इसके हमें ऊर्जा, स्वास्थ्य, शहरी विकास, शिक्षा, खाद्य प्रसंस्करण और एमएसएमई जैसे क्षेत्रों पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। गौरतलब है कि आज आप उत्तर प्रदेश के किसी भी शहर में आज दिन या रात को जाएं तो आपको एक दशक पहले की तुलना में अभूतपूर्व अंतर दिखाई देगा ।

नोएडा से लेकर आगरा और कानपुर से लेकर बनारस तक, आपको हर जगह चमचमाते बाजार, मॉल और व्यवसायिक प्रतिष्ठान दिखाई देंगे । यूपी में किसी से भी बात करें, निश्चित रूप से वह अब यही कहता है कि यूपी आगे बढ़ रहा है और कानून-व्यवस्था बिल्कुल ठीक है । नए उत्तर प्रदेश में आपका स्वागत है, जो बड़ी संख्या में पर्यटकों और निवेशकों को आकर्षित कर रहा है ।यहां आर्थिक गतिविधियां तीव्र गति से संचालित की जा रही है। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बिल्कुल सही कहते हैं कि उनका राज्य बीमारु श्रेणी से बाहर निकलकर अब सक्षम राज्य बनने की ओर अग्रसर है । उनकी यह टिप्पणी नीति आयोग द्वारा जारी उस रिपोर्ट के बाद आयी जिसमें कहा गया कि भारत में 2015-16 से 2019-21 के बीच 13.5 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी की रेखा से ऊपर उठकर बाहर निकले गरीबों की संख्या में सबसे अधिक गिरावट वाले राज्यों में यूपी शीर्ष पर है । यूपी में गरीबी में सर्वाधिक कमी वाले जिले महराजगंज (29. 64%), गोंडा (29. 55%), बलरामपुर (27. 9%), कौशांबी (25. 75%), लखीमपुर खीरी (25. 33%), श्रावस्ती (24. 42%), जौनपुर (26. 65%), बस्ती (23. 36%), गाजीपुर (22. 83%), कुशीनगर (22. 28%) और चित्रकूट (21. 40%) है । जो लोग यूपी को जानते हैं वे आपको बताएंगे कि इन जिलों की हालत पहले बहुत खराब थी. इसलिए यदि राम और कृष्ण की जन्मस्थली यूपी से दिल को छू लेने वाली ऐसी सुखद खबर आ रही है तो यह न केवल राज्य बल्कि पूरे देश के लिए एक शुभ संकेत है । बीमारू राज्य शब्द का प्रयोग अक्सर बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश को संदर्भित करने के लिए किया जाता रहा है ।

आमतौर पर इसका अर्थ यह होता है कि ये राज्य आर्थिक विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, कुपोषण, सड़क, बिजली, पानी समेत अन्य सभी सूचकांकों में पिछड़े हुए हैं । भारत को यदि 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है तो इसके लिए बडी आबादी वाले उत्तर प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय को बढाना भी अति आवश्यक है. यह भी सत्य है कि नए परिसीमन के चलते उत्तर प्रदेश पूर्व के मुकाबले राजनीतिक रूप से आज अधिक महत्वपूर्ण हो गया है । भारत के आर्थिक लक्ष्यों की प्राप्ति में बड़ी भूमिका के निर्वाहन में यूपी, समाज के विभिन्न स्तरों के साथ राजनीतिक नेतृत्व के जरिए योगदान दे सकता है। यदि उत्तर प्रदेश नेतृत्व करे तो इसमें कोई शक नहीं कि भारत एक प्रमुख राजनीतिक शक्ति बन सकता है । यूपी को आर्थिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अनुसंधान एवं विकास, आईपी और एआई के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन, रक्षा उत्पादों के निर्माण और फार्मास्यूटिकल्स सरीखे उद्योगों पर ध्यान केंद्रित करना होगा । नीति आयोग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार ने दावा किया कि 2015-2016 से 2019-2021 तक सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) में उत्तर प्रदेश में गरीबों की संख्या में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई । राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक से पता चला है कि इस अवधि के दौरान 13. 5 करोड़ लोगों में से अकेले यूपी में 3. 43 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले । यह एक चौंका देने वाली संख्या है । 36 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और 707 प्रशासनिक जिलों पर केंद्रित रिपोर्ट उत्तर प्रदेश में सबसे तेज गति से गरीबों की संख्या में कमी का इशारा करती है । गरीबी कम होने के मामले में बिहार, मध्य प्रदेश, ओडिशा और राजस्थान जैसे राज्य यूपी के बाद ही आते हैं । सरकार ने दावा किया है कि रिपोर्ट से यह भी पता चला है कि राज्य भर के गांवों में गरीबों की संख्या तेजी से घटी है । इतना ही नहीं, स्वास्थ्य, शिक्षा, जीवन की गुणवत्ता सरीखे मानकों पर भी बेहतरीन परिणाम दिखे हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट पर आगरा के उद्यमी और रोटरी क्लब के प्रमुख मनीष मित्तल कहते हैं कि पूरे उत्तर प्रदेश में उत्साहजनक माहौल है । राज्य सभी क्षेत्रों में तेजी से प्रगति कर रहा है । मेरा विश्वास करें, हमारा व्यवसाय अच्छा चल रहा है और हम आर्थिक विकास में एक लंबी छलांग लगाने के लिए तैयार हैं । काम के इच्छुक लोगों के लिए काम की कोई कमी नहीं है । नीति आयोग की रिपोर्ट कहती है, पोषण से वंचित गरीबों की संख्या 2015-16 में 30. 40% से घटकर 2019-21 में 18.45% रह गई है. इसमें कहा गया है कि बच्चों और किशोरों की मृत्यु दर में भी सुधार हुआ है जो 2015-16 में 3. 81% से गिरकर 2019-21 में 2. 20% हो गई है ।

लूटने का अर्थ

सुरेश मिश्रा

पिछले साल 365 दिन थे। इस साल भी 365 दिन हैं। वही रविवार, सोमवार, मंगलवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार, शनिवार हैं। फिर यह महंगाई वही क्यों नहीं है? पहले केंचुआ, फिर अजगर और अब अनाकोंडा का रूप धारण किए बैठी है। यहाँ कहने को कमीजों पर खलीते सिले होते हैं लेकिन करनी में लक्ष्मी दूर-दूर तक नजर नहीं आती। हमने जुमलों के लिए उल्लू बनकर देखा। यह सोचकर कि कम से कम सरकार न सही लक्ष्मी ही हमें अपना वाहन समझकर बैठ जाती। दुर्भाग्य से जो आदमी, आदमी न बन सका, वह उल्लू खाक बनेगा। सो हम यहाँ भी बेकार साबित हुए। काश दशहरा, दीपावली, रमजान, क्रिसमस की तरह गली-गली-कूचो-कूचों में लक्ष्मी दर्शन दे जाती। लगता है उल्लू ने अपना नाम बदलकर जुमला कर लिया है, इसलिए लक्ष्मी आजकल वहीं विराजमान हैं। एक दिन हम अपने स्थानीय नेता से भेंट कर आए। सौभाग्यवश 364 चक्कर काटने के बाद 365वें चक्कर पर दया-करुणा दिखाई। तब किसी ने हमें बताया कि वे 364 दिन खुद की और 365वें दिन अपनी जनता की सुनते हैं। हमारे पास मुँह था उनके पास कान। हमने महंगाई से बचने का रोना रोया। बदले में उन्होंने महंगाई से डटकर लड़ने का गुरुमंत्र सिखाया।

कहा –दूध के बदले देशभक्ति, भोजन के बदले हवा और कपड़े के बदले देश की मिट्टी से सन जाओ। महंगाई तो क्या उसका बाप भी तुम्हारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता। उन्होंने आगे कहा – उत्तर से लेकर दक्षिण तक, पूरब से लेकर पश्चिम तक पुलिस हमारी, वकील हमारे, मीडिया हमारा। जहाँ चाहे वहाँ जाओ। वहाँ हम ही हम नजर आयेंगे। चूंकि तुमने हमें तर्जनी अंगुली से चुना है, इसलिए हम भी तर्जनी अंगुली से बहार न सही बाहर का रास्ता तो दिखा सकते हैं। हम समझ चुके हैं कि महंगाई के साथ-साथ नेता भी बदल चुके हैं। दोनों के तेवरों में उछाल आया है। सच है कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत एक है क्योंकि नेता वही हैं, मंच वही है, भाषण वही है, अलग-अलग भाषाओं में लूटने का अर्थ वही है। जहा महंगाई से वस्तुओ और सेवाओ की कीमते बढती है, तो वहीं दूसरी ओर नेता की किस्मत और जनता की गरीबी चमकती है। सच है महंगाई उस मिर्च का नाम है जो जनता की आँखों में, जनता के लिए, जनता के द्वारा झोंकी जाती है। नेता तो सिर्फ तमाशा देखने के लिए चुने जाते हैं और हम तमाशा दिखाने के लिए।

ममता का कत्ल! यह हैवानियत कहाँ से आ रही

मनोज कुमार अग्रवाल

अभी शनिवार को दिल्ली के मुंडका इलाके में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। एक महिला ने अपनी नौ दिन की मासूम बेटी की गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस हत्या में इस्तेमाल चाकू बरामद कर लिया है। 22 साल की आरोपी महिला ने पूछताछ में खुलासा किया है कि वह बच्ची नहीं चाहती थी, इसलिए उसने उसे मार दिया। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। पिछले कुछ महीनों में नजर डालें तो लगातार एक के बाद एक ऐसी वारदातों की झड़ी लगी है जिनमें स्वयं माता या पिता ने अपने ही कुलदीपकों को बुझा दिया और उनके खून से हाथ रंग लिए। आपको कुछ ऐसी ही दिल दहलाने वाली वारदातों का हवाला देते हैं बीती 24 अप्रैल यूपी के अलीगढ़ से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई ।जहां एक मां ने अपने दो मासूम बेटों को जहर देकर मार डाला। वहीं,खुद भी जहर खाकर जान देने का प्रयास किया लेकिन वह बच गई ।उसकी हालत गंभीर बनी थी । उसे एएमयू के जेएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। एक बच्चे के शव को पुलिस नेपोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं तीन माह के बच्चे का शव परिजनोंने दफना दिया। परिजन इस घटना को छिपा रहे थे लेकिन पुलिस को जानकारी मिल गई। वहीं 26 मई को मुंबई के मेघवाड़ी से दिल को झकझोर देने वाली खबर सामने आई , जहां 15 महीने के एक बच्चे को पीट-पीट कर उसकी हत्या कर दी गई है। मेघवाड़ी पुलिस ने एक कपल को गिरफ्तार कर लिया है जो लिव इन रिलेशनशीप में रह रहा था। पुलिस ने 15 महीने के बच्चे की हत्या और अपहरण के आरोप में दोनों को गिरफ्तार किया । कोर्ट ने दोनों अभिभावकों को पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। मृतक की पहचान राजेश राणा 28 साल और बच्चे की मां रिंकी दास 23 साल की है। मूल रूप से दोनों ओडिसा के निवासी हैं। आपको याद होगा कि 10 जनवरी24 को बेहद सनसनीखेज मामले का खुलासा हुआ था बेंगलुरु की एआई डेटा वैज्ञानिक सूचना सेठ पर उत्तरी गोवा के एक होटल में अपने चार वर्षीय बेटे की हत्या कर दी । उसने पिछले साल अगस्त में अपने पति और बच्चे के पिता पीआर वेंकट रमन के खिलाफ घरेलू हिंसा का आरोप लगाया था। पिता ने अदालत में दंपति की तलाक की कार्यवाही के दौरान लगाए गए आरोपों से इनकार किया था। 4 अप्रेल यमुनानगर के एक इलाके में एक महिला ने कथित तौर पर अपने एक महीने के बेटे की हत्या कर दी। नवजात का शव यमुनानगर की शिवपुरी-बी कॉलोनी स्थित महिला के घर में पड़ा मिला। गांधी नगर पुलिस ने कहा कि बच्चे के शव का पोस्टमॉर्टम आज मुकंद लाल जिला सिविल अस्पताल, यमुनानगर में किया गया। 9 अप्रेल को रायगढ़ में एक विवाहिता ने पांच और 3 साल के दो बच्चों को मार डाला। 10 दिन बाद पुलिस ने मां को पकड़ा, बोली- 'प्रेमी के लिए किया' रायगढ़ पुलिस ने एक 25 साल की महिला को गिरफ्तार किया। महिला ने हत्या की बात कबूल की। 28 जून औरैया जिले में एक महिला ने अपने 3 बच्चों की हत्या कर दी। इस मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया। पुलिस ने खुलासा करते हुए बताया कि आरोपी महिला के चचेरे देवर से संबंध थे। देवर ने उन्हें स्वीकार करने और खर्चा उठाने से मना कर दिया गया था। इस वजह से महिला अपने 4 बच्चों को लेकर नदी किनारे पहुंचीं और 2 को पानी में डुबोकर गला दबाकर की हत्या कर दी। तीसरे छोटे बच्चे को पानी में फेंक दिया था। इस वजह से 3 बच्चों की मौत हो गई थी। लेकिन चौथे बच्चे ने मरने का नाटक करते हुए अपनी जान बचाई। वहीं, पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए 3 बच्चों की हत्यारिन मां और उसके चचेरे देवर को गिरफ्तार किया । 26 जून पिता के लिए उसका बच्चा कलेजे का टुकड़ा होता है बिहार के पटना में एक पिता ने अपने ही दो साल के बेटे की हत्या करने के बाद शव को घर से दूर फेंक दिया। सूचना मिलने के बाद पहुंची पुलिस ने बच्चे का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इसके साथ ही बच्चे की मां के बयान पर आरोपी पिता को गिरफ्तार किया। हाल ही में 10 जुलाई को दिल्ली पुलिस ने दो मासूम नवजात बच्चियों की हत्या मामले में फरार चल रहे पिता को गिरफ्तार किया है। घटना का पता तब चला था जब आरोपी का साला उनके घर आया। आरोपी की पत्नी उस वक्त मायके में थी। उसे भनक भी नहीं थी कि उसके पति ने बड़ी ही बेरहमी से अपनी दो बेटियों को मार डाला। आरोपी पिता बच्चियों को मार डालना चाहता था। इसलिए उसने बच्चियों को दो दिन तक दूध की बूंध भी नहीं पिलाई। भूखे रहने के कारण मासूमों की मौत हो गई। चुपचाप दोनों बच्चियों के शवों को दफना दिया। साले को जीजा पर शक हुआ। उसने पुलिस को इस बारे में बताया। तब पुलिस ने आरोपी के पिता को गिरफ्तार किया।

सावन, एकादशी और बुधवार का योग

भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी का करें अभिषेक, किसी गौशाला में करें धन का दान

सावन, एकादशी और बुधवार के योग में शिव जी, विष्णु जी, गणेश जी और बुध ग्रह की पूजा एक साथ करने का शुभ योग बना है।

कामिका एकादशी पर किए गए व्रत-उपवास और पूजन से भक्तों की मनोकामनाएं जल्दी पूरी हो सकती हैं। इस एकादशी पर पूजा-पाठ के साथ ही ध्यान और मंत्र जप भी करना चाहिए। दीपक जलाकर उसकी ज्योति को देखते हुए ध्यान किया जा सकता है।

एकादशी पर भगवान विष्णु के लिए व्रत-उपवास करने की परंपरा है। इस तिथि के स्वामी विष्णु जी ही माने गए हैं। सावन महीने की इस एकादशी पर प्रथम पूज्य गणेश जी, विष्णु जी के साथ ही शिव जी की भी विशेष पूजा जरूर करें। ज्योतिष में बुधवार का कारक ग्रह बुध ग्रह माना जाता है। इसलिए बुधवार को बुध ग्रह के लिए हरे मूंग का दान करना चाहिए। बुध के मंत्र ऊँ बुधाय नमः का जप 108 बार करें।

ऐसे कर सकते हैं विष्णु जी की पूजा

भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी का दक्षिणावर्ती शंख से अभिषेक करें। अभिषेक करने के लिए दूध में केसर मिलाएं और इस दूध को शंख में भरकर भगवान को स्नान कराएं।

ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करें। भगवान विष्णु को पीले चमकीले वस्त्र चढ़ाएं। देवी लक्ष्मी को लाल चुनरी ओढ़ाएं। कुमकुम का तिलक लगाएं। लाल चूड़ी, सिंदूर, लाल फूल अर्पित करें।

देवी-देवता का फूलों से श्रृंगार करें। दूध से बनी मिठाई का भोग तुलसी के पत्तों के साथ लगाएं। धूप-दीप जलाकर आरती करें।

एकादशी पर भगवान श्रीकृष्ण के साथ ही गौमाता की भी पूजा करनी चाहिए। किसी गौशाला में गायों की देखभाल के लिए धन का दान करें।

कामिका एकादशी व्रत से जुड़ी मान्यताएं

माना जाता है कि इस व्रत से भगवान विष्णु बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं। जिन लोगों की कुंडली में पितृ दोष है या किसी अन्य ग्रह का दोष है तो उन्हें ये व्रत जरूर करना चाहिए।

एकादशी व्रत करने वाले भक्तों को अन्न का सेवन नहीं करना चाहिए। इस दिन फलाहार करें और दूध का सेवन करें।

विष्णु जी के सामने गाय के दूध से बने घी का दीपक जलाना चाहिए।

एक कथा के अनुसार पुराने समय में एक क्षत्रिय ने ये व्रत किया था तो उसे पापों से मुक्ति मिल गई थी और सपने में भगवान विष्णु ने उसे दर्शन दिए थे।

विष्णु पूजा का शुभ संयोग आज

सावन के बुधवार को एकादशी और द्वादशी में विष्णु पूजन से पंचयज्ञों का पुण्य मिलने की मान्यता

शिव पूजा की 10 सरल स्टेप्स

सुबह स्नान के बाद मंदिर में शिव पूजा करने का संकल्प लें।

प्रथम पूज्य गणेश जी की पूजा करें। गणेश जी को स्नान कराएं। दूर्वा, हार-फूल चढ़ाएं। लड्डू का भोग लगाएं। धूप-दीप जलाएं। आरती करें।

गणेश पूजन के बाद पानी में थोड़ा सा गंगाजल मिलाकर शिवलिंग और देवी पार्वती का अभिषेक करें।

दूध, दही, घी, शहद और मिश्री मिलाकर पंचामृत बनाएं। पंचामृत से भगवान का अभिषेक करें।

पंचामृत के बाद साफ जल से शिवलिंग और देवी मां का अभिषेक करें।

शिवलिंग पर चंदन, हार-फूल, बिल्व पत्र, धतूरा, आंकड़े के फूल, अबीर, गुलाल, इत्र, जनेऊ, वस्त्र आदि पूजन सामग्री चढ़ाएं। श्रृंगार करें।

देवी पार्वती को लाल चुनरी, चूड़ियां, कुमकुम, सिंदूर, लाल फूल चढ़ाएं।

मौसमी फल और मिठाई का भोग लगाएं। कर्पूर जलाकर आरती करें।

अंत में भगवान से पूजा में हुई जानी-अनजानी भूल के लिए क्षमा मांगे।

पूजा के बाद प्रसाद बांटें और खुद भी लें।

31 जुलाई को सावन महीने की एकादशी और द्वादशी, दोनों तिथियां हैं। साथ ही बुधवार भी है। माना जाता है, ऐसा संयोग सालों में बनता है। इस योग में भगवान विष्णु की पूजा और व्रत करने से पंचयज्ञों का पुण्य मिलता है। सावन महीने की पहली एकादशी को कामिका एकादशी कहते हैं।

भगवान विष्णु के सामने लें व्रत का संकल्प

स्कंद पुराण में बताया गया है कि सावन महीने के कृष्ण पक्ष में आने वाली एकादशी पर व्रत, पूजा और दान से जाने-अनजाने में हुए पाप खत्म हो जाते हैं। लेकिन, जानबूझकर दोबारा कोई पाप या अधर्म नहीं होगा, ऐसा संकल्प भगवान विष्णु के सामने लेने पर ही इसका फल मिलता है। ये व्रत साल की 24 एकादशियों में खास माना गया है।

ब्रह्माजी ने नारद को बताया

कामिका एकादशी व्रत की कथा सुनना यज्ञ करने के समान है। इस व्रत के बारे में ब्रह्माजी ने देवर्षि नारद को बताया कि पाप से भयभीत मनुष्यों को कामिका एकादशी का व्रत अवश्य करना चाहिए। एकादशी व्रत से बढ़कर पापों के नाशों का कोई उपाय नहीं है। स्वयं प्रभु ने कहा है कि कामिका व्रत से कोई भी जीव बुरी योनि में जन्म नहीं लेता। जो इस एकादशी पर श्रद्धा-भक्ति से भगवान विष्णु को तुलसी पत्र अर्पण करते हैं, वे इस समस्त पापों से दूर रहते हैं।

सावन में विष्णु पूजा का महत्व

महाभारत और भविष्य पुराण में बताया गया है कि सावन महीने के दौरान भगवान विष्णु की पूजा करनी चाहिए। इनके अलावा विष्णुधर्मोत्तर पुराण में भी जिक्र है कि सावन महीने में भगवान विष्णु की पूजा और व्रत-उपवास से मिलने वाला पुण्य कभी खत्म नहीं होता है। पुराणों में कहा गया है कि सावन महीने के दौरान पंचामृत और शंख में दूध भरकर भगवान विष्णु का अभिषेक करने से जाने-अनजाने में हुए हर तरह के पाप खत्म हो जाते हैं।

बिना पानी और भोजन के किया जाता है व्रत

सावन महीने में आने वाली एकादशियों को पर्व भी कहा जाता है। सावन मास में भगवान नारायण की पूजा करने वालों से देवता, गंधर्व और सूर्य आदि सब पूजित हो जाते हैं। एकादशी के दिन स्नानादि से पवित्र होने के बाद पूजा का संकल्प लेना चाहिए। इसके बाद भगवान विष्णु की मूर्ति की पूजा करना चाहिए।

भगवान विष्णु को फूल, फल, तिल, दूध, पंचामृत और अन्य सामग्री चढ़ाकर आठों प्रहर निर्जल रहना चाहिए। यानी पूरे दिन बिना पानी पीए विष्णु जी के नाम का स्मरण करना चाहिए। एकादशी व्रत में ब्राह्मण भोजन एवं दक्षिणा का भी बहुत महत्व है। इस प्रकार जो यह व्रत रखता है उसकी कामनाएं पूरी होती हैं।

शिव पूजा में इन मंत्रों का कर सकते हैं जप

ऊँ गं गणपतयै नमः, ऊँ नमः शिवाय, ऊँ सांब सदाशिवाय नमः, ऊँ गौर्यै नमः मंत्र

महामृत्युंजय मंत्र - ऊँ त्र्यंबकम् यजामहे सुगंधिम् पुष्टिवर्द्धनम्। ऊर्वारुकमिव बंधनात, मृत्योर्मुक्षिय मामृतात्।।

मथुरा के इस मंदिर में स्थित हैं चार युगों के अलग-अलग शिवलिंग

मथुरा कान्हा की नगरी में एक ऐसा शिवालय है, जिसमें चार शिवलिंग स्थापित हैं। सभी शिवलिंगों की अपनी ही अलग मान्यता है। मंदिर में स्थापित शिवलिंग चार युगों की याद को संजोए हुए हैं। कोई भक्त अगर सच्चे मन से 40 दिन विधि विधान से पूजा करता है, तो उसकी सभी मनोकामना पूर्ण हो जाती है। भगवान शिव अपने भक्त को कर्ज से भी मुक्ति दिलाते हैं।

योगीराज श्रीकृष्ण की नगरी सावन के महीने में शिव के जयकारों से गूंज रही है। कान्हा की नगरी मथुरा में एक ऐसा शिव मंदिर है, जो चार युगों की याद को ताज़ा करता है। ये मंदिर उन चार युगों की याद ही नहीं, बल्कि अपने अंदर सभी युग का रहस्य भी समाहित किए हुए है। ये अनोखा शिवालय मथुरा के महाविद्या कॉलोनी स्थित माता महाविद्या के प्रांगण में बना है। इस शिवालय की खासियत ये है कि इसमें चार शिवलिंग स्थापित हैं।

चार युगों की याद दिलाते हैं ये चार शिवलिंग

शिव मंदिर के महंत राधा बल्लभ चतुर्वेदी ने शिव मंदिर की मान्यता बताते हुए कहा कि चार युगों के चार महादेव मंदिर में विराजमान हैं। ये सभी शिवलिंग चार युगों की याद दिलाते हैं। सबसे छोटा शिवलिंग सतयुग, उससे बड़ा त्रेता युग, त्रेता से बड़ा द्वापर युग और अब जो चल रहा है कलयुग है। सबसे बड़ा शिवलिंग कलयुग का है। सभी शिवलिंग की अपनी ही मान्यता है। ये चतुर्भुज महादेव के नाम से मंदिर जाना जाता है। सिद्ध पीठ है। माता सती के जहां-जहां अंग गिरे, वहां-वहां सिद्धपीठ बन गए। पुजारी ने बताया कि जैसे गिर्राज जी हर दिन तिल-तिल घट रहें हैं, वैसे ही कल युग बढ़ रहा है। कलयुग का शिवलिंग बढ़ रहा है। बाकी तीन शिवलिंग हर दिन तिल के सामन घट रहे हैं।

40 दिन मंदिर में कर्ज से मिल सकती है मुक्ति

चतुर्भुज शिव मंदिर के सेवायत पुजारी ने कहा कि अगर किसी व्यक्ति पर कर्ज हो। कर्ज से दबा हुआ व्यक्ति 40 दिन भगवान शिव की आराधना करता है। तो वह कर्ज से मुक्त हो जाता है। उन्होंने कहा कि पूजा भी नियम से करनी होगी। जिस समय पूजा की गई हो उसी समय चालीस दिन तक पूजा करें। ऐसा करने से हर तरह के कर्ज से भगवान भोले छुटकारा दिलाते हैं।

खुद प्रकट हुआ था इस मंदिर का प्राचीन शिवलिंग...भक्त रह गए थे हैरान

भारत के हर राज्य में आपको अनोखे मंदिर देखने के लिए मिल जाएंगे। आज हम आपको एक ऐसे ही शिव मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं, जो कई वर्षों तक जमीन के अंदर गुप्त रहा था। इसी वजह से इस मंदिर का नाम भी गुप्तेश्वर महादेव हो गया। राजस्थान के सिरोही जिले के उमरणी गांव और आसपास का क्षेत्र अमरावती नगरी हुई करता था, यहां कई प्राचीन मंदिर हैं। इनमें से एक मंदिर करीब 3 वर्ष पूर्व लोगों को मिला था। यहां भद्रकाली मंदिर के पीछे स्थानीय लोगों को एक शिवलिंग जमीन के अंदर गड़ा हुआ मिला था।

गुप्तेश्वर महादेव मंदिर की कहानी

गुप्तेश्वर महादेव मंदिर का शिवलिंग उलटा पड़ा था और करीब 3-4 फीट जमीन में था। आसपास के इलाके में कई प्राचीन प्रतिमाएं और मंदिर जैसी बनावट भी मिली है, जिससे प्रतीत होता है कि किसी समय में यहां भव्य मंदिर हुआ करता था। मंदिर के पास ही पहाड़ी में एक गुफा भी है, जिसे गोगा महाराज की गुफा कहा जाता है। यहां बना शिवलिंग करीब 3-4 फीट का है। इसमें कुछ भाग जमीन के बाहर और अधिकांश भाग जमीन के अंदर है। मंदिर में कुछ प्राचीन नंदी भी खंडित अवस्था में दिखाई देते हैं, जो बाहरी आक्रांताओं द्वारा खंडित किए गए थे।

मंदिर के सामने है प्राचीन कुंड

मंदिर के आगे ही एक विशाल कुंड बना हुआ है, जिसे सूरज कुंड कहा जाता है। ये कुंड पूरी तरह गोल है और चारों तरफ कुंड के पेंदे तक जाने के लिए सीढ़ियां नुमा आकृतियां बनी हुई है। प्राचीन समय में ये जल संरक्षण का स्रोत हुआ करता था। इस मंदिर से कुछ कदम की दूरी पर बने भैरू मंदिर के आगे भी एक प्राचीन जलाशय बना हुआ है। इन प्राचीन स्थानों की देखरेख नहीं होने से ये अपना अस्तित्व खो रहे हैं।

राजा अम्बरीष की राजधानी थी अमरावती नगरी

राजा अम्बरीष की राजधानी अमरावती नगरी हुआ करती थी। उस समय यहां कई मंदिर हुआ करते थे। इनमें भगवान ऋषिकेश, भद्रकाली समेत विभिन्न मंदिर आज भी लोगों की आस्था का केंद्र हैं। श्रावण मास में गुप्तेश्वर महादेव मंदिर, कर्णेश्वर महादेव और आसपास के शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ती है।

नागपंचमी के दिन इन मंत्रों का करें जाप, हर इच्छा होगी पूरी

22 जुलाई 2024 से सावन माह की शुरुआत हो चुकी है। ये माह भोलेनाथ को अति प्रिय है। इस दौरान आने वाली नागपंचमी को सभी व्रत और त्योहारों मे प्रमुख माना जाता है। इस दिन नाग देवता की पूजा अर्चना करने से जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। सभी जानते हैं कि नाग देवता महादेव के गले की शोभा को बढ़ाते हैं। ऐसे में भगवान शिव की अराधना करने से पर मनचाहे परिणामों की प्राप्ति होती हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नागपंचमी पर नाग देवता को दूध पिलाने से सांपों के डसने का भय समाप्त हो जाता है। साथ ही सभी बिगड़े काम भी बनने लगते हैं। इस दौरान नाग देवता की पूजा करने से कालसर्प दोष से मुक्ति भी मिलती है।

इस साल नागपंचमी का त्योहार 9 अगस्त 2024 को मनाया जा रहा है। इस दौरान पूजा में यदि नाग देवता के मंत्रों का जाप किया जाए, तो वह प्रसन्न होते हैं, और व्यक्ति की हर इच्छा भी पूरी होती है। ऐसे में आइए नाग देवता के मंत्रों के बारे में जान लेते हैं।

राशि के अनुसार मंत्र

मेष राशि: ॐ गिरी नमः
वृषभ राशि: ॐ भूधर नमः
मिथुन राशि: ॐ व्याल नमः
कर्क राशि: ॐ काकोदर नमः
सिंह राशि: ॐ सारंग नमः
कन्या राशि: ॐ भुजंग नमः
तुला राशि: ॐ महिधर नमः
वृश्चिक राशि: ॐ विषधर नमः
धनु राशि: ॐ अहि नमः
मकर राशि: ॐ अचल नमः
कुंभ राशि: ॐ नगपति नमः
मीन राशि: ॐ शैल नमः

शाहरुख की आंखों में हुई दिक्कत? इलाज के लिए अमेरिका जाएंगे अभिनेता

बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान के प्रशंसक सिर्फ भारत ही नहीं, दुनियाभर में हैं। शाहरुख को विदेश प्रशंसकों से भी भरपूर प्यार मिलता है। हालांकि, इन सब के बीच अब अभिनेता एक बार फिर चर्चा में आए हैं, लेकिन इस बार वजह अभिनेता की फिल्म नहीं बल्कि उनका स्वास्थ्य है। खबरों की मानें तो हाल ही में, अभिनेता आंखों की दिक्कत से जूझ रहे थे और इसके इलाज के लिए उनके अमेरिका रवाना होंगे। बता दें कि अमर उजाला ने शाहरुख की टीम तक पहुंचने की कोशिश की लेकिन किसी ने भी इस सवाल का जवाब नहीं दिया।

आंखों के इलाज के लिए अमेरिका रवाना हुए शाहरुख

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अभिनेता आज यानी 30 जुलाई को अमेरिका के लिए रवाना होंगे। शाहरुख खान अपनी आंखों के इलाज के लिए मुंबई के एक अस्पताल गए थे। उनका इलाज उनके प्लान के अनुसार नहीं हुआ और अभिनेता इस ट्रीटमेंट से खुश नहीं थे। इसलिए शाहरुख को अब आंखों के ट्रीटमेंट के लिए अमेरिका ले जाया गया है।

शाहरुख की टीम ने नहीं दिया जवाब

बता दें कि इस खबर की पुष्टि के लिए अमर उजाला ने अभिनेता की टीम से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन किसी ने शाहरुख के इलाज से जुड़े सवालों का जवाब नहीं दिया है। इससे पहले मई में, शाहरुख खान को कथित तौर पर अहमदाबाद के केडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, क्योंकि वे अपनी टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए आईपीएल मैच के दौरान हीट स्ट्रोक का शिकार हो गए थे। अभिनेता को कथित तौर पर डिहाइड्रेशन के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शाहरुख की करीबी दोस्त अभिनेत्री जूही चावला और उनके पति जय मेहता को केडी अस्पताल से बाहर निकलते देखा गया था।

पहले भी अभिनेता ने कराई है सर्जरी

बता दें कि शाहरुख इससे पहले भी साल 2014 में एक माइनर आई सर्जरी से गुजर चुके हैं। सर्जरी के बाद अभिनेता ने अपने एक्स हैंडल पर एक नोट साझा कर डॉक्टर्स का धन्यवाद किया था। अभिनेता ने लिखा, "मेरी सर्जरी करने के लिए डॉ. बुर्जोर बानाजी और उनकी प्यारी पत्नी को बहुत-बहुत धन्यवाद। ये इतना अच्छा है कि अब मैं लाइनों के बीच भी पढ़ सकता हूं।"

यूके के बिजनेसमैन को डेट कर रही हैं कृति सेनन ?

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन इन दिनों अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं. हाल ही में एक बिजनेसमैन के साथ उनकी कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई थी. कृति सेनन का नाम बी-टाउन की उन हसीनाओं में शामिल हैं. जो अपनी फिल्मों के साथ लुक्स को लेकर भी चर्चा में बनी रहती हैं. हालांकि इन दिनों एक्ट्रेस की सुर्खियां बटोरने की वजह कुछ और ही है. एक्ट्रेस को हाल ही में उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड के साथ स्पॉट किया गया है.

दरअसल कृति सेनन की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं. इन तस्वीरों में एक्ट्रेस एक करोड़पति बिजनेसमैन संग वेकेशन एंजॉय करती दिखी.

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो कृति इस UK बेस्ड बिजनेसमैन कबीर बहिया को डेट कर रही हैं. क्योंकि एक्ट्रेस ने 27 जुलाई को अपना बर्थडे भी कबीर बहिया के साथ ग्रीस में मनाया था.

इस बात की पोल तब खुली जब कृति के बाद कबीर ने उस जगह से फोटोज शेयर की, जहां कृति ने बर्थडे सेलिब्रेट किया था. इन तस्वीरों को देखने के बाद अब हर कोई ये कयास लगा रहा है कि दोनों का अफेयर चल रहा है.

अब अगर आपके मन में भी ये सवाल उठ रहा है कि आखिर ये कबीर बहिया कौन हैं, तो बता दें कि आपको बता दें कि वो यूके के अमीर बिजनेमैन है. उनके पिता कुलजिंदर बहिया सौउथहॉल ट्रावेल के फाउंडर हैं.

इस बात की पोल तब खुली जब कृति के बाद कबीर ने उस जगह से फोटोज शेयर की, जहां कृति ने बर्थडे सेलिब्रेट किया था. इन तस्वीरों को देखने के बाद अब हर कोई ये कयास लगा रहा है कि दोनों का अफेयर चल रहा है. कबीर के फैमिली की गिनती लंदन के सबसे अमीर परिवारों में की जाती है. उनकी नेट वर्थ करीब साढ़े तीन हजार करोड़ के आस-पास है. वर्कफ्रंट की बात करें तो कृति सेनन आखिरी बार फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में नजर आई थी. जिसमें वो एक रोबोट बनी थी.

आसिम रियाज ने 'खतरों के खिलाड़ी 14' से बाहर निकाले जाने के बाद किया पहला पोस्ट

स्टंट बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी सीजन 14' से रोहित शेट्टी ने आसिम रियाज को बाहर का रास्ता दिखा दिया था। उनकी बदतमीजी बढ़ती जा रही थी। जिसके बाद रोहित को ये तक कहना पड़ा कि वह उनसे बदतमीजी न करें नहीं तो वह उनको उठाकर यहीं पटक देंगे। रोमानिया में शूट हुए इस सीजन से निकाले जाने के बाद आसिम रियाज ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया है, जो उनके नए एल्बम 'बिल्ट इन पेन' वॉल्यूम 2 से संबंधित है। इसमें उनके फैंस ने रोहित शेट्टी की आलोचना की है। कहा कि आसिम नहीं तो खतरों के खिलाड़ी नहीं।

'खतरों के खिलाड़ी 14' में आसिम रियाज को दो स्टंट मिले और वह दोनों नहीं कर सके। पहला तो वह कुछ हद तक करने में कामयाब हुए थे। मगर बात नहीं बनी और वह पानी में ही गिर गए। दूसरे स्टंट के दौरान तो वह बिलकुल असफल रहे। उन्होंने स्टंट न कर पाने के लिए मेकर्स को जिम्मेदार ठहराया कि ये हो ही नहीं सकता। अगर कोई ये कर दे तो वह एक भी रुपया नहीं लेंगे। जिसके बाद रोहित शेट्टी ने उन्हें क्लिप भी दिखाई थी कि पहले टीम सभी स्टंट करके देखती है और फिर कंटेस्टेंट्स को परफॉर्म करने के लिए दिया जाता है। इसी दौरान गहमागहमी हुई। बात बढ़ी और अंत में पैसे का रौब झाड़ने वाले आसिम को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया।

आसिम रियाज का शो के बाद नया पोस्ट

शो से बाहर होने के बाद से ही आसिम को अपने फैंस का सपोर्ट मिल रहा है। लेटेस्ट पोस्ट में उन्होंने नए रैप सॉन्ग 'बिल्ट इन पेन' से एक थ्रोबैक तस्वीर और वीडियो पोस्ट किया। मोनोक्रोम वीडियो में वह गाने की लाइनें गुनगुनाते नजर आए। अब इसी पोस्ट के कमेंट सेक्शन में फैंस ने रोहित शेट्टी पर निशाना साधना शुरू कर दिया। शो को होस्ट को खरीखोटी सुनाने लगे।

रोहित शेट्टी और आसिम रियाज के फैंस भिड़े

एक यूजर ने इस पोस्ट पर लिखा, 'रोहित शेट्टी होगा अपने घर का, आसिम रियाज को हल्के में ले रहा था रोहित शेट्टी आसिम को पोक करोगे तो सुनने की क्षमता भी रखो।' एक यूजर ने लिखा, 'टेंशन मत लो आसिम भाई, तुम खतरों के खिलाड़ी में नहीं, तो उस शो को देखेगा कौन।' एक ने लिखा, 'किंग वापस आ गया है।' लेकिन एक यूजर ने आसिम रियाज पर ही कटाक्ष किया। लिखा, 'हम लोगों ने तो साचा था कि तुम जीतकर आओगे। पर तुम तो लूजर निकले। तुमने जितना बोला, उकना तुम टास्क में करके दिखाते ना। तो बढ़िया था।' एक यूजर ने लिखा, 'इतना पैसा कमा लिया तो इसका मतलब ये बिलकुल नहीं कि तुम अपना अहंकार दिखाने कम हक मिल गया।' एक ने लिखा, 'खतरों के खिलाड़ी खुद खतरे में आ गया, आसिम भाई की वजह से।'

नयनतारा को डॉक्टर ने कहा अनपढ़! एक्ट्रेस ने भी बोला मूर्ख! गुड़हल के फूल की चाय का मामला

शाहरुख खान के साथ 'जवान' फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखने वाली साउथ एक्ट्रेस नयनतारा निशाने पर हैं। उन्होंने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पोस्ट में गु ड़ ह ल / अ ड़ हु ल (हिबिस्कस) की चाय पीने के फायदे गिनाए, जिसके बाद एक डॉक्टर ने उन्हें आड़े-हाथों ले लिया। हालांकि, एक्ट्रेस भी चुप नहीं बैठीं और डॉक्टर को इशारों में 'मूर्ख' तक कह दिया। ये वही डॉक्टर हैं, जिन्होंने बीते दिनों साउथ की ही एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु पर भी हमला बोला था, जब एक्ट्रेस ने वायरल इंफेक्शन में हाइड्रोजन पेरोक्साइड नेबुलाइजेशन का इस्तेमाल करने की सलाह दी थी। जानिए पूरा मामला क्या है।

नयनतारा ने गिनाए गुड़हल के फूल के फायदे

39 साल की एक्ट्रेस ने अपने पोस्ट में गुड़हल की चाय पीने के फायदे भी गिनाए। उन्होंने लिखा कि आयुर्वेद में इसका इस्तेमाल लंबे समय से किया जाता रहा है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट की मात्रा ज्यादा होती है और यह डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, हाई कोलेस्ट्रॉल और दिल से संबंधी बीमारियों में मददगार है। यह शरीर के लिए बहुत ठंडा होता है, इसलिए यह उन लोगों के लिए बहुत अच्छा है, जिनकी स्किन पर मुंहासे, गर्मी के कारण फोड़े-फुंसी आदि होते हैं।' उन्होंने ये भी बताया कि मॉनसून के मौसम के लिए ये चाय बहुत अच्छी होती है। इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन होता है। ये मौसमी वायरल से भी बचाता है। एक्ट्रेस ने कहा कि अगर किसी को इसकी रेसिपी चाहिए तो वो सेलिब्रिटी न्यूट्रिशनिस्ट के पेज पर जाकर देख सकते हैं।

डॉक्टर ने नयनतारा को कहा अशिक्षित!

शाहरुख खान की हीरोइन के इस पोस्ट पर हेपेटोलॉजिस्ट डॉक्टर सिरिएक एबी फिलिप्स उर्फ द लिवर डॉक ने आपत्ति जताई है। उन्होंने एक्ट्रेस के दावे को गलत ठहराया और कहा कि हेल्थ को लेकर उनके पास कोई नॉलेज नहीं है। उनकी हेल्थ एक्सपर्ट झोलाछाप है। वो अपने पोस्ट में लिखते हैं, 'यह सिनेमा एक्ट्रेस नयनतारा हैं, जिनके फॉलोअर्स की संख्या दूसरी एक्ट्रेस सामंथा से दो गुनी से भी ज्यादा है और वे हिबिस्कस चाय नामक सप्लीमेंट के माध्यम से अपने 8.7 मिलियन फॉलोअर्स का गलत फायदा उठा रही हैं। अगर वह सिर्फ इतना ही कहती कि गुड़हल की चाय टेस्टी होती है, तो ठीक रहता। लेकिन नहीं, उन्हें आगे बढ़कर अपने स्वास्थ्य-अशिक्षा का ढोल पीटना है और यह भी दावा करना है कि गुड़हल की चाय डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, मुंहासे, एंटी बैक्टीरियल और फ्लू से बचाने में सहायक है।'

चुप नहीं बैठीं नयनतारा, डॉक्टर को दिया करारा जवाब

डॉक्टर के तंज कसने के बाद नयनतारा भी चुप नहीं बैठीं और सोशल मीडिया पर बिना नाम लिए डॉक्टर पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा, 'मूर्ख लोगों से कभी बहस नहीं करनी चाहिए। वे आपको खींचकर अपने लेवल पर गिरा देंगे और फिर आपको एक्सपीरियंस से आपको मात देंगे।' उन्होंने एक और स्टेटस लगाया, जिसमें लिका, 'जिसको भी स्पष्टीकरण की जरूरत है, वो इस पोस्ट को जरूर देखें।' इसमें गुड़हल के फूल के बारे में जानकारी दी गई है। फिर तीसरे पोस्ट में उन्होंने मुनमुन गनेरीवाला को टैग करते हुए गुड़हल के फूल के चाय की रेसिपी भी शेयर की।

सोनम ने पति आनंद को खास अंदाज में दी जन्मदिन की बधाई, कहा- वायु और मैं बहुत भाग्यशाली हैं

सोनम कपूर और आनंद आहूजा इंडस्ट्री के मोस्ट लविंग कपल्स में से एक हैं। कपल की तस्वीरें और वीडियोज आए दिन सोशल मीडिया पर वायरल होती रहती हैं। फैंस भी कपल की पोस्ट को काफी पसंद करते हैं। सोनम और आनंद ने साल 2022 में अपने पहले बच्चे का स्वागत किया था। अब पति आनंद के जन्मदिन के खास मौके पर सोनम ने उनके लिए एक खास पोस्ट किया है, जिसमें उनके बेटे वायु भी थे। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या लिखा है।

सोनम कपूर के पति आनंद अहूजा आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर अपने पति आनंद आहूजा के साथ खास पलों को दिखाते हुए कई तस्वीरें शेयर कीं। पहली स्लाइड में दोनों की एक प्यारी सी सेल्फी थी, जिसमें सोनम आनंद के कंधे पर सिर रखे नजर आईं। अगली दो तस्वीरों में, वे कैमरे की तरफ पीठ करके झील के पास हाथों में हाथ डाले चल रहे थे।

अपने पोस्ट के कैप्शन में सोनम ने लिखा, मेरे बेहतरीन पति आनंद को जन्मदिन की शुभकामनाएं! आप मेरे लिए मेरे सपोर्ट, मेरे कॉन्फिडेंस और मेरे सबसे बड़े चीयरलीडर हैं। आपके साथ हर दिन प्यार, हंसी से भरा रहता है। आपका अटूट समर्थन और प्यार मेरी दुनिया को बेहतर बनाता है।

सोनम ने आगे वायु के साथ आनंद के रिश्ते के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, आनंद, आपको हमारे प्यारे वायु के पिता के रूप में देखना मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी की बात है। वायु और मैं बहुत भाग्यशाली हैं कि आप हमारे गाइडिंग लाइट हैं। जिस तरह से आप उसकी देखभाल करते हैं, उसे सिखाते हैं और उस पर प्यार बरसाते हैं, वह किसी जादू से कम नहीं है।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा में 'सोढ़ी' की वापसी पर असित मोदी ने किया इंकार?

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' फेम अभिनेता गुरुचरण सिंह काफी समय से सुर्खियों में बने हुए हैं। अभिनेता ने शो में रोशन सिंह सोढ़ी का किरदार निभाया था। इस साल की शुरुआत में अभिनेता लापता हो गए थे, तभी से वह लगातार खबरों में छाए हुए हैं। गुरुचरण सिंह को लेकर कहा जा रहा है कि वो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में अपनी वापसी कर सकते हैं। मगर एक नई रिपोर्ट के अनुसार, शो के निर्माता असित मोदी ने उन्हें मना कर दिया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, गुरुचरण सिंह ने असित मोदी से आग्रह किया कि वे उन्हें 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में वापस ले लें। अभिनेता ने ये दावा किया है कि नए रोशन सिंह सोढ़ी को दर्शकों द्वारा पसंद नहीं किया जा रहा है। गुरुचरण ने असित मोदी से मीडिया से बात करने के लिए भी कहा। मगर उन्होंने ऐसा करने से मना कर दिया है। कथित तौर पर असित मोदी ने यह स्पष्ट कर दिया कि गुरुचरण सिंह 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में वापस नहीं आ रहे हैं।

गुरुचरण सिंह और असित मोदी ने 16 जुलाई को मुंबई में उनके दफ्तर में मुलाकात की थी। उनकी मुलाकात के बाद से ये कयास लगाए जा रहे थे कि अभिनेता जल्द ही 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में अपनी वापसी कर रहे हैं। अभिनेता ने एक बातचीत में कहा था, 'जब मैं लापता हो गया था, तो असित कुमार मोदी ने मुझे एक संदेश भेजा था, जिसमें मुझे उन्हें फोन करने के लिए कहा गया था। यह देखते हुए कि उन्होंने मेरे करियर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मेरे लिए उनसे मिलना महत्वपूर्ण था।

वहीं, असित कुमार मोदी ने एक बयान में कहा था, 'मेरे लिए सोढ़ी मेरे परिवार की तरह हैं। वह लंबे समय तक हमारे साथ जुड़े रहे। निजी कारणों से शो छोड़ने के बाद वह जब भी मुंबई आते थे तो मुझसे मिलने आते थे। कुछ समय पहले उन्होंने जो किया, उनके लिए मैं चिंतित था और इसी चिंता में मैंने उन्हें मैसेज किया था। वह कार्यालय आए और हमने दिल खोलकर बातचीत की।'

'पपाराजी को खुश करके मुझे फिल्में नहीं मिलेंगी', माफी नहीं मांगूगी : तापसी पन्नू

एक्ट्रेस तापसी पन्नू के लिए अगस्त महीना बेहद खास होने वाला है। उनकी दो फिल्में आ रही हैं, एक ओटीटी पर और दूसरी थिएटर में। इस बीच उन्होंने एक इंटरव्यू दिया है, जिसमें पैप्स संग होने वाले झगड़े पर उन्होंने रिएक्ट किया है। कहा वह माफी नहीं मांगेंगी।

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू को लोग दूसरी जया बच्चन कहते हैं। क्योंकि दोनों ही पपाराजी के साथ सही बर्ताव नहीं करते हैं। उनका पपाराजी के साथ अलग ही टशन देखने को मिलता है, जिसके कारण कई बार उनकी आलोचना भी होती है। अब एक्ट्रेस ने खुद ही बताया है कि उनका पैप्स से ऐसा रिश्ता क्यों है। उन्होंने कहा कि फोटोग्राफर अपने फायदे के लिए उनके बयानों और वीडियो का गलत इस्तेमाल करते हैं।

तापसी पन्नू ने एक इंटरव्यू में पपाराजी द्वारा लिए जाने वीडियोज और फोटोज पर कहा, 'आप कैसे क्लिक करोगे? मुझे बताइए अच्छाई बातों पर कौन क्लिक करता है? आखिरी बार आपने किस अच्छी खबर पर क्लिक किया था? अब ये वाली खबर ज्यादा सनसनीखेज है। कहा जाता है कि वह पैप्स से गलत बर्ताव कर रही है। इसलिए हर कोई कहता है फिर कि अच्छा ऐसा क्या हो गया। अब तो देखना पड़ेगा। इसलिए यह ऑडियंस के लिए ज्यादा एक्साइटिंग हो जाता है।'

तापसी पन्नू ने कहा कि वह मीडिया को खुश नहीं करेंगी

तापसी पन्नू ने आगे कहा, 'मुझे ये चीजें पिक्चर लाकर नहीं दे रही हैं। मेरी फिल्में खुद ही बोलती हैं। तो मुझे तथाकथित मीडिया के एक वर्ग को खुश करने की जरूरत नहीं है। मैं उन्हें डायरेक्ट मीडिया भी नहीं कहती क्योंकि वह अपना मतलब पूरा कर रहे हैं कि कोई तो उनके पोर्टल पर क्लिक कर दे।

कुछ लोग हमेशा हर जगह लेट क्यों होते हैं : लेटलतीफी सिर्फ आलस नहीं, मनोवैज्ञानिक समस्या है, कैसे पाएं इस आदत से छुटकारा

किसी भी रेलवे स्टेशन पर जाएं तो कुछ लोग सिर पर बैग रखे सरपट दौड़ते नजर आ जाएंगे। चेकिंग काउंटर पर लाइन में आगे जाने के लिए लड़ते या फिर समय से ट्रेन तक पहुंचने के लिए कुली को एक्ट्रा पैसे देते भी मिल जाएंगे।इतनी कवायद के बाद भी उनकी ट्रेन छूट ही जाती है। लेकिन क्यों? क्या ट्रेन समय से पहले आकर चली गई या लोगों को ट्रेन की सही टाइमिंग मालूम नहीं थी।

अपने देश में ट्रेन समय पर आ जाए, यही गनीमत है। समय से पहले पहुंचने और निकल जाने का तो सवाल ही नहीं उठता। दूसरी ओर, टिकट पर ट्रेन की टाइमिंग भी साफ-साफ अक्षरों में लिखी होती है। तमाम ऐसे ऐप हैं, जो ट्रेन का रियल टाइम लोकेशन बताते हैं।

कुछ ऐसा ही हाल जिंदगी में लोगों का होता है। किसी से मिलने जाना हो या दफ्तर में जरूरी मीटिंग हो, सुबह वक्त पर उठना हो या रात में समय पर सोना, कुछ लोग हमेशा देर कर ही देते हैं। उन्हें अंग्रेजी में कहा जाता है- 'लेट कमर्स।'

किस्मत नहीं, खराब मैनेजमेंट से होती है देरी

सबसे पहले यह समझ लेना जरूरी है कि लेट होना खराब किस्मत की बात नहीं। हमेशा लेट होने की आदत खराब मैनेजमेंट या जीवनशैली की ओर इशारा करती है।

आमतौर पर यह भी देखा जाता है कि लेट होना लोगों के स्वभाव का हिस्सा बन जाता है। यानी एक ही शख्स ट्रेन पकड़ने में, दफ्तर जाने में, उठने या सोने में हर जगह देर कर देता है।

यह एक तरह की मनोवैज्ञानिक समस्या बन जाती है। एक समय बाद यही लेटलतीफी जिंदगी का हिस्सा बन जाती है। फिर लोग चाहकर भी कहीं टाइम से नहीं पहुंच पाते। इससे फर्क नहीं पड़ता कि उन्हें 10 बजे बुलाया गया है या 12 बजे, उनको देर हो ही जाती है।

लेटलतीफी का एक कारण एडीएचडी बीमारी

जो इंसान लगातार लेट होने को आदत बना लेता है, काम को टालता है और वक्त पर काम पूरा नहीं कर पाता है तो उसे एडीएचडी की शिकायत हो सकती है।

अटेंशन- डेफिसिट/ हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर खराब एकाग्रता या अति सक्रियता या आवेगपूर्ण बर्ताव है, जो कामकाज या विकास में बाधक बनता है।

जिंदगी में टाइम मैनेजमेंट बहुत जरूरी

जिंदगी में टाइम मैनेजमेंट का बहुत बड़ा रोल है। इसे हम उस वक्त तो नहीं समझ पाते, जब हम लेट पर लेट हो रहे होते हैं और इसे आदत बना लेते हैं। लेकिन बाद में इसकी कीमत समझ आती है। देर होना असल में समय की कमी नहीं बल्कि गलत मैनेजमेंट का नतीजा है। अगर कोई हमेशा देर करता है तो इसका मतलब यह नहीं है कि उसकी घड़ी तेज भाग रही है। असल समस्या उस शख्स के दिमाग में है, जिसमें देर करने, काम को टालने की आदत घर कर गई है।

टाइमर सेट करें- यह आपके लिए सबसे मददगार साबित हो सकता है। अगर आप चीजें भूलते हैं या उसे करने में लेट हो जाते हैं तो आप टाइमर सेट कर सकते हैं। आपको कब तैयार होना शुरू करना है, इसके लिए एक टाइमर सेट करने पर विचार कर सकते हैं।

रोज का टाइम-टेबल बना लें- एक नियमित दिनचर्या तय करने से आपकी कई समस्याएं हल हो जाएंगी। टाइम-टेबल सेट करने से आप यह ट्रैक कर पाएंगे कि आपको रोजाना के काम में कितना समय लगता है।

व्यवस्थित जीवनशैली- यदि आप हमेशा देर से आते हैं क्योंकि आपको अपना सामान समय से नहीं मिल पाता है तो व्यवस्थित होने से आपको बहुत मदद मिलेगी। एक ऐसा क्षेत्र निर्धारित करने पर विचार करें, जहां आप अपनी चाबियां, बटुआ, जूते और फोन रख सकें।

समय से पहले निकलें- यह पता लगाने का प्रयास करें कि कहीं पहुंचने में कितना समय लगेगा और यदि आप ट्रैफिक में फंस जाते हैं तो इसके लिए 5-10 मिनट एक्ट्रा लेकर चलें।

टूटते रोमांटिक रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए क्या करें

भागदौड़ भरी जिंदगी में एक बदलाव यह भी आया है कि आजकल रिश्ते तेजी से टूटने लगे हैं। दुनिया भर में तलाक के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। भारत जैसे देश में जहां तलाक के केस न के बराबर होते थे, वहां भी मिलने-बिछड़ने का चलन आया है। रोमांटिक रिश्तों का टूटना तो अब बड़ी खबर भी नहीं मानी जाती है। लेकिन ऐसा क्यों होता है। प्यार करने वाले या शादी के बंधन में बंधे दो लोग इतनी आसानी से अलग क्यों हो जाते हैं। अमेरिका की नॉर्थ कैरोलाइना यूनिवर्सिटी में साइकोलॉजी की प्रोफेसर सारा एल्गो ने लंबी स्टडी के बाद इसके कुछ कारण बताए हैं। अगर इनसे बचा जाए तो रिश्ते में टूट की आशंका काफी हद तक कम भी हो सकती है।

रिश्ता टूटने की सबसे बड़ी वजह 'धोखा'

सारा एल्गो के मुताबिक मौजूदा वक्त में रोमांटिक या वैवाहिक रिश्तों के टूटने की सबसे बड़ी वजह धोखा देना या कमिटमेंट की कमी है। धोखा सिर्फ फिजिकल नहीं होता, जब एक पार्टनर दूसरे की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाता है तो दूसरा पार्टनर इमोशनली ठगा हुआ महसूस करता है। उसे लगता है कि प्यार के बदले में उसे प्यार नहीं मिला।

इमोशनल चीटिंग की ये भावना रिश्ते को कमजोर कर देती है। जो आगे चलकर तलाक या टूट की वजह भी बन सकती है।

इसके अलावा कुछ ऐसी भी चीजें हैं, जिनकी कमी होते ही रिश्ता टूटकर बिखरने लगता है।

फिजिकल टच और साथ हंसने के मौके हैं जरूरी

रिश्ते की गाड़ी सही दिशा में संतुलित होकर चलती रहे, इसके लिए जरूरी है कि पार्टनर्स आपस में खूब सारा वक्त बिताएं, साथ हंसने-हंसाने के मौके ढूंढें।

सारा एल्गो और उनकी टीम ने दुनिया भर के सैकड़ों रोमांटिक पार्टनर्स से बातचीत की और उनकी गतिविधियों का बारीक अध्ययन किया।

उन्होंने नतीजे में पाया कि जिन रोमांटिक जोड़ों को साथ में हंसने के मौके मिलते थे, उनका नजरिया एक-दूसरे से काफी मेल खाता था। वे अलग-अलग मुद्दों पर एक जैसी राय रखते थे। किसी टॉपिक पर साथ हंसने से उनमें एक-दूसरे से सहमत होने का भाव आता है। दोनों दुनिया को एक ही तरीके से देख पाते हैं। नतीजतन उनका रिश्ता भी मजबूत होता जाता है।

दूसरी ओर, जिन पार्टनर्स को आपस में हंसने के मौके कम मिलते थे, उनका रिश्ता अपेक्षाकृत कमजोर पाया गया।

बिना टीम भावना रिश्ते को चलाना नामुमकिन

रिश्ते की टूटने की एक बड़ी वजह पार्टनर्स के बीच टीम भावना की कमी भी है। किसी भी रिश्ते को सही दिशा देने और उसे लंबा टिकाए रखने के लिए जरूरी है कि उसमें कुछ साझे लक्ष्य निर्धारित हों।

साझी जिम्मेदारी, लक्ष्य और सपने पार्टनर्स के मन में एक मनोवैज्ञानिक असर पैदा करते हैं, जिसके बाद उनमें साथ और टीम भावना आती है।

उन्हें लगता है कि फलां-फलां काम हमें साथ में करना और लक्ष्य तक पहुंचना है। और इसके लिए रिश्ते का बना रहना भी जरूरी है। कॉमन जिम्मेदारी, लक्ष्य और सपने ही रिश्ते को स्थायित्व देते हैं और ऊब को कम करते हैं।

क्या है इमोशनल इमैच्योरिटी, जो रिश्ते के लिए है खतरनाक

'साइकोलॉजी टुडे' की एक रिपोर्ट बताती है कि जब इंसान की उम्र और उसके सोचने-समझने की क्षमता में अंतर आ जाए यानी वह अपनी उम्र के मुकाबले परिपक्वता न दिखा पाए तो ऐसी स्थिति को इमोशनल इमैच्योरिटी कहते हैं।

ऐसी स्थिति में शख्स अपनी पार्टनर की भावनाओं को समझ पाने में असमर्थ होता है। वह सिर्फ अपने शॉर्ट टर्म फायदों को ही देखता है। रिश्ते की जिम्मेदारियों से पीछा छुड़ाने की कोशिश करता है।

इमोशनल इमैच्योरिटी की स्थिति में शख्स यह फैसला नहीं कर पाता कि उसे कहां और कितना इमोशन दिखाना है। उसका अपने इमोशन पर कंट्रोल नहीं रहता। ऐसी स्थिति में रोमांटिक या वैवाहिक रिश्ता मुश्किल में आ जाता है।

अभी तक हमने रिश्ते में टूट की वजहों की बात की। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि इनमें से किसी एक कारण के सामने आते ही रिश्ता टूटकर बिखर जाएगा। शुरुआत में ये लक्षण रिलेशनशिप फटीग यानी रिश्ते में थकान की वजह बनते हैं। अगर समय रहते पार्टनर्स इससे न उबरें तो ही रिश्ते के टूटने की आशंका होती है।

रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए ध्यान रखें ये बातें

अपने पार्टनर को हर सिचुएशन में प्राथमिकता दें।

रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए एक-दूसरे की इज्जत करें।

स्ट्रॉन्ग बॉन्डिंग के लिए पार्टनर के परिवार से भी अच्छा मेल-जोल बनाएं।

रिश्ते में बेवजह शक न करें।

अपनों का भरोसा कभी न तोड़ें।

हर समय रोक-टोक न करें।

पार्टनर के साथ क्वालिटी टाइम बिताने की कोशिश करें। रिश्ते में कम्युनिकेशन गैप न आने दें। एक-दूसरे से खुलकर बात करें। सिर्फ अपनी न चलाएं, दूसरों को भी अपनी बात कहने का मौका दें। आर्थिक कारणों से झगड़े न हों, इसलिए फ्यूचर प्लानिंग करें। एक-दूसरे का अच्छे कामों के लिए आभार जताएं।पार्टनर का मनोबल बढ़ाएं। इससे रिश्ते को नई ऊर्जा मिलती है। हर वक्त पार्टनर को नीचा न दिखाएं, बल्कि तारीफ करें। पार्टनर को खुश करने के लिए छोटे-छोटे काम करें। हर रिश्ते में झगड़े होते हैं, उसे बढ़ाए नहीं, खत्म करें।

टीवी और स्क्रीन की सफाई कैसे करें? ये आसान तरीके आएंगे काम

टीवी और स्क्रीन की सफाई करना एक महत्वपूर्ण कार्य है जो हमें अपने टीवी को स्वच्छ और अच्छे स्वास्थ्य के लिए बनाए रखने में मदद करता है। एक साफ और धूल मुक्त टीवी स्क्रीन देखने का अनुभव बेहतर बनाता है और उसके द्वारा प्रदर्शित किए जाने वाले चित्र और वीडियो की गुणवत्ता को बढ़ाता है।

माइक्रोफाइबर क्लोथ का उपयोग करें

टीवी और स्क्रीन की सफाई के लिए सबसे अच्छा तरीका है माइक्रोफाइबर क्लोथ का उपयोग करना। यह एक छोटा, नरम और आपके टीवी स्क्रीन पर कोई कठोरता नहीं लाने वाला कपड़ा होता है। माइक्रोफाइबर क्लोथ को धूल और धूल में भी उपयोग किया जा सकता है, जिससे आपके टीवी और स्क्रीन को गहरी सफाई मिलती है। इसे धीरे-धीरे और हल्के हाथों से साफ करें और ध्यान दें कि आप इसे गीला न करें।

धूल को हटाएं

टीवी और स्क्रीन की सफाई करते समय, धूल और धूल को हटाना महत्वपूर्ण है। आपके टीवी की स्क्रीन पर जमी हुई धूल और धूल उसकी गुणवत्ता को कम कर सकती है और उसे कमजोर बना सकती है। इसलिए, सबसे पहले, एक सूखी और नरम ब्रश का उपयोग करके अपने टीवी और स्क्रीन पर धूल और धूल को हटाएं। ब्रश को हल्के हाथों से चलाएं और याद रखें कि आपको गहरी दबाव नहीं डालना है।

छाया और उजाले को ध्यान में रखें

जब आप अपने टीवी और स्क्रीन की सफाई कर रहे होते हैं, तो ध्यान दें कि आप उन्हें छाया और उजाले से दूर रखें। वहां बड़ी रोशनी या ऊँची छाया होने से आपको टीवी और स्क्रीन की सफाई करने में कठिनाई हो सकती है। इसलिए, एक धूप में खड़े होकर अपने टीवी और स्क्रीन को सफाई करें और उन्हें धूप से दूर रखें।

टीवी स्क्रीन को गीला न करें

टीवी स्क्रीन को साफ करते समय, ध्यान दें कि आप उसे गीला नहीं करें। ज्यादा मात्रा में पानी टीवी स्क्रीन को नुकसान पहुंचा सकता है और उसे बिगाड़ सकता है। इसलिए, सबसे पहले अपने माइक्रोफाइबर क्लोथ को सूखा करें और फिर उसे टीवी स्क्रीन पर उपयोग करें। यदि आपको अधिक सफाई की आवश्यकता है, तो आप एक बौनी और सूखी कपड़े को थोड़ा सा गीला करके उसे उपयोग कर सकते हैं।

टीवी को मॉइस्चर से बचाएं

टीवी को मॉइस्चर से बचाना भी महत्वपूर्ण है। जब आप अपने टीवी की सफाई कर रहे होते हैं, तो ध्यान दें कि आप उसे बहुत गीला न करें और उसे नमी से दूर रखें। मॉइस्चर टीवी के लिए हानिकारक हो सकता है और उसे नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए, सफाई करते समय उपयोग किए जाने वाले कपड़ों को हमेशा सूखा रखें और टीवी की सफाई के बाद उन्हें सुरक्षित रखें। इन आसान तरीकों का उपयोग करके आप अपने टीवी और स्क्रीन को स्वच्छ और मुक्त धूल से रख सकते हैं। ध्यान दें कि आप इन तरीकों को नियमित रूप से अपनाएं ताकि आपका टीवी हमेशा चमकदार और मुक्त धूल रहे।

पार्टनर के इशारों को समझें नजरों की भाषा बढ़ाएगी प्यार

पति-पत्नी के रिश्ते में एक-दूसरे की भावनाओं और इच्छाओं को जानने के लिए नजरों की भाषा को समझना भी बहुत जरूरी है। क्या आप दोनों एक-दूसरे की इस भाषा को समझते हैं?पति-पत्नी का रिश्ता दुनिया के सबसे अनूठे और महत्वपूर्ण संबंधों में से एक है। इसमें एक-दूसरे को जानना-समझना सबसे ज्यादा जरूरी होता है, जिसके लिए सबसे ज्यादा जरूरी है एक-दूजे की भावनाओं को पढ़ना। यह एक ऐसा बंधन है, जिसमें विश्वास, प्यार, सम्मान और समझदारी की आवश्यकता होती है। इस रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए एक-दूसरे की भावनाओं को महसूस करना भी बहुत जरूरी होता है, खासकर नजरों की भाषा को समझना, जो शब्दों से अधिक प्रभावी हो सकती है।

भाषा का महत्व

नजरें अक्सर हमारे दिल की बात कह देती हैं, जो पति-पत्नी के बीच संचार का एक महत्वपूर्ण साधन हो सकती हैं। पति-पत्नी का रिश्ता एक ऐसा बंधन है, जिसमें एक-दूसरे की भावनाओं और इच्छाओं को समझना बहुत जरूरी है। नजरों की भाषा इस संचार का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो कभी-कभी शब्दों से भी अधिक प्रभावी हो जाती है। इसको समझने से आपसी समझ, विश्वास, संवेदनशीलता और संवाद में सुधार आता है। नजरों के साथ-साथ शरीर की अन्य भाव-भंगिमाएं भी एक-दूसरे को बिना कहे कुछ कहने का माध्यम होती हैं।

फायदे हैं अनेक

नजरों की भाषा को समझने से कई लाभ होते हैं। यह न केवल आपके संचार को सुधारती है, बल्कि रिश्ते को भी मजबूत बनाती है। नजरों की इस भाषा से पता चलता है कि आप दोनों में कितना अच्छा तालमेल है। कई बार आप परिवार के बीच होती हैं या सार्वजनिक स्थानों पर होती हैं तो वहां आपके पास शब्दों का इस्तेमाल करने का विकल्प नहीं होता। ऐसे में नजरें ही संवाद का माध्यम बनती हैं।

नजरों की भाषा को समझना एक कला है, जो समय के साथ विकसित होती है। इसके लिए भावनात्मक रूप से एक-दूसरे से जुड़े रहना जरूरी होता है। अगर आप अपने साथी की भावनाओं को समझती हैं तो उनकी नजरों से कही गई बातों को भी आसानी से समझ सकती हैं। जब आप बिना शब्दों के ही एक-दूसरे को समझ पाती हैं तो आपका संवाद अधिक प्रभावी और कारगर हो जाता है। इससे गलतफहमियां कम होती हैं और आपसी संबंधों में सुधार होता है।

कैसे करें इस्तेमाल

अपनी नजरों के माध्यम से साथी को प्रेम और स्नेह का अहसास दिलाएं। जब आपका साथी किसी मुश्किल परिस्थिति में हो तो नजरों के माध्यम से उन्हें यह एहसास दिलाएं कि आप उनके साथ हैं। जब आप अपने साथी से बात कर रही हों तो उनकी आंखों में देखें। इससे एक गहरा संपर्क बनता है और आपके बीच की समझ बढ़ती है। नजरें आपको यह जानने में भी मदद करेंगी कि आपका साथी कब खुश होता है, कब परेशान होता है और कब कुछ कहना चाहता है।

सकारात्मक सोच बहुत जरूरी

मनोवैज्ञानिक मेघा शर्मा बताती हैं, नजरों की भाषा, जिसे हम बॉडी लैंग्वेज या नॉन-वर्बल कम्युनिकेशन भी कहते हैं, किसी भी शादीशुदा रिश्ते के लिए अहम है। खासकर आज के समय में यह भाषा बहुत मायने रखती है, क्योंकि आज के समय ज्यादातर युगल एक-दूसरे के प्रति नेगेटिव अप्रोच ज्यादा रखते हैं। कई बार अनजाने में ही हम अपने साथी को नीचा दिखा देते हैं या उसका दिल दुखा देते हैं, जिससे वह भावनात्मक रूप से टूटने लगता है। इसलिए दोनों के बीच संवाद होना बेहद जरूरी है।

बच्चे करेंगे मजे से होमवर्क, अभिभावक पढ़ाते समय अपनाएं ये टिप्स

बच्चों के लिए होमवर्क मजेदार हो तो वे उसे खुशी-खुशी पूरा कर लेंगे और समय भी बचेगा। क्या आपको ऐसा लगता है कि आप अपने बच्चों को होमवर्क करने के लिए लगातार परेशान कर रही हैं? आप का ऐसा करना स्वाभाविक है, क्योंकि आप यही चाहती हैं कि आपके बच्चे आगे बढ़ें और स्कूल में अच्छा परफॉर्म करें, लेकिन पूरे दिन कागज, पेंसिल और किताबों से खेलने के बाद बच्चे अपना होमवर्क करने से कतराते हैं। इसलिए आपको अपने बच्चों के इस बोरिंग होमवर्क को मजेदार और रोचक बनाने की कोशिश करनी चाहिए, ताकि वे बस होमवर्क को निपटाएं नहीं, बल्कि सीखें भी।

सहयोग है जरूरी

होमवर्क करने के लिए बच्चों को शांत और सुव्यवस्थित स्थान प्रदान करें। उन्हें होमवर्क से जोड़ने के लिए वास्तविक जीवन के उदाहरणों का उपयोग करें। छोटे-छोटे लक्ष्य निर्धारित करें। अगर होमवर्क ज्यादा हो तो टुकड़ों में पढ़ाने की कोशिश करें। अगर वे गलतियां करें, तब भी उन्हें प्रोत्साहित करें। धैर्य रखें और जब वे प्रयास करें तो उनकी सराहना करें, उन्हें पुरस्कार दें। साथ ही यह याद रखना सबसे महत्वपूर्ण है कि हर बच्चा अलग होता है। कुछ बच्चों को दूसरों की तुलना में अधिक प्रेरणा और सहायता की आवश्यकता हो सकती है। इसलिए थोड़े प्रयास और रचनात्मकता से आप उनके हर

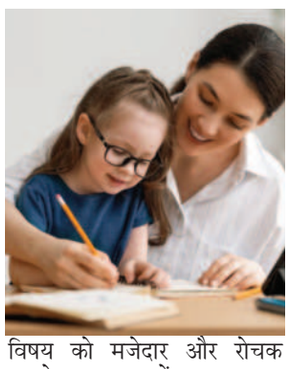

विषय को मजेदार और रोचक बनाने का प्रयास करें।

गणित

इस विषय को मजेदार बनाने के लिए आप खाने-पीने वाली चीजों का उपयोग कर सकती हैं। ये उन्हें सीखने में मदद करेंगे और भरपूर पोषण भी देंगी। संख्या आधारित बोर्ड गेम खेलना भी अच्छा साबित हो सकता है। इसलिए आप गणितीय समस्याओं को सुलझाने के लिए उन्हें पहेलियों और ब्रेन टीजर का उपयोग करना सिखाएं।

विज्ञान

घर पर विज्ञान के प्रयोग करें, जैसे कि ज्वालामुखी बनाना, बादलों का अध्ययन करना या खुद का स्लाइम बनाना। पार्क में जाएं और विभिन्न प्रकार के पौधों और जानवरों का निरीक्षण कराएं। आप बच्चों को विज्ञान संग्रहालय या प्रदर्शनी में ले जाएं और विज्ञान मेलों या प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित करें।

इतिहास

आप अपने बच्चों को ऐतिहासिक स्थलों, स्मारकों या संग्रहालयों की यात्रा कराएं। ऐतिहासिक अवधियों और घटनाओं के बारे में जानने के लिए शॉर्ट फिल्में और डॉक्यूमेंट्री दिखाएं, खुद भी साथ में देखें और बीच-बीच में उन्हें जानकारी देती रहें।

भाषा-कला

कहानी लिखें, कविता बनाएं या गाना गाएं। विभिन्न प्रकार की किताबें और कहानियां पढ़ें। भाषा के खेल में बच्चों के साथ शब्द वाले खेल और पहेलियां खेलें। इन गतिविधियों को अधिक मजेदार बनाने के लिए विभिन्न पुरस्कारों और प्रोत्साहनों का उपयोग करें।

और क्या करें

आप बच्चों के साथ मजेदार गतिविधियों में भाग लें। मजेदार और आकर्षक तरीके से सीखने में मदद करने के लिए उन्हें शैक्षिक एप्स और गेम उपलब्ध कराएं।

प्रशंसा के दो बोल

बाल मनोवैज्ञानिक गार्गी मालगुडी बताती हैं, होमवर्क घर के लिए ही होता है, इसलिए इसमें माता-पिता खुद-ब-खुद शामिल हो जाते हैं। ऐसे में यह आपकी जिम्मेदारी है कि आप उसे मजेदार बनाएं। बच्चा अपना होमवर्क तभी खुशी से करेगा, जब उसे लगेगा कि वो मजेदार है। इसलिए आपको उसके होमवर्क को व्यवहारिक बनाना होगा।

खाने में ज्यादा हो गई है मिर्च तो अपनाएं ये तरीके, सही हो जाएगा स्वाद

भारतीय खाना पूरे विश्व में काफी फेमस है। दूर के देशों से लोग आकर यहां का खाना खाते हैं। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि भारत में सबसे ज्यादा चटाकेदार खाना मिलता है। लोग यहां रोजाना के खाने में तीखा और मजेदार भोजन खाना पसंद करते हैं, लेकिन कई बार ऐसा होता है कि ज्यादा तीखा खाना बनाने के चक्कर में लोग गलती से ज्यादा मिर्च डाल देते हैं।

अगर हरी मिर्च ज्यादा डल जाए तो इसका तीखापन परेशानी नहीं देता, लेकिन अगर लाल मिर्च खाने में ज्यादा डल जाए तो ये मुश्किल बढ़ा देती है। लाल मिर्च ज्यादा डलने के बाद लोग उस खाने को फेंकना ही पसंद करते हैं। अगर आपके साथ भी अक्सर इस तरह की परेशानी हो जाती है तो हम आपको इस तीखेपन को कम करने के लिए कुछ तरीके बताने जा रहे हैं। कुछ चीजों के इस्तेमाल से आप

इस तीखेपन को कम कर सकते हैं।

सब्जी में मिलाएं टमाटर पेस्ट

कई बार गलती से सब्जी में लाल मिर्च ज्यादा हो जाती है। ऐसे में आप तत्काल टमाटर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस एक पैन में हल्का का तेल गर्म करना है और उसमें टमाटर के पेस्ट को सही से भूनना हैं। जब ये सही से भुन जाए तो इसमें सब्जी डाल दें। इससे मिर्च का स्वाद कम हो जाएगा।

देसी घी

हर घर में देसी घी तो पाया ही जाता है। ऐसे में अगर आपकी सब्जी में लाल मिर्च ज्यादा हो गई है तो देसी घी डालकर आप उसका स्वाद सही कर सकती हैं। देसी घी से मिर्च का तीखापन कम हो जाएगा।

मलाई

हर भारतीय घर के फ्रिज में आपको मलाई रखी तो मिल ही जाएगी। ऐसे में अगर आपकी सब्जी ज्यादा तीखी हो गई है, तो इसमें मलाई डालकर हल्का कुक कर लें। इससे सब्जी का तीखापन कम हो जाएगा।

मैदा

सब्जी में तीन से चार चम्मच मैदा मिलाकर आप इसके तीखेपन को दूर कर सकते हैं। अगर सब्जी में पानी ज्यादा हो गया है, तब भी आप मैदा डालकर उसे सही कर सकते हैं।

अगर नाश्ते में बच्चों को बनाकर खिलाएंगे दही सैंडविच तो दूसरे दिन भी होगी मांग

एक समय था जब बच्चे घर का बना भोजन करना पसंद करते थे, लेकिन आज समय बदल गया है। आज के बच्चे बाजार में मिलने पकवानों को खाना ज्यादा पसंद करते हैं। जब उन्हें घर का बना कुछ खाने को दिया जाए तो उनके काफी नखरे होते हैं। ऐसे में हर मां के सामने ये दिक्कत रहती है कि वो अपने बच्चे को ऐसा क्या खिलाएं, जिसे वो मन से खाए और उसका पेट भी भर जाए।

दही सैंडविच बनाने का सामान

1 कप दही, ब्रेड, मक्खन, नमक, काली मिर्च पाउडर, चाट मसाला, 1 कटा हुआ प्याज, टमाटर, शिमला मिर्च, कटी हुई हरी धनिया

विधि

दही सैंडविच बनाना काफी आसान है। इसके लिए सबसे पहले एक बड़े कटोरे में दही निकालें। अब इसे पूरी तरह से फेंट लें। फेंटने के बाद इसमें कटा हुआ प्याज, टमाटर और शिमला मिर्च डालें।

सभी चीजों को मिक्स करने के बाद इसमें नमक,

काली मिर्च पाउडर और हल्का सा चाट मसाला डालें। एक बार फिर इसे चमचे की मदद से सही से मिक्स करें। आखिर में इसमें कटी हुई धनिया पत्ती डालें।

अब एक ब्रेड स्लाइस लेकर उसपर इस मिश्रण को लगाएं। सही से मिश्रण लगाने के बाद दूसरा ब्रेड इसके ऊपर रख दें। इसके बाद तवे को गर्म करके उस पर मक्खन लगाएं और फिर सैंडविच को सुनहरा होने तक सेकें। ये सैंडविच आप अपने बच्चे को जूस के साथ परोस सकती हैं। आप चाहें तो सैंडविच बनाने के लिए ब्राउन ब्रेड का इस्तेमाल कर सकती हैं।

2047 तक विकसित भारत बनाना सरकार का लक्ष्य

लोकसभा में बजट पर चर्चा के जवाब में बोलीं वित्त मंत्री

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। हमारा लक्ष्य 2047 तक विकसित भारत बनाना है। इस वित्तीय वर्ष में 48.2 लाख करोड़ रुपये खर्च होंगे। वित्त मंत्री ने लोकसभा में बजट की चर्चा का जवाब देते हुए ये बातें कही। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि यह बजट विकसित भारत के लिए है। भौगोलिक विकास के हिसाब से यह बजट तैयार किया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि विकसित भारत सरकार का विजन है। वित्त मंत्री ने कहा कि इस वित्तीय वर्ष में 48.2 लाख करोड़ रुपये खर्च होने जा रहा है। वित्त मंत्री ने कहा, हमारा लक्ष्य 2047 तक विकसित भारत बनाना है। वित्त मंत्री ने कहा कि हम देश में स्थितरता के निर्माण के लिए काम कर रहे हैं। विपक्षी दलों के आरोपों पर बोलते हुए वित्त मंत्री ने कहा, मैं यह साफ कर देना

चाहती हूं कि अगर किसी राज्य का बजट में नहीं लिया गया इसका मतलब यह कतई नहीं है कि उस राज्य को पैसे जारी नहीं किए गए। विपक्ष को लोगों के बीच ऐसी गलत धारणा नहीं बनानी चाहिए। इस दौरान वित्त मंत्री ने बताया कि यूपीए सरकार के कार्यकाल के दौरान किस वर्ष के बजट में कितने राज्यों के नाम की चर्चा नहीं की गई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में बजट चर्चा का जवाब देते हुए दावा किया, हम राजकोषीय घाटे को 2025-26 तक 4.5% से नीचे लाएंगे। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में बजट चर्चा का जवाब कहा, हमने इस साल केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के केंद्रीय बजट में 17,000 करोड़ रुपये की पर्याप्त वित्तीय सहायता प्रदान की है। इसमें जम्मू-कश्मीर पुलिस की लागत के वित्तपोषण के लिए 12,000 करोड़ रुपये शामिल हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि यह एक भार है जिसे हम अपने कंधों पर लेना चाहते हैं ताकि जम्मू-कश्मीर के पास विकास गतिविधियों पर पैसा खर्च करने के लिए अधिक लचीलापन मौजूद हो। 5,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त केंद्रीय सहायता भी प्रदान की गई है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में बजट चर्चा का जवाब देते हुए कहा, मैं सदन के प्रत्येक सदस्य को धन्यवाद देना चाहती हूं, जिन्होंने यहां पेश किए गए बजट में बात की है और रुचि ली है। मैं देश के लोगों को पीएम मोदी के नेतृत्व वाली इस सरकार को लगातार तीसरी बार ऐतिहासिक कार्यकाल देने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। यह लोगों के विश्वास और प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है जिसके साथ प्रधानमंत्री देश का नेतृत्व कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में देश में स्थिरता का माहौल बन रहा है और जन-केंद्रित नीतियां सामने आ रही हैं।

'यूपीए के 10 साल एक असफल प्रयोग थे

वे एक नाजुक अर्थव्यवस्था छोड़ गए थे : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल बजट पर विपक्षी दलों की ओर से किए जा रहे हमलों पर पलटवार किया है। कांग्रेस, राहुल गांधी और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम पर टिप्पणी करते हुए गोयल ने कहा, 2004 में तत्कालीन वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने कहा था कि उन्हें एक बहुत मजबूत अर्थव्यवस्था विरासत में मिली है।

उस समय विकास दर 8% से अधिक था, अर्थव्यवस्था के आकार की तुलना में विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत था। मैंने यूपीए सरकार के दस भाषण पढ़े हैं, एक बार भी एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी लाने का उल्लेख नहीं किया गया। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि उन्होंने एक बार भी गरीबों को मुफ्त घर, मुफ्त बीमा, मुफ्त अनाज देकर उनके उत्थान की कोशिश करने की बात नहीं की। यूपीए सरकार के दस वर्षों में, वे देश को लगभग 4.4% की विकास दर पर ले गए, उस दौरान मुद्रास्फीति ऊंचाइयों पर थी ... वे प्रधानमंत्री मोदी के लिए एक नाजुक अर्थव्यवस्था छोड़ गए, जिसे दुनिया कमतर देखती थी... वे (कांग्रेस) देश को उच्च राजकोषीय घाटा, उच्च मुद्रास्फीति, कम वृद्धि, बहुत कम विदेशी मुद्रा भंडार छोड़ गए। गोयल ने कहा, यूपीए के 10 साल एक असफल प्रयोग थे जिसने एक असफल शासन मॉडल को प्रतिबिंबित किया और देश के लोगों को अपने घुटनों पर ला दिया। यूपीए शासन के दौरान एक के बाद एक भ्रष्टाचार के घोटाले सामने आए।

झारखंड में हावड़ा-मुंबई मेल पहले से डिरेल मालगाड़ी से टकराई

18 डिब्बे पटरी से उतरे, अब तक 2 की मौत; 22 घायल

जमशेदपुर,30 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड के जमशेदपुर में मंगलवार सुबह 3.43 बजे 12810 मुंबई-हावड़ा मेल पहले से डिरेल हुई मालगाड़ी से टकरा गई। घटना के बाद मेल की 18 बोगियां पटरी से उतर गईं। हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 22 घायल बताए जा रहे हैं। इनमें चार रेलवे के कर्मचारी भी शामिल है। घायलों का इलाज चक्रधरपुर रेलवे अस्पताल में चल रहा है।पैसेंजर ट्रेन का इंजन डिरेल हुई मालगाड़ी की बोगी से टकराया। इसके बाद ट्रेन के 18 डिब्बे पटरी से उतर गए। हादसा राजखरसवां और बड़ाबाम्बो के बीच हुआ। रेलवे ने मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख का मुआवजा देना का ऐलान किया है। वहीं गंभीर रूप से घायल 6 यात्रियों को 5-5 लाख का मुआवजा दिया जाएगा।
चक्रधरपुर रेल मंडल के सीनियर डीसीएम आदित्य कुमार चौधरी ने बताया कि रेलवे की दुर्घटना राहत ट्रेन और एंबुलेंस घटनास्थल पर मौजूद है। घायलों को चक्रधरपुर स्थित रेलवे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रेल हादसे पर झारखंड स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा- हम घटनास्थल पर आए हुए हैं, इस विपदा की खड़ी में सुबह से हमारे जिला अधिकारी, , एसपी पूरी स्वास्थ्य विभाग की टीम लगी हुई है। मतृक के परिवार को मुख्यमंत्री राहत कोष से 2 लाख रुपए और गंभीर रूप से घायल लोगों को 50,000 रुपए दिए जाएंगे और उन्हें स्वास्थ्य संबंधित जो जरूरत पड़ेगी वो दिया जाएगा।

मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख का मुआवजा- रेलवे

झारखंड रेल हादसे में 2 यात्रियों की मौत हुई है। रेलवे ने मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख का मुआवजा देना का ऐलान किया है। वहीं गंभीर रूप से घायल 6 यात्रियों को पांच-पांच लाख का मुआवजा दिया जाएगा।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -वर्षा
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
सूर्योदय -05-58
सूर्यास्त. -18-47
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल .. उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- एकादशी 15-55 तक उपरान्त द्वादशी
मास - श्रावण कृष्ण , बुधवार 31 July
नक्षत्र - रोहिणी 10-12 तक उपरान्त मृगशिरा
योग - ध्रुव 14-13 तक उप व्याघात
करण- बालल 15-55 तक उप कौलव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - एकादशी व्रत

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कर्क	मे	कर्क-	05-00 बजे
चंद्र-	वृष	मे	सिंह..	07-12 बजे
मंगल	वृष	मे	कन्या..	09-18 बजे
बुध-	सिंह	मे	तुला...	11-24 बजे
गुरु-	वृष	मे	वृश्चिक..	13-33 बजे
शुक्र-	कर्क	मे	धनु....	15-48 बजे
शनि-	कुंभ.	मे	मकर....	17-53 बजे
राहु-	मीन	मे	कुंभ....	19-44 बजे
केतु-	कन्या	मे	मीन-	21-22 बजे
			मेष---	22-58 बजे
			वृष--	00-43 बजे
			मिथुन-	02-43 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:22 से 13:59 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ..	05:58 - 07:33	शुभ	उत्पात	18:47 - 20:12	अशुभ
अमृत..	07:33 - 09:09	शुभ	शुभ	20:12 - 21:35	शुभ
काल.	09:09 - 10:46	अशुभ	अमृत	21:35 - 22:59	शुभ
शुभ.	10:46 - 12:22	शुभ	चंचल	22:59 - 00:23	शुभ
रोग.	12:22 - 13:59	अशुभ	रोग	00:23 - 01:46	अशुभ
उत्पात	13:59 - 15:35	अशुभ	काल	01:46 - 03:10	अशुभ
चंचल	15:35 - 17:12	शुभ	लाभ	03:10 - 04:33	शुभ
लाभ	17:12 - 18:47	शुभ	उत्पात	04:33 - 05:58	अशुभ

क्या टैक्स छूट और टैक्स डिडक्शन के मायाजाल में उलझ गए हैं आप

समझ लीजिए इनके बीच का अंतर

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। हर साल जुलाई आते ही इनकम टैक्स रिटर्न भरने की जद्दोजहद आपको करनी पड़ती है. इस दौरान आपको टैक्स बचाने के लिए कई तरह के डॉक्यूमेंट की जरूरत भी पड़ती है. फिर आपका सामना होता है टैक्स छूट और टैक्स डिडक्शन से. भले ही यह दोनों आपके टैक्स को कम करने में काम आते हों लेकिन, ये हैं एक दूसरे से बिलकुल अलग.
आइए समझते हैं इनकम टैक्स की यह दोनों व्यवस्थाएं कैसे काम करती हैं.

देश में चल रहे दो सिस्टम ओल्ड टैक्स रिजीम और न्यू टैक्स रिजीम

इस समय देश में ओल्ड टैक्स रिजीम और न्यू टैक्स रिजीम के नाम से दो व्यवस्थाएं चल रही हैं. न्यू टैक्स रिजीम में टैक्स छूट की ज्यादातर चीजें हटा दी गई हैं.

हालांकि, ओल्ड टैक्स रिजीम के तहत आप आज भी कई तरह की टैक्स छूट और टैक्स डिडक्शन का लाभ ले सकते हैं.

क्या है टैक्स डिडक्शन

यह एक वित्त वर्ष में किए जाने वाले आपके निवेश और खर्च का विवरण होता है. इसे आप रिटर्न भरते समय आपकी कुल आय में से घटा सकते हैं. इसमें कुछ विशेष म्युचुअल फंड, ईपीएफ, पीपीएफ, लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी, ट्यूशन फीस, हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी प्रीमियम, होम लोन एवं एजुकेशन लोन की किस्त और दान का पैसा शामिल होता है. ओल्ड टैक्स रिजीम में टैक्स डिडक्शन के लिए इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80सी, 80डी, 80जी, 24 आदि का इस्तेमाल कर सकते हैं. सेक्शन 80सी - इनवेस्टमेंट और खर्च - 1.5 लाख रुपये तक सेक्शन 80सीसीडी (1बी) - एनपीएस - 50 हजार रुपये तक सेक्शन 80डी - मेडिकल प्रीमियम - 25 हजार रुपये तक
सेक्शन 80इ - एजुकेशन लोन - 8 साल तक भरा जाने वाला ब्याज सेक्शन 80टीटीए - सेविंग अकाउंट पर ब्याज - 10 हजार रुपये तक सेक्शन 80टीटीबी - ब्याज - 50 हजार रुपये तक (60 साल से ऊपर के लोगों के लिए)

क्या है टैक्स छूट

टैक्स छूट में आय के वह स्त्रोत आते हैं, जिन पर टैक्स लगता ही नहीं है. इनमें एग्रीकल्चर इनकम, हाउस रेंट अलाउंस और लीव ट्रेवल अलाउंस आते हैं. इन्हें इनकम टैक्स एक्ट से सेक्शन 10 में जगह दी गई है. इनमें से ज्यादातर को न्यू टैक्स रिजीम में से हटा दिया गया है।

अप्रैल-जून में अच्छी बिक्री से वैश्विक सोने की मांग में 4.16 प्रतिशत की वृद्धि, डब्ल्यूजीसी ने की पुष्टि

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। वैश्विक सोने की मांग अप्रैल-जून तिमाही में 4.16 प्रतिशत बढ़कर 1,258.2 टन हो गई। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह बात कही। डब्ल्यूजीसी की 'दूसरी तीमाही 2024 सोना मांग रुझान' रिपोर्ट के अनुसार, 2023 की दूसरी तिमाही में कुल मांग 1,207.9 टन थी जो 2024 में बढ़कर 1,258.2 टन हो गई। आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जून तिमाही में मांग को 'ओवर-द-काउंटर' (ओटीसी) लेनदेन से समर्थन मिला, जो पिछले वर्ष की तुलना में 53 प्रतिशत बढ़कर 329 टन हो गया। 'ओवर-द-काउंटर' लेनदने से तात्पर्य दो पक्षों के बीच सीधे लेनदेन से है। रिपोर्ट में कहा गया, इसके साथ ही समीक्षाधीन तिमाही में सोने की कीमतों में भी सालाना आधार पर 18 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो औसतन 2,338 डॉलर प्रति औंस रही। तिमाही के दौरान यह 2,427 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर पर भी पहुंच गई।
इसमें कहा गया, ओटीसी मांग में वृद्धि,

केंद्रीय बैंकों की ओर से निरंतर खरीद, तथा ईटीएफ निकासी में कमी के कारण इस वर्ष दूसरी तिमाही में सोने की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गईं। समीक्षाधीन तिमाही में वैश्विक स्वर्ण ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) में सात टन की मामूली निकासी देखी गई। डब्ल्यूजीसी की वरिष्ठ बाजार विश्लेषक लुईस स्ट्रीट ने कहा कि केंद्रीय बैंकों और ओटीसी बाजार की मजबूत मांग के कारण सोने की बढ़ती और रिकॉर्ड तोड़ने वाली कीमत सुर्खियों में रही। उन्होंने कहा, ''.... भविष्य में सोने के लिए कुछ संभावित चुनौतियां हैं, लेकिन वैश्विक बाजार में भी बदलाव हो रहे हैं, जिससे सोने की मांग को समर्थन और बढ़ावा मिलेगा।''

इंडियन ऑयल को पहली तिमाही में 2,643 करोड़ का मुनाफा

सालाना आधार पर 81% कम हुआ,रेवेन्यू 2.33% गिरकर 2.16 लाख करोड़

मुंबई,30 जुलाई (एजेंसियां)। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन को वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में 2,643 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा (स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट) हुआ है। सालाना आधार पर इसमें 80.78% की कमी आई है। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी को 13,750 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। ऑपरेशनल रेवेन्यू की बात करें तो अप्रैल-जून तिमाही में यह 2,15,989 करोड़ रुपए रही। सालाना आधार पर इसमें 2.33% की कमी हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में कंपनी ने 2,21,145 करोड़ की कमाई की थी। हालांकि, टोटल इनकम 2,16,523 करोड़ रुपए रही।

स्टैंडअलोन का मतलब- एक यूनिट का प्रदर्शन

स्टैंडअलोन फाइनेंशियल स्टेटमेंट (रिजल्ट) किसी इंडिविजुअल कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन, स्थिति और कैश फ्लो को बाताता है। इसमें उसके सहायक कंपनियों के नतीजे शामिल नहीं होते हैं। कंपनियों के रिजल्ट दो भागों में आते हैं- स्टैंडअलोन और कॉन्सोलिडेटेड।

नतीजों के बाद 1.67% चढ़ा इंडियन ऑयल का शेयर

नतीजों के बाद इंडियन ऑयल का शेयर आज (मंगलवार, 30 जुलाई) 1.67% ऊपर चढ़कर 183.40 रुपए के स्तर पर बंद हुआ। कंपनी के शेयर ने पिछले 5 दिन में 9.83%, एक महीने में

9.39%, पिछले 6 महीने में 24.17% और एक साल में 95.63% का रिटर्न दिया है। कंपनी का शेयर इस साल यानी 1 जनवरी 2024 से अब तक 40.75% चढ़ा है। कंपनी का मार्केट-कैप 2.58 लाख करोड़ रुपए है।

एवरेज ग्रॉस रिफाइनिंग मार्जिन 2.84 डॉलर घटा

इंडियन ऑयल ने बताया कि अप्रैल-जून तिमाही के लिए ऐवरेज ग्रॉस रिफाइनिंग मार्जिन (जीआरएम) 6.39 डॉलर प्रति बैरल रहा। पिछले साल की इसी अवधि के दौरान यह 8.34 डॉलर था। जीआरएम ऑयल रिफाइनरी (आउटपुट) से निकलने वाले पेट्रोलियम उत्पादों के टोटल वैल्यू और कच्चे माल (इनपुट) की कीमत के बीच के अंतर को कहते हैं। यहां कच्चा माल क्रूड ऑयल है।

1964 में बनी थी इंडियन ऑयल, ये महारत्न कंपनी

इंडियन ऑयल महारत्न नेशनल ऑयल कंपनी है। इसका गठन 1964 में इंडियन ऑयल कंपनी लिमिटेड और इंडियन रिफाइनरीज लिमिटेड के विलय के साथ किया गया था।

आज खुला एकम्स ड्रग्स का आईपीओ

1875 करोड़ रुपये जुटाने की रेस में पहला पड़ाव पार

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स दिल्ली की फार्मा कंपनी है. इस कंपनी का आईपीओ मंगलवार 30 जुलाई को खुल गया है. इस इश्यू के जरिए एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स 1,856.74 करोड़ जुटाने की कोशिश कर रही है. इस आईपीओ में निवेशक 646 रुपये से लेकर 679 रुपये के बीच शेयरों पर बोली लगा सकते हैं.

कंपनी ने एंकर निवेशकों से जुटाए 829 करोड़ रुपये

दवा कंपनी एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स ने मंगलवार को आईपीओ खुलने से पहले 29 जुलाई को एंकर निवेशकों से करीब 829 करोड़ रुपये जुटाए हैं. कंपनी ने जानकारी दी है कि एंकर निवेशकों में अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, स्मॉलकैप वर्ल्ड फंड, एचएसबीसी

ग्लोबल इन्वेस्टमेंट फंड्स, एसबीआई म्यूचुअल फंड, बंधन एमएफ, मोतीलाल ओसवाल एमएफ, आदित्य बिड़ला सन लाइफ एमएफ, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी और आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस का नाम शामिल है. एनएसई की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक, कंपनी ने 1.22 करोड़ शेयरों का आवंटन 50 फंड्स को किया है. यह शेयर 679 रुपये के हिसाब से अलॉट किए गए हैं. ऐसे में इसके जरिए कुल 828.78 करोड़ रुपये इकट्ठा किए गए हैं.

जानें आईपीओ के डिटेल्स

इस आईपीओ के जरिए एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स कंपनी ने 680 करोड़ रुपये के फ्रेश शेयर जारी किए हैं. वहीं, ऑफर फॉर सेल के जरिए 1,856.74 करोड़ रुपये जुटाए जाएंगे. कंपनी ने आईपीओ में खुदरा निवेशकों के लिए 22 शेयरों का लॉट साइज तय किया है. अधिकतम 13 लॉट पर बोली लगाई जा सकती है. ऐसे में रिटेल निवेशक आईपीओ में 14,938 रुपये से लेकर 1,94,194 रुपये तक पैसे लगा सकते हैं.इस इश्यू में कंपनी ने एंकर निवेशकों के लिए 44.60 फीसदी रिजर्व किया है. वहीं, क्यूआईबी के लिए 29.73 फीसदी, एनआईआई के लिए 14.87 फीसदी, रिटेल निवेशकों के 9.91 फीसदी और कंपनी के कर्मचारियों के लिए 0.89 फीसदी हिस्सा सुरक्षित कर रखा गया है।

निफ्टी का मिडकैप - स्मॉलकैप ऑलटाइम हाई पर हुआ क्लोज निफ्टी का मिडकैप - स्मॉलकैप ऑलटाइम हाई पर हुआ क्लोज,सेंसेक्स-निफ्टी भी तेजी के साथ बंद

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार के कारोबारी सत्र में पिछले सत्र के समान फ्लैट बंद हुआ. इँडेक्स फ्लेट रहा लेकिन कुछ सेक्टर्स के स्टॉक्स में जोरदार एक्शन देखने को मिला है. एनर्जी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑटो और बैंकिंग शेयरों में खरीदारी के चलते बाजार में ये तेजी देखने को मिली है. आज के सत्र में भी मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स का जोश हाई नजर आया है. कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 100 अंकों की उछाल के साथ 81,455 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 21 अंकों के उछाल के साथ 24,857 अंकों पर क्लोज हुआ है. सेंसेक्स के 30 शेयरों में 16 तेजी के साथ और 14 गिरकर बंद हुए. जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 20 तेजी के साथ और 30 गिरकर क्लोज हुए. आज के कारोबार में टाटा मोटर्स 3.42 फीसदी, एनटीपीसी 3.34 फीसदी, पावर ग्रिड 2.12 फीसदी, एशियन पेंट्स 1.69 फीसदी, टाइटन 1.64 फीसदी, इंडसइंड बैंक 1.29 फीसदी, बजाज फिनसर्व 2.10 फीसदी, मारुति 1.02 फीसदी के उछाल के साथ बंद हुआ है. जबकि गिरने वाले शेयरों में सन फार्मा 1.30 फीसदी, आईटीसी 1.19 फीसदी, एचयूएल 0.90 फीसदी, भारती एयरटेल 0.68 फीसदी, रिलायंस 0.50 फीसदी के उछाल के साथ क्लोज हुआ है. भारतीय शेयर बाजार में तेजी जो रही है उसका क्रेडिट एनर्जी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑटो, बैंकिंग, मेटल्स, मीडिया, रियल एस्टेट सेक्टर के शेयरों को जाता है. जबकि आईटी, फार्मा, हेल्थकेयर, एफएमसीजी सेक्टर के स्टॉक्स गिरावट के साथ बंद हुए. मिडकैप स्टॉक्स में खरीदारी के चलते निफ्टी का मिडकैप कैप इंडेक्स ऑलटाइम हाई 58,782 अंकों को छूने के बाद 0.44 फीसदी के उछाल के साथ ऑलटाइम हाई पर क्लोज हुआ है. स्मॉलकैप शेयरों में भी शानदार तेजी देखने को मिली है. निफ्टी का स्मॉलकैप इंडेक्स भी आज के सत्र में 19,251 अंकों को ऑलटाइम हाई को छूने में कामयाब रहा है.

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
अपना बेहतर प्रयास डाले । आपने दुसरो का समर्थन किया है परन्तु वे अपने बारे में अच्छा नहीं सोचते न जानते और आपके प्रयासों की सराहना करना वे भूल गए । आप ऐसे लोगों के बारे में चिंता न करे और अपने प्रयास जारी रखे ! अपनी कार्य के प्रति अपनी भावनाओ को लगाये न की उन लोगो के लिए जो आपको महत्व नहीं देते ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
यह समय अपने कार्य क्षेत्र को दिशा या बदलाव देने का उचित समय है । कुछ समय से आप अस्थिरता को महसूस कर रहे है । नए और जोश भर देने वाले अवसर आज आपके सामने आ सकते है और आपको आशावादी रहकर उन्हें पकड़ना है । यह आपके कार्य क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में मदद करेगा और आगे जाकर आपकी कार्य क्षेत्र संबंधित समस्याओं का निराकरण करने में मदद करेगा।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
ग्रहों की स्थिति में परिवर्तन के कारण , एक नई ऊर्जा का संचार आप में हो सकता है । आप जीवंत महसूस करेंगे । आप में अधिक से अधिक काम लेने की इच्छा आप में प्रबल होगी और तब भी आप खुश रहेंगे । इससे पता चलता है की चीज़े सकारात्मक दिशा में आगे भड़ रही है। लेकिन इस उत्साह में , अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप समय के महत्व को जानते हैं और आप आज एक लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में काम करेंगे। आप सही रास्ते पर हैं। कड़ी मेहनत करे , सफलता आप से दूर नहीं है। आपकी वित्तीय स्थिति स्थिर है और इसलिए आप व्यापार और शेयरों में कुछ जोखिम ले सकते हैं । आय के नए अवसर आज दिखाई दे सकते हैं। आगे जाने से पहले अपने शुभचिंतकों से परामर्श करें।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज आपको अत्यधिक खर्चो का सामना करना पड़ सकता है इसलिए नहीं की वो खर्चे दूर नहीं किये जा सकते थे बल्कि इसलिए की आप खुद उन खर्चो को करना चाहते थे । यह ठीक है की आप अपने मुश्किल समय के लिए पैसे बचाते है जो की बुद्धिमता वाला काम है लेकिन आज आप अपने या अपने किसी ख़ास व्यक्ति जो आपके बहुत निकट है।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आप किसी भी सरकारी हस्तक्षेप के बिना छुट्टियों के कुछ दिन बिताने के बाद अब वापस अपनी कार्य करने की शैली में वापस आ गए है , लेकिन आपके ग्राहकों, सहयोगियों के व्यवहार से ऐसा नहीं लगता । उन्हें समझे और उनकी समस्याओं के प्रति सम्मान दिखाए । उन्हें कार्यो से हटकर कुछ मानसिक शांति देने का प्रयास करे लेकिन उन्हें ऐसा न लगे की आप उन पर कोई एहसान कर रहे है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आप यह पता लगाने की कोशिश करें की कौन सी वस्तु या चीज़ से आप अपने आप से सर्वश्रेष्ट कार्य ले सकते है । यह आपकी विचारधाराओ और रचनात्मकता को भी अद्वितीय अनुभूति देगा । हालाँकि , आपके वित्तीय पुरस्कार में विलंब होगा , फिर भी अपने वित्तीय संकट से खुद को बचाने के लिए आपके पास पर्याप्त आय है।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज का दिन अपने प्रयासों को तेज करने और अपनी महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सबसे अच्छा समय है । आप अपनी परियोजना के सफलतापूर्वक अंतः के लिए प्रतिबद्ध है जिसके लिए आप कड़ी मेहनत करेंगे । आपका संकल्प और अच्छे प्रयास बर्बाद नहीं होंगे और आप निकट भविष्य में अच्छे फल की उम्मीद कर सकते है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज आप एक आमंत्रक की भूमिका में रहेंगे ! इसलिए एक मेजबान की जगह एक आयोजक की भूमिका में रहे , आप दोनों ही मामलो में अच्छी राशि पाएंगे परन्तु एक आयोजक की भूमिका लाभप्रद होगी । यह आपकी जन्मजात क्षमताओं में से एक है सिर्फ आप उसकी पहचान नहीं कर पाये थे ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आपका कार्य के समय हर छोटे बिंदु का मूल्यांकन और हर कार्य को पूरा करने के लिए सावधानी बरतना आपके वरिष्ठ अधिकारियों का ध्यान आपकी और आकर्षित करेगा । आपको और अधिक जिम्मेदारी दी जाएगी ।आपको अपने सामान्य कुशल तरीके से इन से निपटना होगा ताकि ये आपके कैरियर के अवसरों में आने वाले समय में वृद्धि कर सके ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपकी कोई ऐसी निजी घटना है जो आपको रोके हुए है और आपकी तरक्की की राह में बाधा बन रही है । अगर आप खुद को गंभीर मुसीबतों से बचाना चाहते हैं तो इन मुद्दों को सुलझा लें । अपने रिश्तों की महत्ता समझने की कोशिश करें , अपने प्रयासों को रिश्तों की अहमियत देखकर ही निर्धारित करें ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपने अपने लिए बहुत ऊँचे मानक तय किये हैं और आप इन्हें हासिल करने के लिए बहुत प्रयास कर रहे हैं । फिर भी लक्ष्य तक पहुंचना मुश्किल होगा और इससे आपको थोड़ी निराशा होगी । आपको लक्ष्य तय करने से पहले अपनी क्षमताएं ध्यान में रखनी होंगी । समय कोई बड़ा फैसला लेने के लिए उपयुक्त नही है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

पीएम आवास योजना से वंचित पात्र परिवारों को जल्द मिलेगा आवास

सीएम साय ने की केन्द्रीय मंत्री से मुलाकात

रायपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नई दिल्ली के कृषि भवन में कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। इस दौरान छत्तीसगढ़ के कृषि और ग्रामीण विकास के विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसी योजनाओं के कार्यान्वयन पर विशेष जोर दिया गया। मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित 15.18 लाख पात्र परिवारों के आवास का मुद्दा भी रखा, जिस पर केंद्रीय मंत्री ने जल्द स्वीकृति देने का आश्वासन दिया है। केंद्रीय मंत्री से मुलाकात के दौरान उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा भी साथ थे। बैठक में मुख्यमंत्री साय ने केंद्रीय मंत्री को सूचित किया कि छत्तीसगढ़ प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लंबित 15.18 लाख परिवारों को अभी तक आवास की स्वीकृति नहीं मिली है। इसमें 6.99 लाख परिवार योजना के स्थायी प्रतीक्षा सूची में हैं और 8.19 लाख परिवार आवास प्लस में शामिल हैं। पूर्व में योजना के लिए राज्य का हिस्सा नहीं मिलने के कारण यह समस्या बनी रही। मुख्यमंत्री ने जल्द आवास स्वीकृत करने का अनुरोध किया, जिस पर केंद्रीय मंत्री ने इस पर तत्काल कार्रवाई किए जाने की बात कही है। मुख्यमंत्री साय ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों और प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने के कारण सामाजिक आर्थिक जातिगत जनगणना-2011 एवं आवास प्लस 2018 की सूची में अनेक पात्र परिवारों का नाम शामिल नहीं हो सका है। उन्होंने 10 हजार 500 नए पात्र परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना में शामिल करने का अनुरोध किया और साथ ही नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पंचायतों को आवास निर्माण की स्वीकृति देने की मांग की। मुख्यमंत्री ने मनरेगा योजना के तहत आधार आधारित भुगतान प्रणाली (एबीपीएस) में 31 मार्च, 2025 तक छूट देने का आग्रह किया, ताकि दूरस्थ और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के श्रमिकों को योजना का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा दूरस्थ और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में इंटरनेट की कमी और अन्य समस्याएं हैं, जिससे आधारित भुगतान में कठिनाई आ रही है। इसके साथ ही इन क्षेत्रों में जब तक बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध ना हो तब तक नगद भुगतान की अनुमति देने की मांग की। सीएम साय ने आदिवासी क्षेत्रों में सड़क कनेक्टिविटी सुधार की आवश्यकता जताई, जहां कई बसाहटें बारहमासी सड़कों से जुड़ी नहीं हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में छूटे हुए आदिवासी क्षेत्रों को शामिल करने और पुरानी सड़कों के उन्नयन की मांग की।

आर्मी लैंड स्कैम केस में आईएएस छवि रंजन को सुप्रीम कोर्ट से झटका

जमानत याचिका खारिज

रांची, 30 जुलाई (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने रांची में सेना की जमीन की बिक्री से जुड़े एक मामले में शहर के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन की जमानत याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति एससी शर्मा की पीठ ने कहा कि वह पिछले वर्ष अक्टूबर में झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा खारिज की गई जमानत के आदेश में हस्तक्षेप करने की इच्छुक नहीं है। रांची के बरैतू इलाके में 4.55 एकड़ सेना की जमीन को बेचने में कथित रूप से संलिप्तता के लिए चार मई को शहर में कई जगह छापेमारी के बाद प्रवर्तन निदेशालय ने रंजन को गिरफ्तार किया था। ईडी ने पिछले महीने कहा था कि रांची में चेशायर होम रोड, पुगरू और सिरम स्थित तीन भूखंडों को धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत कुर्क किया गया है, जिनकी बाजार में कीमत 161.64 करोड़ रुपये है।

सीएम हेमंत सोरेन ने तस्वीर साझा कर दर्द किया बयां

बोले– जेल में रहने के दौरान सबसे दु:खद था बच्चों से दूर रहना

रांची, 30 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में ईडी की ओर से दायर अपील याचिका खारिज होने से सीएम हेमंत सोरेन को बड़ी राहत मिली है। झारखंड हाई कोर्ट से हेमंत सोरेन को जमानत मिलने के खिलाफ ईडी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। लेकिन उच्चतम न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय की अपील याचिका को खारिज कर दिया। उच्चतम न्यायालय का आदेश आने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कुछ तस्वीरें शेयर की है, जो दिल को छू लेने वाली है। इन तस्वीरों में एक पिता का दर्द सामने आया है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने पोस्ट में कहा कि पांच महीने तक जब वह जेल में रहे तो इस दौरान अपने बच्चां को उन्होंने कितना याद किया। उन्होंने लिखा है- 'माननीय हाई कोर्ट के बाद अब माननीय सुप्रीम कोर्ट से न्याय मिला। मैं हमेशा मानता हूं कि सत्य को थोड़े समय के लिए परेशान तो किया जा सकता है, लेकिन पराजित कभी नहीं। 5 महीनों के जेल के दौरान जो सबसे ज्यादा दुःखद था वो था अपने बच्चों से दूर रहना। सत्यमेव जयते।'

दूसरी तरफ सुप्रीम कोर्ट के आदेश का मुद्दा विधानसभा में भी गूंजा। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही सूचना के माध्यम से कांग्रेस विधायक दल के उपनेता प्रदीप यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की जमानत पर सुप्रीम कोर्ट का स्पष्ट निर्णय बता रहा है कि ईडी ने मनगढ़ंत केस किया। इस कृत्य से झारखंड का महत्वपूर्ण समय नष्ट हुआ है। उन्होंने कहा कि बाबूलाल मरांडी और इनके सांसद निशिकांत दुबे ने पहले ही कहा था कि पूरा परिवार जेल जाएगा। साजिश के तहत इन लोगों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जेल भेजा। अब जब सब स्पष्ट हो गया है, तो भाजपा के लोग कान पकड़कर माफ़ी मांगें। अपने-अपने मुद्दों को लेकर पक्ष-विपक्ष के सदस्य सदन में पहुंच गए तो स्पीकर ने पूर्वाह्न 11 बजकर 27 मिनट पर पूर्वाह्न 12.30 तक सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी।

कैशबैक के नाम पर ठगी

दो साइबर अपराधी, 6 मोबाइल फोन, 8 सिम कार्ड बरामद

धनबाद, 30 जुलाई (एजेंसियां)। धनबाद जिले के पुटकी थाना क्षेत्र अंतर्गत शिवशंकर नगर में पुटकी पुलिस और साइबर थाना की संयुक्त टीम ने छापेमारी किया। जहां से बीसीसीएल क्वार्टर महेंद्र यादव के घर से दो साइबर अपराधियों को रंगे हाथ दबोचा गया। साइबर अपराधियों के पास से कुल 6 मोबाइल फोन एवं 10 सिम कार्ड बरामद की गई है। यह जानकारी साइबर डीएसपी संजीव कुमार ने प्रेस वार्ता कर जानकारी दिया है। जिनकी गिरफ्तारी हुई है उनके नाम नीतेश यादव और दीपेश यादव है। प्रेस वार्ता कर साइबर डीएसपी संजीव कुमार ने मीडिया को बताया कि प्रतिबंधित पोर्टल पर उपलब्ध संदिग्ध मोबाइल नंबर की छानबीन में उक्त नंबर का लोकेशन पुटकी थाना क्षेत्र अंतर्गत शिव शंकर नगर कॉलोनी से बरामद किया गया है। पूछताछ करने के क्रम में गिरफ्तार अपराधियों के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार उनके द्वारा इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन गैस एजेंसी के अधिकारी बनकर गैस कनेक्शन बंद होने का डर दिखाकर एवं गैस की सब्सिडी एवं कैश-बैक दिलाने के नाम पर लोगों को फोन करते थे तथा उनके एनी डेस्क ऐप डाउनलोड कर साइबर ठगी का काम करते थे। जानकारी के मुताबिक जो व्यक्ति ऐप डाउनलोड नहीं करते थे, उनसे व्हाट्सएप स्क्रीन शेयरिंग के द्वारा कार्ड विवरण एवं ओटीपी प्राप्त कर ठगी करते थे। पूर्व में इन दोनों अभियुक्तों के द्वारा बैंक अधिकारी बनकर सीरियल कॉलिंग के माध्यम से बैंक विवरण, डेबिट कार्ड क्रेडिट कार्ड की विवरण प्राप्त कर साइबर ठगी की जाती थी। बरामद मोबाइल नंबर महाराष्ट्र, कर्नाटक सहित कई अन्य जगह में साइबर अपराध से संबंधित रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

झारखंड विधानसभा में उठा चक्रधरपुर रेल हादसे का मुद्दा

कांग्रेस विधायक बोले– फेल है केंद्र सरकार, विपक्ष का भी हंगामा

रांची, 30 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र का आज तीसरा दिन है। आज भी सदन में हंगामा हो रहा है। हंगामे पर स्थगित सदन की कार्यवाही एकबार फिर शुरू हुई। विपक्ष के विधायकों ने रोजगार, बांग्लादेशी घुसपैठ, बदलती डेमोग्राफी जैसे मुद्दों पर सदन में नारेबाजी की। शून्यकाल के बाद सभा की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित की गई है।

इससे पहले सुबह सदन की कार्यवाही शुरू होते ही बीजेपी के विधायकों ने हंगामा किया। चक्रधरपुर रेल मंडल में आज सुबह हुए रेल हादसे का मसला भी विधानसभा में उठा। पोड़ैयाहाट विधायक प्रदीप यादव ने इस मामले के उठाया। उन्होंने कहा कि देश में रेल हादसे लगातार हो रहे हैं। यह पूरी तरह से भारत सरकार की विफलता है।

वहीं विधायक प्रदीप यादव और सुदिव्य कुमार सोनू ने सीएम हेमंत सोरेन की जमानत को चैलेंज करते हुए ईडी की सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका को खारिज किए जाने पर कहा कि इससे साफ दिखता है कि यह कार्रवाई राजनीति से प्रेरित थी। भाजपा ने जानबूझ कर सीएम को जेल भेजा था। अगर ऐसा नहीं होता तो राज्य में विकास के कई काम हो गए होते।

इस पर नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि यह याद रखना होगा कि सीएम को जमानत मिली है, वे बरी नहीं हुए हैं। विपक्ष के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही साढ़े 12 बजे तक रद्द की गई थी। बता दें कि दूसरे दिन सदन में पेश किए गए 4833.39 करोड़ रुपए के अनुपूरक बजट पर आज चर्चा होनी है।

सदन में स्कूलों में किताब वितरण नहीं पूरा होने का मामला उठा। विधायक नीलकंड सिंह मुंडा ने इस विषय को उठाते हुए कहा कि अब तब स्कूलों में किताबें नहीं पहुंच पाई हैं। जिसका जवाब देते हुए शिक्षा मंत्री बैद्यनाथ राम ने कहा कि आचार संहिता की वजह से सौ फीसदी वितरण नहीं हो पाया है। अगले एक सप्ताह में इसे पूरा कर लिया जाएगा। इस पर नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने शिक्षा परियोजना निदेशक की चिट्ठी का हवाला देते हुए कहा कि यह पूरी तरह से दायित्व निर्वहन में कोताही का मामला है।

वहीं जितना हंगामा सदन के भीतर हुआ, उतना ही हंगामा विधानसभा की सीढ़ियों पर भी होता नजर आया। विपक्ष डेमोग्राफी बदलाव, रोजगार और आदिवासियों पर हो रहे अत्याचार को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

सदन के बाहर विधायक भानू प्रताप शाही ने कहा कि कई विषय हैं, जिस पर सरकार को घेरा जा रहा है। हमलोग हर दिन नए विषय को लेकर सरकार को घेर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब भी जनता की बात सदन में होती है सरकार स्पीकर की आड़ लेकर बचने का काम करती है। उन्होंने कहा कि यह हेमंत सरकार की विदाई का सत्र है।

उन्होंने मंत्री इरफान अंसारी पर कहा कि वे कांग्रेस के दूसरे केएन त्रिपाठी बनेंगे। जिस तरह केएन त्रिपाठी अंतिम समय में मंत्री बने और फिर कभी विधायक नहीं बन पाए वही हाल इरफान अंसारी का होगा। उन्होंने रेल हादसे को दुःखद बताया और कहा कि इस तरह के हादसे की गहन समीक्षा होनी चाहिए।

राज्यपाल हरिचंदन की विदाई

विश्वभूषण बोले– आप सभी पर भगवान जगन्नाथ की बनी रहे कृपा, आज रायपुर पहुंचेंगे नए गवर्नर रामेन डेका

रायपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के निवर्तमान राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन को राजभवन में विदाई दी गई। वे आज भुवनेश्वर (ओड़िशा) के लिए रवाना हो गए। इस अवसर पर प्रथम महिला सुप्रभा हरिचंदन भी उपस्थित थीं। राज्यपाल को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उन्होंने राजभवन के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से मुलाकात की और आर्शीवाद दिया। उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ की कृपा से आप सभी लोग सदैव समृद्ध और सुखी रहे। राजभवन के अधिकारियों और कर्मचारियों ने पुष्पवर्षा कर हरिचंदन का स्वागत किया।

इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव यशवंत कुमार, विधिक सलाहकार भीष्म प्रसाद पांडेय और उपसचिव हिना अनिमेष नेताम सहित राजभवन के सभी अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। छत्तीसगढ़ के 10वें राज्यपाल रामेन डेका आज रायपुर पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय उनका स्वागत कर सकते हैं। बिलासपुर हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा 31 जुलाई को नए राज्यपाल को शपथ दिलाएंगे। ये कार्यक्रम रायपुर के राजभवन में आयोजित होगा।

किरंदुल बाढ़ पीड़ित बोले-पाई-पाई जोड़कर बनाया घर तबाह हो गया

मजदूर पिता ने कहा-पत्नी, 2 बेटियों और उनके 3 बच्चों की जिम्मेदारी, अब क्या खाऊं, क्या खिलाऊं

दंतेवाड़ा, 30 जुलाई (एजेंसियां)। 'मैंने दिन-रात मजदूरी की, हाथों पर छाले पड़ गए। पाई-पाई जोड़कर घर बनाया, लेकिन बाढ़ ने सब कुछ तबाह कर दिया। अब सिर ढकने के लिए न छत बची है, न खाने को दाना और न पहनने को कपड़ा है। सोना-चांदी भी पानी के साथ बह गया। अब बची है तो सिर्फ जिंदगी।'

'बड़ी मुश्किल से 2 बेटियों की शादी की। एक के पति की मौत हो गई, दूसरे ने उसका साथ छोड़ दिया। दोनों बेटियों समेत उनके 3 बच्चों की जिम्मेदारी मुझ पर है, लेकिन अब बरबाद हो गया हूं। समझ नहीं आ रहा खुद क्या खाऊं, उन्हें क्या खिलाऊं, परिवार को कैसे पालूं? ये दर्द है किरंदुल बाढ़ पीड़ित एक मजदूर पिता का। 21 जुलाई की शाम तक बंगाली कैंप में सुभाष का खुद का घर था। 3 से 4 बजे के बीच बैलाडीला पहाड़ी पर बने एनएमडीसी 11-सी प्लांट से आई बाढ़ ने इनका सब कुछ तबाह कर दिया। घर ढह गया, सामान बह गया। फिलहाल प्रशासन ने इनके पूरे परिवार को मंगल भवन में रखा है। यहां अस्थायी व्यवस्था की गई है। सुबह नाश्ते से लेकर दोपहर और रात का खाना परिवार को दिया जा रहा है। कुछ कपड़े दिए गए हैं। ये परिवार कब तक यहां रहेगा या भरपेट भोजन कब तक मिलेगा, ये इन्हें भी नहीं पता। जब हम इसी मंगल भवन में पहुंचे तो एक कमरे में सुभाष का पूरा परिवार था। आंखों में आंसू, दिल में दर्द लिए सुभाष एक कोने में बैठे थे। टकटकी लगाकर अपने परिवार और बच्चों की तरफ देख रहे थे। चेहरे पर सिर्फ बेबसी और लाचारी थी। आपदा में सोचने, समझने की ताकत भी जैसे खत्म हो चुकी है।

सुभाष रोते हुए कहा- 'मैं बर्बाद हो गया हूं। मेरा सब कुछ तबाह हो गया है। बूढ़े कंधे पर परिवार का बोझ है। कमर झुक गई है, दर्द रहता है, बीमार हूं। दवा के लिए भी पैसे नहीं बचे हैं। हालांकि, पत्नी ढाढस बंधा रही है। बच्चों के चेहरे देख जी रहा हूं। अगर मुझे कुछ हो गया तो इनका क्या होगा? उम्मीद है सब कुछ पहले की ही तरह हो जाएगा।'

डिप्टी रजिस्ट्रार ने माना-वर्कर्स कॉलेज के भवनों की स्थिति बेहद खराब

जमशेदपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। आजसू छात्र संघ और अभाविप द्वारा सोमवार को जमशेदपुर वर्कर्स कॉलेज में जोरदार हंगामा किया गया। दोनों छात्र संगठन कॉलेज की आधारभूत संचरना की जर्जर स्थिति से नाराज हैं। यह हंगामा जिस समय हुआ, उस समय कॉलेज में कोल्हान यूनिवर्सिटी के डिप्टी रजिस्ट्रार एमके मिश्रा भी मौजूद थे। वे विभागीय काम से यहां आए हुए हैं। लेकिन जैसे ही छात्र संगठनों के नेताओं को इसकी सूचना मिली, वे प्रिंसिपल कक्ष तक पहुंच गए और नारेबाजी करने लगे। उसके बाद छात्र संघ के प्रतिनिधि प्राचार्य कक्ष में घुस गए। उन्होंने डिप्टी रजिस्ट्रार से कॉलेज परिसर व क्लास रूम का अवलोकन करने को कहा। करीब आधा घंटा हंगामे के बाद डिप्टी रजिस्ट्रार माने और पूरे कॉलेज का अवलोकन किया। उन्होंने कहा- वास्तव में कॉलेज के सभी भवन की स्थिति बेहद खराब है। विश्वविद्यालय अपने स्तर से इसमें सुधार के लिए जो भी प्रयास हो सकेगा, करेगा। इस हंगामे में हेमंत पाठक, साहेब बागती, राहुल पाठक, सतीश, शुभम राज, सौरव ठाकुर, विशाल सिंह आदि शामिल थे। सोमवार को कॉलेज के विद्यार्थियों ने एक बैठक की। इसमें तय हुआ- जल्द ही वे उपायुक्त से मिलकर कॉलेज के लिए अतिरिक्त भूमि की मांग से संबंधित ज्ञापन सौंपेंगे। विद्यार्थियों की मानें तो अभी कॉलेज के पास सिर्फ एक एकड़ जमीन है, जो कॉलेज संचालन के लिए बहुत कम है। ऐसे में प्रशासन को चाहिए कि फौरन कॉलेज को अतिरिक्त जमीन उपलब्ध कराए। छात्र नेता हेमंत पाठक ने कहा- अभी तक विश्वविद्यालय का रवैया सकारात्मक नहीं रहा है। बार-बार शिकायत के बाद भी कॉलेज की आधारभूत संरचना को बेहतर बनाने की दिशा में कोई काम नहीं हुआ है। इस वजह से स्टूडेंट्स खौफ के साए में पढ़ाई करने को मजबूर हैं। आए दिन कॉलेज के किसी न किसी भवन का छज्जा टूटकर गिर रहा है।

छत्तीसगढ़ के 11 जिलों में हैवी रेन का यलो अलर्ट

अगले 2 दिन ज्यादातर जगहों पर बारिश, अब तक 580 एमएम वर्षा, ये औसत से 6% अधिक

रायपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के 11 जिलों में आज मौसम विभाग ने हैवी रेन फॉल का यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने मुताबिक बिलासपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, कोरबा, मुंगेली, रायपुर, दुर्ग, बालोद, राजनांदगांव, मोहला-मानपुर, बस्तर और कोंडागांव जिले में के एक दो जगहों पर भारी बारिश की संभावना है। प्रदेश में सोमवार को एक दिन बारिश की राहत के बाद से आज (30 जुलाई) से प्रदेश में मानसून की बारिश का दूसरा फेज शुरू होने वाला है। प्रदेश के ज्यादातर स्थानों पर बारिश होगी, वहीं कुछ-कुछ जगहों पर भारी वर्षा होने का भी अनुमान है। 1 अगस्त तक प्रदेश में बारिश के हालात रहेंगे। जुलाई का दूसरा पखवाड़ा अब तक बारिश के लिहाज से अच्छा रहा है। इस दौरान राज्य में 579.3 मिमी वर्षा हो चुकी है, जो औसत से 6 फीसदी ज्यादा है। मौसम विभाग के मुताबिक 29 जुलाई तक प्रदेश में औसत 544.6 मिमी बारिश होनी थी। लेकिन बारिश उससे ज्यादा हुई है। सबसे ज्यादा वर्षा बीजापुर में 1323.5 मिलीमीटर हुई, जो औसत से 110 प्रतिशत ज्यादा है। 10 जिलों में औसत से ज्यादा बारिश हुई, 12 जिलों में सामान्य बारिश हुई है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक दक्षिण-पूर्व मध्यप्रदेश और आसपास एक चक्रवात तैयार हो रहा है। यह समुद्र तल से 7.6 किमी की ऊंचाई तक है। एक मानसून द्रोणिका बीकानेर, अजमेर, रायसेन, मंडला, पेंड्रारोड होते हुए दक्षिण-पूर्व की ओर मध्य-पूर्व बंगाल की खाड़ी तक है। इस सिस्टम के असर से छत्तीसगढ़ में अगले कुछ दिनों तक बड़ी मात्रा में समुद्र से नमी आएगी। बिलासपुर में लगातार हो रही बारिश के बीच सोमवार को रिमझिम फुहारों से मौसम सुहाना हो गया है। अच्छी बारिश के चलते किसानों के चेहरे पर खुशी आ गई है। वहीं, तापमान भी कम हो गया है। इधर, मौसम विभाग ने मंगलवार से फिर से झमाझम बारिश होने की संभावना जताई है।

मौसम विभाग के अनुसार बिलासपुर समेत प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों में मानसून सक्रिय है। 28 और 29 जुलाई को जिले में हल्की वर्षा दर्ज की गई। इससे पहले करीब एक सप्ताह में इतनी वर्षा हुई कि महीने भर की औसत वर्षा का कोटा भी पूरा हो गया, जबकि एक सप्ताह पहले तक की स्थिति में दर्ज की गई वर्षा पिछले दो साल के मुकाबले बेहद कम थी। दुर्ग जिले में एक सप्ताह से लगातार बारिश के बाद सावन के दूसरे सोमवार मौसम पूरी तरह से साफ रहा। सोमवार वहीं दोपहर में हल्की धूप भी देखने को मिली। मौसम विभाग ने संभावना जताई है कि आने वाले दिनों में दुर्ग सहित प्रदेश के अधिकतर जिलों में और अधिक बारिश हो सकती है।

कल्पना सोरेन ने मेडन स्पीच में एनडीए को करा दिया चुप

बोलीं– आई .एन .डी .आई .ए . अपने काम और बीजेपी झूठ के नाम पर मांगेंगी वोट

रांची, 30 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा में मॉनसून सत्र के तीसरे दिन सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायक अपने-अपने मुद्दों को लेकर आमने-सामने आ गए। भारतीय जनता पार्टी के विधायकों ने बांग्लादेशी घुसपैठ, सहायक पुलिसकर्मियों पर पिछले दिनों हुए लाठीचार्ज और सरकारी पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर जोरदार नारेबाजी की। बीजेपी विधायकों ने सरकारी नौकरियों में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षण के नियमों के उल्लंघन जैसे मुद्दों को लेकर वेल में जाकर जोरदार प्रदर्शन किया। दूसरी तरफ सत्तारूढ़ कांग्रेस और झामुमो के विधायकों ने हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी और उन्हें पांच महीनों तक जेल में रखे जाने का आरोप लगाते हुए भाजपा से माफी की मांग की। वहीं गांडेय विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के बाद जेएमएम विधायक कल्पना सोरेन ने अपने मेडन स्पीच में बीजेपी नेताओं पर जमकर निशाना साधा।

झारखंड विधानसभा मॉनसून सत्र के तीसरे दिन गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन ने सदन में पहला मेडन स्पीच दिया। वित्तीय वर्ष 2024-25 के पहले अनुपूरक बजट पर अपने भाषण में उपचुनाव में समर्थन इंडिया अलायंस के नेताओं-कार्यकर्ताओं का समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आने वाले चुनाव में भी बीजेपी-एनडीए नेताओं को जनता सबक सिखाने का काम करेगी।

बस्तर की महिला भाजपा नेता बोली-मैं पार्टी में रहकर असुरक्षित

वीडियो में रोते हुए कहा– मीरा तिवारी बदनाम कर रही, शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं

जगदलपुर/दंतेवाड़ा, 30 जुलाई (एजेंसियां)। दंतेवाड़ा जिले में बीजेपी युवा मोर्चा की मंडल उपाध्यक्ष बबीता गिरी का रोते-बिलखते का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में वे कहती दिख रही हैं कि भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मीरा तिवारी उन्हें बदनाम कर रही हैं। मेरे बारे में अश्लील बातें बोलती हैं। मुझे आत्महत्या करनी पड़ी तो इसके लिए सिर्फ मीरा तिवारी जिम्मेदार होंगी। बबीता गिरी कह रही हैं कि दूसरे लोगों के साथ उनका नाम जोड़ रही हैं, जिससे उनकी छवि खराब हो रही है। मैंने कई दफा उनकी शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। भाजपा मेरी रक्षा नहीं कर पा रही है, तो वह किसी और की रक्षा क्या ही करेगी। बबीता गिरी ने करीब 1 मिनट 17 सेकेंड का यह वीडियो बनाया है। वीडियो में सीएम और प्रदेश अध्यक्ष से शिकायत की बात कह रही हैं। बबीता कह रही हैं कि दंतेवाड़ा के एमएलए चैतराम अटामी को भी पता है, लेकिन मेरी सुनवाई नहीं हो रही है। मुझे प्रताड़ित किया गया है। बबीता ने कहा कि भाजपा मेरी रक्षा नहीं कर पा रही है, वह किसी और की रक्षा क्या ही करेगी। भाजपा पार्टी में रहकर भी मैं सुरक्षित नहीं हूं। उनका कहना है कि मुझसे कोई बात नहीं करता। कोई अपने पास बैठाता नहीं है। उन्हें लगता है कि वे बदनाम जो जाएंगे। मेरी बातों का कोई महत्व नहीं है। मैं मर गई तो जिम्मेदार मीरा तिवारी होगी। बबीता गिरी का वीडियो वायरल होने के बाद भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मीरा तिवारी से भी हमने बातचीत की। मीरा का कहना है कि मैं पिछले 35 साल से भाजपा संगठन में हूं, लेकिन आज तक किसी ने भी मुझ पर इस तरह का आरोप नहीं लगाया है।

अचानकमार टाइगर रिजर्व में 'ब्लैक पैंथर'

कैमरे में कैप्चर हुई तस्वीर, वन मंत्री ने बताई उपलब्धि, एक्सपर्ट बोले–जीन की वजह से रंग काला

बिलासपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। बिलासपुर के अचानकमार टाइगर रिजर्व में दस बाघों के साथ ही ब्लैक पैंथर होने की जानकारी सामने आई है। एटीआर प्रबंधन ने इसकी पुष्टि की है। एटीआर के डिप्टी डायरेक्टर यूआर गणेश ने बताया कि काले तेंदुए की तस्वीर कैमरे में कैद हुई है। वन मंत्री केदार कश्यप ने भी इस तस्वीर को सोशल मीडिया पर शेयर किया। उन्होंने इसे एटीआर प्रबंधन के लिए उपलब्धि बताया है। इधर, वन्य प्राणी विशेषज्ञों ने कहा कि एटीआर में काला तेंदुआ साल 2011 में पहली बार कैप्चर हुआ था, तब वह शावक था। यह कोई नई प्रजाति नहीं बल्कि, तेंदुआ ही है, जो जीन की वजह से काला है। हालांकि, इस तरह का ब्लैक पैंथर कम ही दिखता है।

वन मंत्री केदार कश्यप के ब्लैक पैंथर की तस्वीर जारी करने के बाद वन्य प्राणी विशेषज्ञों ने अलग-अलग राय दी है। बताया गया है कि एटीआर में काले तेंदुए (मेलानिस्टिक-गहरे रंग) की तस्वीर साल 2011 में पहली बार डॉ राजेंद्र मिश्रा ने कैप्चर की थी, तब तेंदुआ शावक था। इसके बाद साल 2020 में भी काले तेंदुए की तस्वीर सामने आई थी। वन्य प्राणी विशेषज्ञों का मानना है कि लोगों की यह गलत धारणा है कि ब्लैक पैंथर एक अलग प्रजाति है। यह सच नहीं है। यह अलग प्रजाति नहीं है, बल्कि एक सामान्य तेंदुआ है। एक जीन की वजह से रंग काला हो जाता है। मेलानिस्टिक तेंदुओं को आमतौर पर ब्लैक पैंथर कहा जाता है। उन्हें ब्लैक पैंथर के नाम से भी जाना जाता है। यह शब्द मेलानिस्टिक जगुआर पर भी लागू होता है। ब्लैक पैंथर को इससे बेहतर छला वरण की मदद मिलती है। इसे सरल तरीके से ऐसे समझा जा सकता है कि जिस तरह से एक गाय कई रंगों के बछड़ों को जन्म देती है, उसी तरह से काला तेंदुआ भी है। हालांकि, काले तेंदुए बहुत कम मिलते हैं। वन्य प्राणी विशेषज्ञों का कहना है कि अब तक कर्नाटक के काबिनी से काले और सामान्य पैंथर के जोड़े की फोटो मीडिया में अधिक देखी जाती थी। लेकिन, अब छतीसगढ़ का एटीआर भी दोनों की फोटो साथ दे रहा है।

जयशंकर बोले- चीन ने समझौतों का उल्लंघन किया

उससे हमारे रिश्ते खराब हैं, लेकिन तीसरे का दखल मंजूर नहीं

टोक्यो, 30 जुलाई (एजेंसियां)। जापान के टोक्यो में क्वाड देशों (भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया) की सोमवार को बैठक हुई। बैठक से पहले भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि चीन के साथ हमारे संबंध बहुत अच्छे नहीं चल रहे हैं। इसकी वजह 2020 में कोरोना के दौरान चीन-भारत सीमा पर सेना तैनाती है। जयशंकर ने कहा कि सेना की तैनाती कर चीन ने समझौतों का उल्लंघन किया है। यह मुद्दा अभी भी हल नहीं हुआ है, लेकिन किसी तीसरे का दखल मंजूर नहीं है।

जयशंकर बोले- चीन को अपना रवैया बदलना होगा

विदेश मंत्री ने कहा कि एक पड़ोसी के रूप में हम चीन के साथ बेहतर रिश्ते की उम्मीद करते हैं। यह तभी हो सकता है, जब वे लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) का सम्मान करें। उन समझौतों का सम्मान करें जिन पर उन्होंने पहले हस्ताक्षर किए हैं। जब तक उनका रवैया नहीं बदलेगा, भारत के साथ संबंध नहीं सुधरने वाले। विदेश मंत्री एस जयशंकर और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच 25 जुलाई को लाओस में अहम बैठक हुई। इसमें नेताओं के बीच भारत-चीन सीमा विवाद पर चर्चा हुई। जयशंकर ने चीनी विदेश मंत्री से एलएसी और पहले हो चुके समझौतों का सम्मान करने की बात कही। जयशंकर ने कहा कि संबंधों को स्थिर करना ही दोनों देशों के हित में है। उन्होंने वांग यी से भारत-चीन संबंधों को फिर से बहाल करने की राह में सीमा विवाद को मुख्य वजह बताया। उन्होंने कहा कि सीमा पर जैसे हालात होंगे वैसे ही हमारे रिश्तों में भी दिखेगा। ये दोनों नेता इस महीने दूसरी बार मिले। इस दौरान दोनों नेताओं ने सीमा पर डिसइंगजमेंट, यानी कि दोनों देशों की तरफ से सीमा पर सैनिकों की संख्या को कम करने को लेकर सख्त दिशा निर्देश देने पर सहमति जताई। जयशंकर और वांग यी इस महीने की शुरुआत में कजाखस्तान की राजधानी अस्ताना में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन के मौके पर मिले थे। विदेश मंत्री दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ भारत के संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण आसियान से जुड़ी बैठकों में भाग लेने के लिए लाओस पहुंचे हैं। एस. जयशंकर लाओस के उप प्रधान मंत्री और विदेश मंत्री सलीमक्से कोमासिथ के निमंत्रण पर लाओस का दौरा कर रहे हैं। यही पर गुरुवार को जयशंकर की मुलाकात चीनी विदेश मंत्री से हुई। भारत और चीन के बीच मई 2020 से संबंध और खराब हो गए हैं। भारत पहले भी कह चुका है कि चीन के साथ उसके संबंध तब तक सामान्य नहीं हो सकते, जब तक कि सीमा पर शांति न हो। इसी साल मार्च में जापान की राजधानी टोक्यो में जयशंकर ने कहा था- 1975 से 2020 तक बॉर्डर पर शांति थी।

राष्ट्रपति मादुरो की जीत के बाद हिंसा शुरू

राष्ट्रपति भवन के पास भीड़ जमा, अमेरिका बोला- रिजल्ट में धांधली हुई

वेनेजुएला, 30 जुलाई (एजेंसियां)। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की जीत के बाद बड़े पैमाने पर प्रदर्शन शुरू हो गया है। विपक्षी नेताओं का आरोप है कि रिजल्ट में धांधली हुई है जिसके बाद जनता सड़कों पर उतर आई है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक हजारों की भीड़ देश के अलग-अलग हिस्सों में विरोध प्रदर्शन कर रही है। कई जगहों पर आगजनी भी देखने को मिली है। हजारों लोग राजधानी करकास में राष्ट्रपति भवन के पास पहुंच गए हैं। कुछ प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति भवन की तरफ बढ़ने की कोशिश की जिसे रोकने के लिए पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर रबर की गोलियां दागीं और आंसू गैस छोड़े। राजधानी से 400 किमी दूर कुमाना में कई लोगों ने मादुरो की यूनाइटेड सोशलिस्ट पार्टी ऑफिस पर कब्जा करने की कोशिश की लेकिन फोर्स ने इसे नाकाम कर दिया। 28 जुलाई को वेनेजुएला में चुनाव हुए थे। चुनाव से पहले हुए सर्वे में विपक्षी उम्मीदवार एडमंडो गोंजालेज की आसान जीत बताई गई थी। हालांकि चुनाव परिणाम इसके उलट आए। निकोलस मादुरो चुनाव जीत गए। हालांकि विपक्ष ने इस जीत को मानने से इनकार कर दिया है। विपक्ष का दावा है कि चुनाव आयोग ने रिजल्ट में धांधली की है।

मादुरो की जीत के ऐलान के बाद विरोध प्रदर्शन शुरू

चुनाव परिणाम के मुताबिक राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को 51.2% वहीं, विपक्षी नेता गोंजालेज को 44.2% वोट मिला। मादुरो की जीत के बाद से विपक्ष और जनता नाराज हो गई है। सड़कों पर उतरे प्रदर्शनकारियों ने निकोलस मादुरो के बैनर फाड़ डाले। उन्होंने मादुरो से पहले राष्ट्रपति रहे ह्यूगो शावेज के कई पुतलों को गिरा दिया है।

सोशल मीडिया पर इससे जुड़े वीडियो वायरल हो रहे हैं। एक वीडियो में लोग ह्यूगो शावेज के पुतले का सिर बाइक में बांधकर ले जा रहे हैं। ह्यूगो शावेज ने एक दशक से ज्यादा समय तक वेनेजुएला को लीड किया था और निकोलस मादुरो को अपना उत्तराधिकारी बनाया था। मादुरो पिछले 11 साल से सत्ता में हैं। हालिया चुनाव में जीत के बाद मादुरो अब 2025 से 2030 तक सत्ता में बने रहेंगे। सोमवार को टेलीविजन पर अपने संबोधन में राष्ट्रपति मादुरो ने दावा किया कि वेनेजुएला में तख्तापलट की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव बाद ऐसा होगा इसका उन्हें पहले से अंदाजा था, लेकिन वे उनके मंसूबों को कामयाब होने नहीं देंगे। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक वेनेजुएला कई सालों से आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। अमेरिका और पश्चिमी देशों के लगाए प्रतिबंधों की वजह से तेल के लिए मशहूर ये देश दुनिया में अलग-थलग पड़ चुका है।

निकोलस मादुरो को हटाने के लिए विपक्षी दल गोंजालेज के साथ एकजुट हुए थे। सोमवार शाम को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में विपक्षी नेता मारिया मचादो ने दावा किया कि उनके गठबंधन को जनता का समर्थन हासिल है।

डेमोक्रेट्स का बड़ा दांव

ग्रीन कार्ड धारकों के लिए मुहिम, तीन हफ्ते में अमेरिकी नागरिकता की पहल

वाशिंगटन, 30 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए महज चार माह शेष हैं। ऐसे में हाई-वोल्टेज चुनाव प्रचार के बीच, देश के ग्रीन कार्ड धारकों को नागरिकता दिलाने और 5 नवंबर को मतदान के लिए पंजीकरण कराने के मकसद से मनाने के प्रयास जोरों पर हैं। बाइडन प्रशासन ने इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए व्हाट्सएप ग्रुप बनाया है। साथ ही इस संकट से जूझ रहे भारतीय अमेरिकियों को शामिल करने तथा वोट करने के लिए प्रेरित किया है। एशियन अमेरिका पेरिफिक आइलैंडर्स विक्ट्री फंड के अध्यक्ष व संस्थापक शेखर नरम्हिन ने कहा, यदि आपके पास ग्रीन कार्ड है और आप यहां पांच वर्ष से हैं तो अपनी नागरिकता प्राप्त करें। अभी समय है, वोट करने के लिए पंजीकरण करें। कई राज्यों में आपको पहले से पंजीकरण करना होता है और इसकी समय सीमा होती है। अंत में एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर 20 दोस्तों को शामिल करें। हर दिन एक-दूसरे को याद दिलाएं, क्योंकि यह महत्वपूर्ण है। और वोट करने के लिए निकलें। बता दें, अमेरिका में ग्रीन कार्ड आधिकारिक तौर पर स्थायी कार्ड है, जो एक पहचान दस्तावेज के रूप में किसी व्यक्ति के अमेरिका में स्थायी निवास का प्रमाण पत्र है। ग्रीन कार्ड धारकों में बड़ी संख्या में एशियाई-अमेरिकी और भारतीय-अमेरिकी हैं। यह भी दिलचस्प है कि बाइडन ने अपनी उम्मीदवारी वापस लेने का एलान करते हुए भारतवंशी डेमोक्रेट कमला हैरिस का समर्थन किया है। ऐसे में बाइडन प्रशासन के इस फैसले से बड़ी संख्या में भारतीय लोगों पर भी असर होने के आसार है। जिन्होंने अब तक नागरिकता नहीं ली है वे तय करें कि नागरिकता के लिए तुरंत आवेदन करें। वे तीन सप्ताह में इसे हासिल कर सकते हैं।

बंगालियों की तरह प्रदर्शन कर रहे बलूच

क्या एक और टुकड़े में टूटेगा पाकिस्तान? एक्सपर्ट्स दे रहे वॉर्निंग

इस्लामाबाद, 30 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के बलोचिस्तान में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन देखा जा रहा है। बलोच एक्टिविस्ट महरंग बलोच ने ग्वादर में प्रदर्शन पर बैठ गई हैं। पाकिस्तानी अधिकारी उन्हें हटाने में लगे हैं, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। बलूचों का कहना है कि पाकिस्तान की सरकार बंदूकों के जरिए उन्हें डराना चाहती है, लेकिन वह ऐसा नहीं होने देंगे। बलूचों का आरोप है कि पाकिस्तान और चीन मिलकर बलोचिस्तान के संसाधनों पर कब्जा कर रहे हैं। वहीं कई एक्सपर्ट्स इसे ऐसे प्रदर्शन के तौर पर देख रहे हैं, जिसने पूर्वी पाकिस्तान को तोड़कर बांग्लादेश बना दिया था। पाकिस्तानी पत्रकार कमर चीमा ने इस मुद्दे पर बैरिस्टर हामिद बशानी से बात की। हामिद बशानी ने कहा कि ऐसे प्रदर्शन हमेशा होते रहे हैं, जो लीडरशिप को बदलते रहे हैं। आज के समय कई प्रदर्शन महिलाएं लीड कर रही हैं और ऐसा ही कुछ हमें बलोचिस्तान में देखने को मिलता है। उन्होंने आगे कहा, 'बलोचिस्तान की पॉलिटिस में बहुत कुछ बदल रहा है। महिलाओं और युवाओं को आगे किया जा रहा है, जो कि सॉफ्ट बेस हैं। बलोचिस्तान की कई छात्राएं मारी गई, अरेस्ट हुईं और प्रदर्शन में हिस्सा लिया, जो कुछ नया नहीं है।' उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में कोई भी प्रदर्शनकारी सरकार की बातचीत पर विश्वास नहीं करता। क्योंकि प्रदर्शन खत्म करने के लिए सरकार की ओर से लिखित में भी शर्तें मान ली जाती हैं। लेकिन बाद में वह पलट जाते हैं। उन्होंने कहा, 'बलोचिस्तान के प्रदर्शन में अगर उनकी मांगें देखी जाएं तो वह कुछ भी ऐसा नहीं है, जिसे न माना जाए। वह अपने हक की बात कर रहे हैं। लेकिन पाकिस्तान में लोग उसे खुद से ऐसा मान रहे हैं, जैसे बलूचों ने खुद को अलग करने की मांग कर ली है।' बशानी ने आगे कहा कि हमारे लोकतंत्र में बलोचिस्तान है। लेकिन इसे यह हक नहीं दिया गया कि वह खुद का फैसला कर सके। हर किसी को पता है कि यह कठपुतली सरकार है। कमर चीमा ने पूछा कि जो लोग प्रदर्शन कर रहे हैं उनमें से कई लोगों के परिवार वालों ने सरकार के खिलाफ बंदूक उठा रखी है। इसे लेकर बशानी ने कहा, 'बलोचिस्तान में कोई भी सरकार सेना की मर्जी के बिना नहीं चलती। तो फिर बातचीत का मुद्दा ही खत्म हो जाता है, इस कारण वो बंदूक उठाते हैं। अगर बातचीत के बाद वो बंदूक रख देते हैं तो बाद में धोखे से मार दिए जाते हैं।'

बांग्लादेश जैसा होगा हाल?

उन्होंने कहा, 'बलूचिस्तान को इतनी आजादी दी जाए कि वह खुद का फैसला ले सके तो कोई दिक्कत नहीं होगी।

इसमें समस्या ये है कि सरकार को लगता है कि पाकिस्तान विरोधी लोग सदन में आएंगे और ऐसे फैसले लेंगे जो उन्हें पसंद नहीं आएंगे। यह बांग्लादेश वाली बात है। वह भी अपने हक और सरकार मान रहे थे। आपने पहले ही सोच कर रखा होता है कि आपको नहीं मानना, जिसके नुकसान बाद में देखने पड़ते हैं।'

अमेरिकी चुनाव के बीच ट्रम्प से फेसबुक-इंस्टाग्राम पर बैन हटा

2021 में पाबंदी लगी थी, मेटा बोला- सभी को प्रचार का मौका मिले

वाशिंगटन, 30 जुलाई (एजेंसियां)। फेसबुक की पैरेंट कंपनी मेटा ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर लगे बैन को हटा दिया है। मेटा ने कहा कि ट्रम्प राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार हैं। ऐसे में उन्हें भी प्रचार करने के लिए सभी की तरह बराबरी का मौका मिलना चाहिए। अन्य उम्मीदवार भी मेटा के प्लेटफॉर्म्स- फेसबुक इंस्टाग्राम का इस्तेमाल चुनाव के लिए कर रहे हैं। ठीक इसी तरह ट्रम्प को भी इन प्लेटफॉर्म्स को यूज करने का अधिकार है। दरअसल, अमेरिका में 2021 एक हिंसा हुई थी और उसके बाद मेटा ने ट्रम्प के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर बैन लगा दिया था।

6 जनवरी 2021 को अमेरिकी संसद में राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों पर मुहर लगाए जाने के दौरान सैकड़ों ट्रम्प समर्थकों ने यहां हिंसा की थी। इसमें एक पुलिस अफसर समेत पांच लोगों की मौत हो गई थी। ट्रम्प पर समर्थकों को उकसाने का आरोप लगा था। इसके बाद उनके सोशल मीडिया अकाउंट सस्पेंड कर दिए गए थे। कैपिटल हिल में हिंसा के बाद ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर 1 मिनट का वीडियो पोस्ट किया था। फेसबुक और यूट्यूब ने ट्रम्प का वीडियो रिमूव कर दिया था। फेसबुक के वाइस प्रेसिडेंट (इंटेग्रिटी) गुए रोजेन ने कहा था कि यह इमरजेंसी है, ट्रम्प के वीडियो से हिंसा और भड़क सकती है। ट्रम्प ने फेसबुक की कार्रवाई को उन 7.5 करोड़ लोगों की बेइज्जती बताया था, जिन्होंने 2020 के चुनाव में ट्रम्प को वोट दिया था। ट्रम्प ने कहा था- उन लोगों को सेंसर कर और चुप कराकर बाहर नहीं किया जा सकता। हम फिर जीतेंगे। हमारा देश इस बेइज्जती को और ज्यादा बर्दाश्त नहीं कर सकता।

डोनाल्ड ट्रंप बने अमेरिकी राष्ट्रपति तो धोखेबाज पाकिस्तान को सिखाएंगे सबक

प्रॉजेक्ट 2025 में किया ऐलान

इस्लामाबाद/ वॉशिंगटन, 30 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से ठीक पहले पाकिस्तान की धड़कनें तेज होती दिख रही हैं। अमेरिका को अफगानिस्तान में बड़ा धोखा देने वाले पाकिस्तान के लिए डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा ऐलान कर दिया है। ट्रंप ने राष्ट्रपति बनने के बाद के लिए कार्ययोजना पेश की है जिसे द ट्रंप प्रॉजेक्ट 2025 कहा जा रहा है। इसमें जोर देकर कहा गया है कि पाकिस्तान में सैन्य राजनीतिक शासन के 'विश्वासघात' को देखते हुए इस्लामाबाद के साथ 'सामान्य संबंधों' की कोई उम्मीद नहीं की जा सकती है। पाकिस्तान के चर्चित विश्लेषक उजैर यूनुस ने पाकिस्तानी सेना और शहबाज सरकार को इसको लेकर बड़ी चेतावनी दी है।

उजैर ने कहा कि यह पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद और सेना मुख्यालय रावलपिंडी में बैठे उन लोगों के लिए अहम चेतावनी है जो यह समझते हैं कि ट्रंप की जीत वास्तव में पाकिस्तान के साथ

संबंधों के लिए अच्छी होगी। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव की तस्वीर अब साफ होती नजर आ रही है। रिपब्लिकन पार्टी की ओर से जहां डोनाल्ड ट्रंप चुनावी मैदान में उतर रहे हैं। वहीं भारतीय मूल की कमला हैरिस डेमोक्रेटिक पार्टी का नेतृत्व कर सकती हैं। कमला हैरिस और ट्रंप की इस चुनावी लड़ाई को लेकर परमाणु हथियारों से लैस पाकिस्तान और भारत दोनों की कड़ी नजर है। भारत और पाकिस्तान दोनों के अधिकारियों ने कहा है कि वे ट्रंप या कमला किसी भी नेता के साथ काम करने के लिए तैयार हैं। भारत की बात करें तो शीत युद्ध के दौरान खराब रिश्तों का दौर अब इतिहास हो चुका है। भारत अब हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन के खिलाफ अमेरिका का रणनीतिक पार्टनर है। भारत ने अरबों डॉलर के हथियार अमेरिका से खरीदे हैं। भारत का ट्रंप से लेकर बाइडन तक से अच्छा रिश्ता रहा है। भारत के विदेश मंत्रालय ने साफ तौर पर कहा है कि वह दोनों ही राजनीतिक दलों को पुरजोर समर्थन देता है। बता दें कि ट्रंप के राष्ट्रपति रहने के दौरान पीएम मोदी के साथ उनके रिश्ते नई ऊंचाई पर पहुंच गए थे।

कनाडा के कॉलेजों पर आया सबसे बड़ा संकट

ओटावा, 30 जुलाई (एजेंसियां)। कनाडा में स्टूटेंड कैप के चलते अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या में भारी गिरावट देखी जा रही है। इसके चलते कनाडा के कॉलेज और विश्वविद्यालय भारी बजट कटौती का सामना कर रहे हैं। लैंगारा कॉलेज के अध्यक्ष पाउला बर्न्स ने पिछले साल की तुलना में अंतरराष्ट्रीय आवेदनों में 79 प्रतिशत की कमी की जानकारी दी है। वैंकूवर सन की रिपोर्ट के मुताबिक, कॉलेज की फैकल्टी एसोसिएशन के सदस्यों ने इस स्थिति को संकट करार दिया है। इसे छात्रों के नामांकन में आई 'अचानक और भारी गिरावट' बताया गया है, जो सभी को प्रभावित करेगी। अंतरराष्ट्रीय छात्रों में तेजी से आ रही कमी वेतन, लाभ और नौकरियों पर प्रभाव डालेगी। लैंगारा कॉलेज ब्रिटिश कोलंबिया के सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय छात्र अनुपात वाले कॉलेज में है। लैंगारा कॉलेज में 37 प्रतिशत छात्र-छात्राएं स्टडी वीजा पर पढ़ाई करते हैं। संघीय सरकार के आंकड़ों के अनुसार, पिछले वर्ष कॉलेज ने लगभग 7,500 अंतरराष्ट्रीय छात्रों को नामांकित किया। इसमें अधिकांश भारत से थे। आंकड़ा कनाडा के बड़े शिक्षण संस्थान साइमन फ्रेजर यूनिवर्सिटी से भी ज्यादा है। छात्रों की कमी की सामना करने वाला लैंगारा अकेला कॉलेज नहीं है। साइमन फ्रेजर विश्वविद्यालय, विक्टोरिया यूनिवर्सिटी और वैंकूवर आइलैंड यूनिवर्सिटी भी अंतरराष्ट्रीय छात्रों की घटती संख्या के कारण बजट में कटौती की योजना बना रहे हैं। विदेशी छात्रों के इन संस्थानों का उत्साह यूं नहीं हैं। विदेशी छात्र आमतौर पर घरेलू छात्रों की तुलना में चार गुना अधिक ट्यूशन फीस देते हैं। इस बीच ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय ने बताया कि उसका नामांकन बजट अनुमानों के अनुसार चल रहा है। क्वांटलेन पॉलीटेक्निक यूनिवर्सिटी में कुल नामांकन का 38 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय छात्रों का है। 150 देशों के ब्रिटिश कोलंबिया के पोस्ट-सेकंडरी संस्थानों में नामांकित 533,000 छात्रों में से 40 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय छात्र हैं, जो 150 देशों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

नेता प्रतिपक्ष के पद से हटाए जाएंगे ऋषि सुनक

भारतवंशी प्रीति पटेल रेस में सबसे आगे ये पार्टी में सुनक की कट्टर विरोधी थीं

लंदन, 30 जुलाई (एजेंसियां)। ब्रिटेन में कंजर्वेटिव पार्टी में विपक्षी नेता पद के लिए चुनाव शुरू हो गया है। ऋषि सुनक की जगह पार्टी की कमान लेने किए 6 उम्मीदवारों ने नामांकन किया है। इसके लिए 3 महीने तक इनके बीच मुकाबला होगा।

कंजर्वेटिव पार्टी को 4 जुलाई को हुए चुनाव में करारी हार मिली थी। इस वजह से वे 14 साल की सत्ता गंवा बैठे थे। यही वजह है कि कंजरवेटिव पार्टी में अब नेता प्रतिपक्ष का चुनाव होने जा रहा है। इसकी प्रक्रिया शुरू हो गई है। 31 अक्टूबर को इसके लिए पार्टी में चुनाव होगा जिसका परिणाम 2 नवंबर को आएगा।

सुनक की जगह लेने के लिए एक भारतवंशी प्रत्याशी प्रीति पटेल भी रेस में हैं। प्रीति पटेल का मुकालबा केमी बेडनॉच, रॉबर्ट जेनरिक, जेम्स क्लेवरली, टॉम टुगेन्डहाट और मेल स्ट्राइड से होगा। प्रीति पटेल 2010 में पहली बार एसेक्स के विथेम से कंजरवेटिव सांसद बनी थीं। जून 2014 में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ एकतरफा रिपोर्टिंग के लिए बीबीसी की कड़ी आलोचना की थी। इस दौरान

भारत में उनकी खूब चर्चा हुई थी। प्रीति गुजराती मूल की हैं और पीएम मोदी की समर्थक मानी जाती हैं। प्रीति का जन्म 29 मार्च 1972 को लंदन में हुआ था। उनके माता-पिता 1960 में युगांडा से ब्रिटेन जाकर बसे थे। प्रीति ने कील यूनिवर्सिटी से इकोनोमी में ग्रेजुएशन और एसेक्स यूनिवर्सिटी से पोस्टग्रेजुएशन किया है।

प्रीति पटेल बोरिस जॉनसन खेमे की नेता रही हैं और सुनक की विरोधी नेता मानी जाती हैं। प्रीति, बोरिस जॉनसन सरकार में गृहमंत्री रह चुकी हैं। कंजरवेटिव पार्टी में थेरेसा मे को हटाकर बोरिस जॉनसन को प्रधानमंत्री बनाने के लिए 'बैक बोरिस' कैम्पेन चला था, प्रीति इसका अहम हिस्सा थीं। प्रीति राइटविंग विचारधारा की नेता हैं। इमीग्रेशन और कानून व्यवस्था पर अपने सख्त रुख के लिए जानी जाती हैं। प्रीति पटेल को राइटविंग के बड़े हिस्से का समर्थन हासिल है। प्रीति पटेल के अलावा रेस में दूसरी महिला केमी बेडेनॉच हैं। बोरिस जॉनसन के इस्तीफे के बाद लिज ट्रस और ऋषि सुनक के साथ बेडेनॉच भी पीएम पद की दावेदार थीं। अब सुनक की जगह लेने के लिए बेडेनॉच सट्टेबाजों की पसंदीदा उम्मीदवार हैं। वह नाइजीरिया और अमेरिका में पली-बढ़ी हैं।

रॉबर्ट जेनरिक को इमीग्रेशन से जुड़े मुद्दों को संभालने का अनुभव है। वे हाउसिंग सेकेट्री थे लेकिन साल 2021 में उन्हें बोरिस जॉनसन ने मंत्री पद से हटा दिया था। वे पार्टी को फिर से सत्ता दिलाने के लिए कंजर्वेटिव पार्टी में पूरी तरह से बदलाव लाना चाहते हैं। उनके बारे में कहा जाता है कि वे राइटविंग और सेंट्रिस्ट विचारधारा के बीच बंट चुकी पार्टी को एकजुट कर सकते हैं।

तानाशाह किम जोंग को मोटापे के कारण डायबिटीज-ब्लड प्रेशर

प्योंगयांग, 30 जुलाई (एजेंसियां)। नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन का वजन दोबारा बढ़ गया है। इसकी वजह से वे ब्लड प्रेशर और डायबिटीज जैसी बीमारियों से जुझ रहे हैं। साउथ कोरिया की खुफिया एजेंसी नेशनल इंटेलिजेंस सर्विस ने सोमवार को बताया कि नॉर्थ कोरिया के अधिकारी किम का वजन कम करने के लिए विदेश में दवाइयां खोज रहे हैं। 40 साल के किम जोंग बहुत ज्यादा शराब पीते हैं और स्मोकिंग भी करते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, उनका वजन 140 किलो तक पहुंच गया है। इससे पहले 2021 में किम ने डाइट में बदलाव के बाद अपना वजन घटाया था। बढ़ते वजन की वजह से किम जोंग को हार्ट से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। दरअसल, उनके परिवार में पहले भी लोगों को हार्ट संबंधी बीमारियां रह चुकी हैं। किम के पिता और दादा दोनों की इसी वजह से मौत हुई थी। किम के पिता किम जोंग इल की 2011 में 70 साल की उम्र में हार्ट अटैक से मौत हुई थी।

पाकिस्तान में शिया-सुन्नी के बीच झड़प

6 दिन में 49 की मौत, 200 से ज्यादा घायल, 30 एकड़ जमीन के लिए सालों से विवाद

इस्लामाबाद, 30 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम जिले में शिया और सुन्नी समुदाय के बीच हुए एक जमीन विवाद में 49 लोगों की मौत हो गई है। इसके अलावा 200 से अधिक लोग घायल हुए हैं। इस विवाद की जड़ 30 एकड़ की जमीन है। इसके मालिकाना हक को लेकर कुर्रम जिले के बुशेहरा गांव में दो कबीलों के बीच विवाद है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक ये लड़ाई पिछले सप्ताह बुधवार को दो परिवारों के बीच शुरू हुई थी, जो जल्द ही दो कबीलों के बीच फैल गई। अब इसे लेकर पूरे जिले में तनाव है। पाकिस्तानी टीवी चैनल समा न्यूज के मुताबिक सुन्नी समुदाय को सीमा पार के अफगान कबीले का समर्थन मिल रहा है, जिसकी वजह से वे भारी पड़ रहे हैं। कुर्रम के डिप्टी कमिश्नर जावेदुल्लाह मेशूद ने लोकल मीडिया से कहा कि दो समुदायों के बीच ये लड़ाई 6 दिनों से जारी है। उन्होंने अधिकारियों के साथ मिलकर आदिवासी समुदाय जिरगा के बुजुर्गों और दूसरे लोगों की मदद से दोनों समुदायों के बीच समझौता कराया है, लेकिन जिले के दूसरे हिस्सों में अभी भी गोलीबारी की खबरें हैं। स्थानीय पुलिस अधिकारी मुर्तजा हुसैन ने पाकिस्तानी अखबार डॉन से बताया कि सुन्नी मिदगी और शिया मलीखेल समुदायों के बीच ये विवाद 2007 में शुरू हुआ था। तब भी हिंसा की घटनाएं हुई थीं। पिछले साल जुलाई में भी विवाद हुआ था, जिसके बाद शिया और सुन्नी समुदाय के बीच लड़ाई हुई थी। इसमें कई लोग मारे गए थे।

बच्चों पर चाकू से हमला, 2 की मौत, 9 जख्मी

लंदन, 30 जुलाई (एजेंसियां)। ब्रिटेन में लिवरपूल के पास साउथपोर्ट में सोमवार शाम एक नाबालिग ने कई लोगों पर चाकू से हमला किया। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक इसमें 2 बच्चे मारे गए हैं। इसके अलावा लगभग 1 दर्जन लोग जख्मी हो गए हैं। घायलों को चिल्ड्रन अस्पताल ले जाया गया। घायलों में अधिकतर बच्चे शामिल हैं। यह हमला बच्चों के एक डांस वर्कशॉप में हुआ। पुलिस ने कहा कि 17 वर्षीय हमलावार लड़के को गिरफ्तार कर लिया गया है। साथ ही हमले में इस्तेमाल किए चाकू को जब्त कर लिया है। हमलावर के इरादों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। नॉर्थ वेस्ट एम्बुलेंस सर्विस (एनडब्ल्यूएएस) ने कहा कि उन्होंने चाकू से घायल आठ मरीजों का इलाज किया है और कुछ को एल्डर हे चिल्ड्रन हॉस्पिटल ले जाया गया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टॉर्मर ने इस घटना को 'भयावह' करार दिया है। पीएम स्टार्मर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि साउथपोर्ट से भयानक और बेहद चौकाने वाली खबर आई है। प्रधानमंत्री स्टार्मर ने हमले में घायल हुए लोगों के प्रति अपनी संवेदनाएं भी व्यक्त कीं। साथ ही उन्होंने पुलिस और इमरजेंसी सेवा का धन्यवाद भी किया। प्रधानमंत्री के अलावा ब्रिटेन की गृहमंत्री कूपर और लिवरपूल के मेयर स्टीव रोथेरम ने भी इस हमले की निंदा की है।

पुलिस ने इसे बड़ी घटना बताया है, लेकिन साथ ही कहा कि जनता के लिए अब कोई खतरा नहीं है। किंग चार्ल्स और क्वीन कैमिला ने बच्चों की मौत पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि वो इस घटना के बाद गहरे सदमे में हैं।

उपचुनाव से पूर्व राजस्थान सरकार ने खोला पिटारा

दौसा को ये मिली सौगातें

दौसा, 30 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में परिवर्तित बजट में वित्त एवं विनियोग विधेयक पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कई घोषणाएं कर दौसा जिले को सौगातें दी। इससे लोगों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। गौरतलब है कि दौसा विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव प्रस्तावित है। ऐसे में दौसा को लेकर सरकार ने घोषणाएं कर लोगों को रिझाने का प्रयास भी किया है। इससे पहले बजट भाषण में दौसा विधानसभा क्षेत्र के लिए अन्य क्षेत्रों से अपेक्षाकृत कम घोषणाएं होने से लोगों में नाराजगी थी, जो अब दूर की गई है।

मुख्यमंत्री ने दौसा शहर में सीवरेज मास्टर प्लान के लिए 50 करोड़ रुपए स्वीकृत किए हैं। इससे आगामी वर्षों में दौसा में सीवर लाइन डलने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। गौरतलब है कि दौसा में सीवरेज के लिए कई सालों से मांग उठ रही थी, लेकिन पानी और जनसंख्या के आंकड़ों के चक्कर में मामला अटका हुआ था। अब भजनलाल सरकार ने सीवरेज मास्टर प्लान के लिए राशि जारी कर शहरवासियों की उम्मीदों को पंख लगा दिए हैं। इसी तरह शहर के प्रमुख धार्मिक स्थल नीलकंठ महादेव मंदिर पर रोप-वे की घोषणा की गई है। सावन माह में महादेव के भक्तों को सरकार ने यह भी प्रमुख सौगात दी है। इससे देवगिरी तक पहुंचने में भक्तों को सहुलियत होगी।

बजट रिप्लाई भाषण में जिले के दौसा व महुवा विधानसभा क्षेत्र को लेकर ही अधिकतर घोषणाएं हुई है। इसके उपचुनाव को लेकर राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। वहीं लालसोट और बांदीकुई क्षेत्र खाली रहा। सिकराय को कुछ सौगातें मिली हैं।

दौसा शहर में सीवरेज, नीलकंठ रोप वे सहित अन्य विकास कार्यों के लिए कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीना व पूर्व विधायक शंकर शर्मा ने मुख्यमंत्री व वित्त मंत्री से मांग की थी। डॉ. किरोड़ी ने गत 18 जुलाई को पत्र में जो 8 मांग की थी, उनमें से 6 सीधे तौर पर मुख्यमंत्री ने पूरी की हैं। इधर शंकर शर्मा ने दौसा को दी गई सौगातों को लेकर मुख्यमंत्री व वित्त मंत्री का आभार जताया है। विधायक राजेंद्र मीणा ने बताया कि महुवा क्षेत्र को शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में सड़क के लिए 20 करोड़ रुपए तथा खोहरा मुल्ला एवं मातासुला के मध्य 400 केवी जीएसएस की घोषणा की गई है। बालाहेड़ा में कृषि महाविद्यालय व गोहंडी मीना में पशु चिकित्सालय को क्रमोन्नत, खोहरा मुल्ला को उप तहसील बनाया गया है। इन घोषणाओं से क्षेत्र में खुशी की लहर है। विधायक ने बताया कि क्षेत्र में 400 केवी जीएसएस बनने के बाद विद्युत संकट का समाधान हो जाएगा। खोहरा मुल्ला उप तहसील से एक दर्जन से अधिक गांव के ग्रामीणों को लाभ मिलेगा।

विधानसभा में गाली देने पर धारीवाल को मिली सजा

माफी मांगी, दो दिन कार्यवाही में हिस्सा लेने पर रोक; स्पीकर बोले- चार साल सदस्य रहने का हक नहीं

जयपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। विधानसभा में यूडीएच की अनुदान मांगों पर बहस के दौरान गाली देने के मामले में मंगलवार को शांति धारीवाल ने सदन में माफी मांग ली है। माफी के बाद स्पीकर वासुदेव देवनानी ने व्यवस्था देते हुए धारीवाल को दो दिन सदन की कार्यवाही में हिस्सा नहीं लेने की सजा दी है।

स्पीकर ने धारीवाल से कहा- आज और कल आप विधानसभा तो आएंगे, लेकिन सदन की कार्यवाही में हिस्सा नहीं लेंगे। मैं तो चाहता था जिस तरह का आचरण था,चार साल तक सदन के सदस्य रहने का हक नहीं था। आपके दल के सदस्यों के आग्रह और माफी के बाद मैंने फैसला किया।

स्पीकर ने कहा- जिस तरह का आचरण किया गया, इससे सदन की गरिमा को भारी ठेस पहुंची, आपको अंदाजा नहीं है, जब मीडिया में यह बात गई तो इस सदन की क्या गरिमा रह गई? इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। आगे से चेतावनी है कि आप आचरण ठीक रखें। सदन की गरिमा को ठेस पहुंचाने के किसी एक्शन को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

इससे पहले धारीवाल के गाली देने पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सदन में माफी मांगी।

सदन में धारीवाल के गाली के मामले में स्पीकर की व्यवस्था से पहले चर्चा हुई। डोटासरा और जूली ने स्पीकर से धारीवाल को माफ करने का आग्रह किया। जूली और डोटासरा ने कहा कि धारीवाल खुद खेद प्रकट कर देंगे, उन्हें माफ कर दिया जाना चाहिए।

डोटासरा बोले- धारीवाल के शब्दों को उचित नहीं ठहरा सकते

डोटासरा ने कहा- इनके (धारीवाल) मुंह से ऐसे शब्द कैसे निकले, उन शब्दों को जायज नहीं ठहरा सकते। अवस्था की वजह से निकले या कैसे निकले। हजारों बार असंसदीय शब्दों का प्रयोग होता है तो सभापति या अध्यक्ष कार्यवाही से निकाल देते हैं और मामला खत्म हो जाता है। संदीप शर्मा सभापति थे, उनके बारे में बात थी, वो कार्यवाही से निकाल देते तो मामला खत्म हो जाता।

राजेंद्र पारीक जब सभाापति की कुर्सी पर थे, तो उन्होंने वे शब्द कार्यवाही से हटा दिए थे। स्पीकर ने व्यवस्था देने की बात कही, हम तो निवेदन कर रहे हैं। उन्होंने हा- 29 जुलाई को मुख्यमंत्री जी रोहित बोहरा को संबोधित कर रहे थे, उनके मुंह से विवेक निकल गया, लेकिन उनकी मंशा खराब नहीं थी।

स्पीकर ने धारीवाल को 19 साल का बता दिया, उसका भी असर हुआ

डोटासरा ने कहा- स्पीकर साहब ने धारीवाल जी की उम्र 19 साल बता दी, उसका भी असर हुआ। मेरी धारीवाल साहब से बात हुई, इनके संदीप शर्मा से अच्छे रिश्ते हैं, जब सभापति की कुर्सी पर बैठे दिखें तो कुछ कुछ शब्द निकल गए, वो शब्द गलत थे। हम सब लोग यह मानते हैं कि सदन चले, हम लोग माफी चाहते हैं, जानबूझकर नहीं किया। धारीवाल पांच बार चुनकर आए, ससंदीय कार्य मंत्री रहे, वो आदमी जानबूझकर ऐसा नहीं कर सकता। इन्होंने कोटा को चमकाने का काम किया। इस बात को यहीं समाप्त किया जाए।

मुख्य सचेतक बोले- सजा भी 19 साल के युवक जैसी दें क्या, यह कुतर्क है

मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि जब 19 साल के हैं तो सजा भी वैसी ही दी जाए। फिर तो इन्हें हाथ ऊपर करवाकर शाम तक खड़े कर दें, यह कुतर्क है। धारीवाल ने जिस तरह के शब्द सदन में बोले वो गिरते स्तर का परिचायक है।

धारीवाल बोले- जो शब्द बोले, उसके लिए माफी चाहता हूं

धारीवाल ने कहा- मैं 40 साल से जीतता आ रहा हूं, मैंने हमेशा इस आसन को सर्वोच्च मानकर ही चला हूं। मेरा आसन का अपमान करने का कोई इरादा नहीं हैं। संदीप शर्मा जब पहली बार सभापति की कुर्सी पर बैठे तो इस पूरे सदन में अकेला आदमी था, जिसने कहा था आज सबसे ज्यादा खुश हूं कि ये विराजमान है। जहां तक संदीप शर्मा की बात है तो वो मेरे बेटे के दोस्त है। हमेशा हंसी मजाक चलती रहती है। जब भी मिलते हैं, हल्की फुल्की बातें करते हैं।

विधानसभा कार्यवाही के दौरान गायब अफसरों पर होगी कार्रवाई

विधानसभा कार्यवाही के दौरान नदारद रहने वाले अधिकारियों के खिलाफ अब कार्रवाई होगी। स्पीकर वासुदेव देवनानी ने नाराजगी जताते हुए ऐसे ऑफिसर्स की लिस्ट मांगी है। स्पीकर ने विधायकों के सवाल वापस लेने पर भी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि जब सवाल वापस लेना होता है तो लगाते ही क्यों हो। इस बार पक्ष-विपक्ष के 7-8 विधायकों के सवाल लेने के प्रस्ताव आए हैं। आगे से सवाल वापस लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

जोधपुर शहर को मिलीं सौगातें, बदलेगी सूरत

जोधपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। राज्य के परिवर्तित बजट 2024-25 के वित्त एवं विनियोग विधेयक पर चर्चा के दौरान जोधपुर के विकास के लिए भी महत्वपूर्ण घोषणाएं की गईं। सांगरिया में नया सेटेलाइट अस्पताल खोला जाएगा। इससे सांगरिया और आसपास के ग्रामीणों को घर के पास चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी।

सरकार ने संभाग के सबसे बड़े मथुरादास माथुर अस्पताल में मरम्मत कार्य कराने के लिए फण्ड दिया है।

इससे एमडीएम अस्पताल में सुविधाएं भी बढ़ेंगी। मेलबा (धवा) और मणाई (केरू) को उप स्वास्थ्य केन्द्र से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में क्रमोन्नत किया जाएगा।

इसके अलावा चर्चा के दौरान झंवर में नया राजकीय कॉलेज खोलने की भी घोषणा की गई।

प्रदूषण नियंत्रण का नया कार्यालय खुलेगा

जयपुर और जोधपुर स्थित राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल के नवीन क्षेत्रीय कार्यालय खोले जाएंगे।

जोधपुर में बढ़ते औद्योगिक क्षेत्र को देखते हुए लंबे समय से प्रदूषण नियंत्रण की और आवश्यकता महसूस हो रही थी।

इसके अलावा इन दोनों कार्यालयों में एडजंक्टिंग ऑफिसर का नया पद सृजित किया जाएगा।

पैनोरामा भी

राज्य सरकार ने बजट पर चर्चा के दौरान कई पैनोराम की भी घोषणा की।

इसमें जोधपुर में राव चंद्रसेन का पैनोरमा भी विकसित किया जाएगा। ग्राम चौखा (लूणी) में सहायक अभियंता (विद्युत) कार्यालय खोलने की घोषणा की गई।

नाथद्वारा में 37 दिन में बनी बिल्डिंग गिरी, 4 की मौत

तहसीलदार बोले-अवैध निर्माण था, ईंटों के पिलर पर बनाया था स्ट्रक्चर

नाथद्वारा, 30 जुलाई (एजेंसियां)। राजसमंद जिले में नाथद्वारा के चिकलवास गांव में सोमवार रात 11 बजे सामुदायिक भवन की छत गिरने से चार ग्रामीणों की दबने से मौत हो गई। यहां 15 अगस्त को होने वाले कार्यक्रम को लेकर गांव के 13 लोग साफ-सफाई करने आए थे। महज 37 दिन में इस बिल्डिंग को बनाया गया था। बिल्डिंग के सभी लैंटर सोमवार शाम को ही हटाए गए थे।

हादसे की सूचना पर जिला प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। इसके बाद एसडीआरएफ की टीम ने करीब 5 घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन कर 9 लोगों को मलबे से निकाला। सभी की हालत गंभीर है। इन्हें नाथद्वारा के लालबाग हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है।

नाथद्वारा के तहसीलदार भानु प्रताप सिंह का कहना है कि चारागाह की जमीन पर अतिक्रमण कर सामुदायिक भवन बनाया गया था। इसका निर्माण कार्य 22 जून से शुरू हुआ था। स्ट्रक्चर लगभग 300 वर्ग गज में बनाया गया था। पिलर्स पर आरसीसी की छत डाली गई थी। दीवार नहीं बनाई थी। पिलर भी ईंटों के थे। पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने बताया- मेघवाल समाज ने सामुदायिक भवन का निर्माण कराया है। यहां 15 अगस्त को राम-रसोड़ा कार्यक्रम होना था। इसके तहत रामदेवरा जाने वाले पैदल यात्रियों के लिए भोजन का प्रबंध किया जाना था। कार्यक्रम की तैयारियों के लिए समाज के लोग यहां पहुंचे थे।

इसी दौरान रात 11 बजे तेज धमाके के साथ भवन की छत लोगों पर गिर पड़ी। 13 लोग दब गए। 3 लोगों के शव रात 1 बजे तक निकाल लिए गए थे। एक अन्य व्यक्ति का शव रात 3 बजे निकाला गया। हादसे में मेघवाल बस्ती निवासी भगवती लाल (35) पुत्र रोड़ी लाल मेघवाल, शांति लाल (40) पुत्र नारू लाल मेघवाल, कालू लाल (41) पुत्र वेणी राम मेघवाल और भंवर लाल (52) पुत्र लच्छी राम मेघवाल की मौत हो गई। सुबह 4 बजे तक बाकी 9 लोगों को भी घायल हालत में निकाल लिया गया।

भगवतीलाल चित्तौड़गढ़ जिले के भोपालसागर में एलडीसी के पद पर कार्यरत थे। शांतिलाल, कालूलाल और भंवरलाल चिनाई मिस्त्री का काम करते थे। तहसीलदार भानु प्रताप सिंह ने बताया- चिकलवास गांव में सामुदायिक भवन चरनोट (चारागाह) आराजी नं. 505 की जमीन पर बनाया गया था। यह रास्ते की जमीन थी। 24 जून को गांव के वार्ड पंच हीरा लाल सालवी, भोली राम सालवी और सायों खेड़ा सरपंच ने अतिक्रमण कर मंदिर बनाने की शिकायत नाथद्वारा एसडीएम से की थी।

जेलर को सबक सिखाने के लिए रची साजिश

बोला..ऐसा काम करूंगा कि यह पेंशन नहीं ले पाएगा...

दौसा, 30 जुलाई (एजेंसियां)। दौसा की श्यालावास जेल से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को जान से मारने की धमकी जिस सिम से दी गई, वह चार माह पहले ही जेल में पहुंचाई गई थी। जेल में कैदियों को बिजली उपकरण सुधारने की ट्रेनिंग देने वाले ने इसके बदले बंदी रिंकू की मां से पांच सौ रुपए लिए थे। दौसा पुलिस ने ट्रेनर को गिरफ्तार कर लिया। सिम रिंकू से बंदी दौलत और फिर नीमा को मिली, जिसने मुख्यमंत्री को जान से मारने की धमकी दी। यह भी जानकारी में आया है कि नीमा बार-बार कहता था कि जेलर को सबक सिखाना है। उसने यह धमकी जेलर के सेवानिवृत्त होने के चार दिन पहले दी है, जिसके बाद सरकार ने जेलर को निलम्बित कर दिया। पुलिस जेल से मिली इस सूचना की पुष्टि करने में जुटी है। जयपुर की विधायकपुरी थाना पुलिस ने नीमा व जेल में सिम मंगाने वाले रिंकू को जेल से गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने बताया कि पचास वर्षीय राजेन्द्र से जेल में ट्रेनिंग के दौरान होली से पहले बंदी रिंकू ने उसके घर पर जाकर मां से मिलने के लिए कहा था। राजेन्द्र रिंकू की मां से मिला। रिंकू की मां ने राजेंद्र को सिम दी थी। जेल में सिम पहुंचाने के लिए पांच सौ रुपए भी दिए। राजेन्द्र कपड़ों में छिपाकर सिम जेल में ले गया था। सिम रिंकू की मां के नाम से ही जारी कराई गई थी।सिम दी तो बीड़ी-गुटखे का बकाया माफरिंकू ने धुलंडी के दिन सिम उसी वार्ड में कैद दौलत को दी थी। दौलत जेल में बंदियों से मोटी रकम लेकर बीड़ी व गुटखा उपलब्ध कराता है। रिंकू को उसे रुपए चुकाने थे। बकाया चुकाने के बदले उसने सिम दे दी। दौलत ने यह सिम नीमा को दी थी, जिसने दो दिन पहले पुलिस कंट्रोल रूम कॉल कर धमकी दी थी। शनिवार देर रात जयपुर पुलिस के कंट्रोल रूम पर कॉल कर बंदी नीमा ने मुख्यमंत्री को जान से मारने की धमकी दी थी।

नीमा इस जेल में कई वर्ष से कैद था। वह दौलत से बीड़ी और गुटखा लेता था। इसका कर्जा चढ़ गया था। वह रुपए देने की स्थिति में नहीं था। इसी दौरान उसने यह साजिश रची। उसे यह जानकारी थी कि जयपुर जेल से भी इसी तरह की धमकी दी गई थी, जिसके बाद जेल में हलचल मच गई थी। नीमा शुक्रवार को कई बंदियों को कह चुका था, बहुत हुआ अब उसे कर्जा नहीं चुकाना पड़ेगा। सबको देख लूंगा। शनिवार रात को उसने धमकी दे डाली। इसके बाद दौसा जेल के कार्यवाहक अधीक्षक कैलाश दरोगा, कारापाल बिहारीलाल व प्रहरी अवधेश कुमार को सस्पेंड कर दिया गया।

दोनों आरोपी बलात्कार और पोक्सो केमामले को लेकर तीन एफआईआर दर्ज की गई हैं। धमकी को लेकर जयपुर के विधायकपुरी थाने में मामला दर्ज किया है, जिसमें नीमा व रिंकू को गिरफ्तार किया गया। वहीं दौसा के पापड़दा थाने में सिम को लेकर एफआईआर दर्ज की गई है, जिसमें राजेन्द्र को गिरफ्तार किया गया है। जेल में मिले अन्य दस मोबाइल को लेकर पापड़दा थाने में एक और एफआईआर दर्ज की गई है। जेल में कैद सभी आरोपी बलात्कार व पोक्सो के मामलों में गिरफ्तार हुए थे।

डोडा पोस्त तस्करी का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

पुलिस पर फायरिंग करके फरार हुआ था बदमाश

सिरोही, 30 जुलाई (एजेंसियां)। बीती 12 जुलाई को पिंडवाड़ा पुलिस द्वारा की गई नाकाबंदी के दौरान जयपुर पासिंग की एक कार से पुलिस ने 268 किलो डोडा पोस्त मिलने पर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था लेकिन वाहन चालक मुख्य आरोपी पुलिस पर फायरिंग करके मौके से फरार हो गया था। रोहिड़ा थाना पुलिस ने आज कार्रवाई कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। कांस्टेबल श्रवण कुमार, शंकरलाल, रामलाल एवं बजरंगलाल द्वारा की गई। मामले में बाड़मेर निवासी लक्ष्मणराम पुत्र मगनाराम जाट को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के खिलाफ रोहिड़ा थाने में एनडीपीएस एवं आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज है।

दो साल से फरार दस हजार का इनामी आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

हनुमानगढ़, 30 जुलाई (एजेंसियां)। महिला थाना पुलिस ने दो साल से फरार चल रहे दस हजार रुपए के इनामी आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। महिला से छेड़छाड़ व जातिसूचक गालियां निकालने के आरोप की पुलिस निरंतर तलाश में जुटी हुई थी। आरोपी की गिरफ्तारी में हैड कांस्टेबल सुखविन्द्र सिंह की विशेष भूमिका रही। जांच अधिकारी एससीएसटी सेल सीओ रणवीर साईं ने बताया कि वर्ष 2022 को महिला ने मामला दर्ज कराया था कि महेन्द्र कुमार गोदारा (35) पुत्र रामचंद गोदारा निवासी 22 एनडीआर पीएस टाउन ने उसके साथ घर में घुसकर छेडख़ानी की तथा जातिसूचक गालियां निकाली। मामला दर्ज होने के बाद से आरोपी फरार चल रहा था। वह टाउन थाना का भी स्थाई वारंटी है। महिला थाने में दर्ज मामले में उसकी गिरफ्तारी के लिए एसपी ने दस हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। आरोपी महेन्द्र कुमार जिले के टॉप-10 वांछितों में शामिल था। उस पर तीन-चार मुकदमे दर्ज बताए गए हैं।

हनुमानगढ़. मजदूर से ठगी के आरोपी ठेकेदार को जंक्शन पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। गहन पूछताछ के लिए उसका तीन दिन का रिमांड मंजूर कराया गया। पुलिस के अनुसार रमेश कुमार पुत्र लक्ष्मण सिंह निवासी खरलिया तहसील पीलीबंगा ने 16 जुलाई को मामला दर्ज कराया था कि ठेकेदार मनप्रीत पुत्र गुरतेज सिंह निवासी खरलिया के जंक्शन में सूरतगढ़ रोड स्थित गणपति कॉलोनी में चल रहे निर्माण कार्य पर उसने मजदूरी की थी। उसने 15 मार्च से 3 जून तक मजदूरी की जो 400 रुपए दिहाड़ी के हिसाब से तय की गई थी। आरोप है कि ठेकेदार ने छह हजार रुपए कम मजदूरी दी। बाद में सख्त जरूरत बताकर उसने 53 हजार रुपए उधार ले लिए। उक्त राशि भी उसने लौटाने से इनकार कर दिया। आज कल करता रहा। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी मनप्रीत सिंह (28) पुत्र गुरतेज सिंह निवासी खरलिया को गिरफ्तार कर लिया।

स्कूल में बच्चों के बीच हुई कहासुनी

एक बच्चे के परिजनों ने दूसरे के चाचा पर किया जानलेवा हमला

अलवर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। रामगढ़ थाना अंतर्गत गांव मंडापुर में एक दर्जन से अधिक लोगों ने एक युवक पर जानलेवा हमला कर दिया और उससे नगदी व अन्य सामान लेकर फरार हो गए। पीड़ित युवक राजा सिंह ने बताया कि उसका भतीजा कला नौगांव के सरकारी स्कूल में पढ़ता है और वहीं पर ही किसी बच्चे के साथ किसी बात को लेकर उन दोनों के बीच झगड़ा हो गया था। इसी बात से बच्चे के परिजनों ने राजा सिंह पर हमला कर दिया। पीड़ित ने प्रेम सिंह व उसके परिजनों पर आरोप लगाया है कि मारपीट में उसके पास के 50 हजार रुपये और अन्य सामान भी उन्होंने छीन लिया। पीड़ित को अलवर के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, उसके हाथ व पैर पर चोट आई है। फिलहाल पीड़ित ने रामगढ़ थाने में शिकायत दे दी है पुलिस अब पूरे मामले की जांच कर रही है।

कांवड़ियां ले जा रहे मामा-भांजे की भीषण सड़क हादसे में दर्दनाक मौत

धौलपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। धौलपुर में सोरों उप्र घाट से गंगाजल भरकर डांक कांवड़ ला रहे युवाओं को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित ट्रक उस ट्रॉली से भिड़ गया जिसमें अन्य कांवड़िए साथ चल रहे थे। इस भीषण हादसे में मामा-भानजे की दर्दनाक मौत हो गई जबकि करीब दो दर्जन कांवड़िए घायल हो गए। इनमें से गंभीर हालत में आधा दर्जन को ग्वालियर रेफर किया गया है। पुलिस के अनुसार ट्रक चालक ने अनियंत्रित होकर हाइवे स्थित देवरी घडिय़ाल केन्द्र के पास डांक कांवड लेकर दौड़ रहे युवाओ को बचाने के चलते ट्रक ट्रॉली में भिड़ गया। ट्रॉली में सवार छोटू पुत्र भरतलाल शर्मा निवासी गढिय़ा सिहोनियां एवं उसका भानजा आशू पुत्र रामनरेश शर्मा निवासी लालौर हाल यादव कॉलोनी मुरैना की दर्दनाक मौत हो गई। आक्रोशित कांवडिय़ों ने चक्का जाम कर दिया। वहीं चालक समयदीन खान निवासी पहाड़ी निवासी भरतपुर राजस्थान की बेसबॉल व डंडों से मारपीट की। मौके पर पुलिस पहुंच गई और उसे बचाया। हादसा होते ही सिविल लाइन पुलिस की मोबाइल व स्टाफ तुरंत मौके पर पहुंचे लेकिन तब तक जाम लग चुका था। पुलिस ने बड़ी मशक्कत के बाद सुबह पांच बजे लगा जाम साढ़े सात बजे खुलवाया जा सका।

ब्रांड के नाम से बेचा जा रहा नकली तेल सीज

कोटा, 30 जुलाई (एजेंसियां)। शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग ने कोटा में बड़ी कार्रवाई की है। अतिरिक्त खाद्य आयुक्त पंकज ओझा के नेतृत्व में विभाग की टीम ने रानपुर में शिवम एडिबल ऑयल इंडस्ट्रीज में छापा मारा और करीब साढ़े 7 हजार लीटर तेल पकड़ा है।

यहां पर तेल को प्रोसेस करके अलग-अलग ब्रांड के नाम पर बाजार में बेचा जा रहा था। टीम ने मौके से निवाई, राजस्थान, पोस्टमैन समेत अन्य ब्रांड के नकली तैयार किए गए तेल के पीपे, पैकिंग, समेत अन्य सामग्री जब्त की हैं।

अतिरिक्त खाद्य आयुक्त पंकज ओझा ने बताया- कुछ समय पहले विभाग की टीम ने यहां से सैंपल लिए थे, जो जांच में सबस्टैंडर्ड के मिले। यहां ब्रांडेड के नाम से मिलावटी तेल बेचने की सूचना मिल रही थी। जिस पर आज टीम के साथ मौके पर आए। देखा तो एक ही तेल को अलग-अलग ब्रांड के नाम से पैक किया हुआ था। इसमें मुख्यतः मूंगफली और तिल्ली का तेल था। संदेह के आधार पर टीम ने 450 लीटर तिल्ली के तेल सहित साढ़े 7 हजार लीटर तेल सीज किया है। टीम ने मौके से सैंपल लिए है, जिन्हें जांच के लिए ले भेजा जाएगा जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पंकज ओझा ने बताया निवाई, बीकानर, कोटा, ब्यावर सहित अन्य जगहों से कच्चा माल लाता था। उन्हें अपने यहां 5-6 ब्रांड से पैक किया जा रहा था। फिर ब्रांडेड बताकर कोटा और बाहर सप्लाई किया जा रहा था। शुरुआती जानकारी में सामने आया कि ये माल कोटा, बूंदी सहित हाड़ौती सम्भाग में दुकानदारों को 100 रुपए लीटर में सप्लाई करता था।

घर में घुसे नकाबपोश बदमाशों ने डॉक्टर दंपती पर किया जानलेवा हमला

बारां, 30 जुलाई (एजेंसियां)। कल शाम दो नकाबपोश बदमाश डॉक्टर दंपती के घर में घुसे और चाकू से हमला कर लूटपाट करके भाग गए। बदमाश डॉक्टर दंपती के मेडिकल स्टोर के कर्मचारी के पीछे-पीछे घर में घुसे थे और नकदी, जेवर समेत कीमती सामान लूटकर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और बदमाशों की तलाश में जुट गई है।

घटना डॉ. उषा अग्रवाल और डॉ. सत्येंद्र अग्रवाल के घर पर हुई, जहां वे मरीजों को परामर्श भी देते हैं। यहीं पर उनका एक मेडिकल स्टोर भी है। शाम को मेडिकल स्टोर का कर्मचारी दवाइयों का हिसाब देने उनके घर गया था तभी पीछे से आए दो नकाबपोश बदमाशों ने डॉ. उषा अग्रवाल पर चाकू से हमला कर दिया, फिर डॉ. सत्येंद्र अग्रवाल को चाकू दिखाकर धमकाया। इसके बाद घर से नकदी और जेवर समेत अन्य कीमती सामान लूटकर फरार हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। वारदात में मेडिकल स्टोर के कर्मचारी की भूमिका संदिग्ध है और उससे पूछताछ की जा रही है।

'नोरोवायरस' के प्रकोप की अफवाहों पर न करें विश्वास

> स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों को किया सचेत > उल्टी और दस्त का कारण बनता है 'नोरोवायरस'

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में वरिष्ठ सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों, विशेषकर पुराने शहर के निवासियों से नोरोवायरस के प्रकोप की खबरों से घबराने की अपील नहीं की है। नोरोवायरस एक आम और संक्रामक वायरस है जो पेट फ्लू का कारण बनता है जिसे वायरल गैस्ट्रोएंटेराइटिस के रूप में भी जाना जाता है और इसके लक्षण उल्टी, मतली और दस्त जैसे होते हैं। तेलंगाना राज्य के सार्वजनिक स्वास्थ्य निदेशक (डीपीएच) डॉ.बी रविंद्र नायक ने लोगों से नोरोवायरस के बारे में अफ़वाहों पर विश्वास न करने और घबराने से बचने का आग्रह किया।

डॉ. नायक ने कहा कि अभी तक पुराने शहर में एक भी व्यक्ति नोरोवायरस के लिए सकारात्मक परीक्षण नहीं किया गया है, हालांकि लक्षण समान हैं। मैं पुराने शहर के परिवारों से आग्रह करता हूं कि वे अफ़वाहों पर विश्वास न करें कि इसका प्रकोप है और यह बीमारी जानलेवा है। वायरल गैस्ट्रोएंटेराइटिस का सबसे आम कारण रोटोवायरस या नोरोवायरस है, जिसके लक्षण वयस्कों और बच्चों में एक जैसे होते हैं। डीपीएच ने बताया कि मानसून के महीने बैक्टीरिया और वायरल मूल वाले सभी प्रकार के संक्रमणों के लिए आदर्श होते हैं। डॉ. नायक कहते हैं कि मानसून के दौरान कई जीवाणु और वायरल संक्रमण होते हैं जो नज़दीकी संपर्क, दूषित भोजन खाने या संक्रमित सतहों को छूने से फैलते हैं। इन सभी बीमारियों का इलाज संभव है और लोग तीन दिनों के भीतर ठीक हो जाते हैं। हमें बताया गया कि पुराने शहर के कुछ निजी अस्पतालों ने नोरोवायरस की सूचना दी है। हालांकि, ये सभी संदिग्ध मामले हैं और किसी की पुष्टि नहीं हुई है।

एहतियात के तौर पर पिछले एक हफ़्ते से स्थानीय जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (डीएमएचओ) पुराने शहर के कई हिस्सों में कई स्वास्थ्य शिविर लगा रहे हैं। डॉ. नायक ने बताया कि लोगों को यह समझना चाहिए कि इस तरह के ज़्यादातर संक्रमण अपने आप ठीक हो जाते हैं, यानी बीमारी तीन दिन तक चलती है और मरीज़ ठीक हो जाता है।

नोरोवायरस वायरस का एक समूह है जो उल्टी और दस्त का कारण बनता है और इसे एक बहुत ही आम बीमारी माना जाता है, जबकि यह बहुत संक्रामक भी है। आमतौर पर, नोरोवायरस का प्रकोप ठंड के महीनों में होता है और इसे आमतौर पर खाद्य जनित बीमारी माना जाता है, जब लोग दूषित भोजन के संपर्क में आते हैं।

कुछ सावधानियां :

* खासकर बच्चों के हाथ अच्छी तरह से धोएं।
* भोजन को सुरक्षित तरीके से तैयार करें और गर्म भोजन का सेवन करें।
* ऐसे किसी भी व्यक्ति से निकट संपर्क से बचें जिसमें लक्षण हों।
* काउंटर, नल, दरवाजे के हैंडल, चम्मच जैसी सतहों को साफ किया जाना चाहिए।
* व्यक्तिगत स्वच्छता पर ध्यान दें और अधपका भोजन खाने से बचें।
* लक्षण संपर्क के 12 से 48 घंटे बाद दिखाई देते हैं और 1 से 3 दिन तक बने रहते हैं।
* लक्षण : मतली, उल्टी, दस्त, पेट दर्द, सिरदर्द, बुखार और शरीर में दर्द।
* उपचार : तरल पदार्थ और ओआरएस का सेवन करें, भरपूर आराम करें, नरम और हल्का भोजन खाएं।

बी.ई. को डब्ल्यूएचओ से प्राप्त हुई पूर्व-योग्यता

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित वैक्सीन निर्माता बायोलॉजिकल ई. लिमिटेड (बीई) ने मंगलवार को घोषणा की कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने उनके नए ओरल पोलियो वैक्सीन टाइप 2 (एनओपीवी2) को प्री-क्वालिफिकेशन (पीक्यू) का दर्जा दिया है, जिसका अर्थ है कि यह वैक्सीन डब्ल्यूएचओ के वैक्सीन की गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावकारिता मानकों को पूरा करती है।

प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि एनओपीवी2, जो बीई का 10वां पूर्व-योग्य टीका है, अगली पीढ़ी का सजीव, दुर्बलित मौखिक टीका है, जो प्रसारित होने वाले वैक्सीन-व्युत्पन्न पोलियोवायरस टाइप 2 (सीवीडीपीवी2) प्रकोप के जोखिम को काफी हद तक कम करता है और इसका उद्देश्य उन देशों में टीकाकरण करना है, जो सीवीडीपीवी2 प्रकोप से प्रभावित हैं।

बलात्कार का आरोपी एयरपोर्ट से गिरफ्तार

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। महाकाली पुलिस ने आरजेआईए, शमशाबाद, हैदराबाद में बलात्कार के मामले के आरोपी को सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया है, जो श्रीलंका के रास्ते विमान से ऑस्ट्रेलिया भागने की फिराक में था। पुलिस के अनुसार आरोपी बंदराम स्वामी, उम्र 29 वर्ष, निवासी गंगापुर, जनगांव, तेलंगाना का रहने वाला है। बीते 28 जुलाई को छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर जिले के विधानसभा पुलिस स्टेशन से जीरो एफआईआर की केस फाइल प्राप्त होने के बाद, एसएचओ महाकाली पुलिस स्टेशन ने सीआर नंबर 159/2024 यू/एस 69 बीएनएस के तहत मामला फिर से दर्ज किया था। तकनीकी इनपुट और विश्वसनीय जानकारी मिलने पर कि आरोपी आरजीआईए, शमशाबाद पहुँच गया है और ऑस्ट्रेलिया भागने वाला है। पुलिस ने एफआरआरओ, एसएचओ आरजीआई एयरपोर्ट शमशाबाद, इमिग्रेशन और सीआईएसएफ़ अधिकारियों के साथ समन्वय करके त्वरित कार्रवाई की और आरोपी को पकड़ने में सफल रही जो फ्लाइट में चढ़ने का इंतजार कर रहा था। पुलिस उपायुक्त, उत्तर क्षेत्र, हैदराबाद सुश्री एस रश्मि पेरुमल ने बताया कि के.परशुराम, एसएचओ और एसआई परदेशी जॉन, एस वेंकटेश्वरलू, और पीसी सीएच संतोष पीसी बी महेश पीसी एस महेश पीसी, एल वम्शी कृष्णा पीसी, रुशी चरण, पीसी द्वारा आरोपी को पकड़ने के लिए किए गए अच्छे काम की सराहना की जाती है। हम एफआरआरओ, एसएचओ आरजीआई एयरपोर्ट शमशाबाद, इमिग्रेशन और सीआईएसएफ अधिकारियों के सहयोग की भी सराहना करते हैं।

कांस्टेबल ने विकलांग उम्मीदवार को परीक्षा केंद्र तक पहुंचाया

सिद्दीपेट, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एक कांस्टेबल ने मंगलवार को शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरटी) के अभ्यर्थियों और आम जनता का दिल जीत लिया, जब उसने एक शारीरिक रूप से विकलांग टीआरटी अभ्यर्थी को अपने कंधे पर उठाकर सिद्दीपेट शहर में परीक्षा हॉल की पहली मंजिल तक पहुंचाया। अभ्यर्थी शहर के करीमनगर रोड पर पहली मंजिल पर स्थित परीक्षा केंद्र में आया था। जब उसे सीढ़ियां चढ़ने में दिक्कत हुई, तो थ्री-टाउन पुलिस स्टेशन के कांस्टेबल आसिफ (45) ने उसकी मदद की और उसे अपने कंधों पर उठाकर सीढ़ियां ऊपर पहुंचाया। आसिफ के इस कदम की सभी ने सराहना की।

श्री राजेश्वर भगवान का जागरण 2 को

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। फीलखाना स्थित श्रृंगऋषि भवन दालमंडी मे संत श्री राजारामजी कलबी समाज ट्रस्ट हैदराबाद सिकंदराबाद समाज बन्धुओं के तत्वावधान मे गुरुवर श्री राजेश्वर भगवान की 81वीं पुण्यतिथि के पावन अवसर पर दो दिवसीय कार्यक्रम शुक्रवार 2 अगस्त रात्रि 8.31 बजे से भव्य जागरण व शनिवार 3 अगस्त प्रात: पूजा-अर्चना कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

विज्ञप्ति में सचिव अशोक चौधरी ने बताया कि गुरुदेव श्री राजेश्वर भगवान की पुण्यतिथि पर हर वर्ष की भांति दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। शुक्रवार 2 अगस्त रात्रि 8.31 बजे से भव्य जागरण का आयोजन किया जाएगा। जिसमें डुंगरमल सीरवी, महावीर प्रजापत एंड पार्टी गुरुवर श्री राजेश्वर भगवान के चरणों मे भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। शनिवार 3 अगस्त प्रात: 11 बजे से 3 बजे तक समाज बन्धु 81 वीं पुण्यतिथि के पावन अवसर पर पुजा-अर्चनाकर गुरुवर श्री राजेश्वर भगवान के चरणों मे श्रद्धा के पुष्प

अर्पितकर, कार्यक्रम स्थल पर भोजन-प्रसादी का सपरिवार लाभ लेंगे। कार्यक्रम में पधारे सम्मानित अतिथि, भामाशाहों व कार्यक्रम के लाभार्थीयों का विशेष सम्मान किया जाएगा। अध्यक्ष शंकरलाल सोलंकी ने समाज बन्धुओं से निवेदन किया है कि 3 अगस्त को अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर सपरिवार पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे। कार्यक्रम मे समाज बन्धु एवं आमंत्रित सम्मानित अतिथिगण सपरिवार सादर आमंत्रित है। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे संत श्री राजारामजी कलबी समाज ट्रस्ट अध्यक्ष शंकरलाल सोलंकी, सचिव अशोक चौधरी, कोषाध्यक्ष नवाराम, संरक्षक प्रतापाराम, ठाकराराम, नरसाराम, बाबुलाल, जवाराम, करनाराम, सवाराम, सभी पदाधिकारी व सदस्यगण सपरिवार उपस्थित रहेंगे।

रसायनों पर सीमा शुल्क में भारी वृद्धि, केंद्रीय बजट की आलोचना

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी और निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित प्रयोगशालाओं में अत्याधुनिक अनुसंधान में शामिल वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने प्रयोगशाला रसायनों पर सीमा शुल्क में 10 से 150 प्रतिशत तक की तीव्र वृद्धि करने के लिए केंद्रीय बजट-2024 की आलोचना की है, जो उनके अनुसंधान का एक अभिन्न अंग हैं। यह मुद्दा सबसे पहले हैदराबाद स्थित कोशिकीय एवं आणविक जीवविज्ञान केन्द्र (सीसीएमबी) के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. संतोष चौहान ने उठाया था, जब उन्होंने एक्स पर अपना अविश्वास व्यक्त किया था।

उन्होंने कहा कि कृपया मुझे बताएं कि यह गलत छपाई है, ताकि मैं इसे हटा सकूं। प्रयोगशाला रसायनों पर सीमा शुल्क 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 150 प्रतिशत कर दिया गया है? हम शोध कैसे करेंगे और क्या वित्तपोषण एजेंसियां अपेक्षाओं को कम करके या अधिक धन उपलब्ध कराकर क्षतिपूर्ति करेंगी? डॉ. चौहान की पोस्ट ने तत्काल ध्यान आकर्षित किया, क्योंकि कई शोध संस्थानों के शीर्ष शोधकर्ताओं ने भारत में अनुसंधान और विकास पर इसके संभावित नकारात्मक प्रभाव को उजागर करते हुए इस कदम का विरोध करना शुरू कर दिया।

सीएसआईआर-इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी (आईजीआईबी) के पूर्व निदेशक और अशोका यूनिवर्सिटी के डीन डॉ. अनुराग अग्रवाल ने एक्स पर कहा कि इस बदलाव को वापस लिए जाने की उम्मीद है। अन्यथा यह आरडी के लिए बेहद नुकसानदेह होगा। विज्ञान विभागों को इसे पूरा करने में आगे आना चाहिए।

आईआईटी बॉम्बे के प्रोफेसर अमित सेठी ने पोस्ट किया कि एक शीर्ष भारतीय सार्वजनिक विश्वविद्यालय में शोधकर्ता के रूप में, मैं प्रमाणित करता हूं कि हमें तेजी से उपकरण खरीदने, बाजार दरों पर प्रतिभाओं को नियुक्त करने, प्रस्ताव और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के कुछ हिस्सों को स्वचालित करने और आयात शुल्क, निविदा और मेक इन इंडिया से छूट प्राप्त करने की आवश्यकता है।

आईआईटी कानपुर के शोधकर्ता अमिताभ बंदोपाध्याय ने कहा कि अगर हमें हर समय आग बुझाने का काम करना पड़े तो आप शोध पर कैसे ध्यान केंद्रित करेंगे? अब हम कोई प्रयोग कैसे करेंगे, यह देखते हुए कि रसायनों की कीमतें 2 गुना बढ़ गई हैं?

इस विकास पर टिप्पणी करते हुए, बायोटेक रिसर्च एंड इनोवेशन सेंटर (ब्रिक), डेनमार्क के सहायक प्रोफेसर नवनीत ए वशिष्ठ ने कहा कि यह विचित्र है! क्या कोई भारत में स्थानीय स्तर पर समान शुद्धता के साथ इनका उत्पादन कर रहा है?

सेना की फायरिंग रेंज से गोली चलने से महिला घायल

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को नरसिंगी में अपने घर में पैर में गोली लगने से एक महिला घायल हो गई। इलाके में दो सप्ताह में यह दूसरी घटना है और इससे निवासियों में दहशत फैल गई। पीड़िता पद्मा नरसिंगी पुलिस स्टेशन क्षेत्र के गंधमगुडा में अपनी बिल्डिंग की छत पर आई थी, तभी गोली उसके टखने के पास लगी। स्थानीय लोगों ने पीड़िता को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज किया गया और बाद में उसे छुट्टी दे दी गई। सूचना पर नरसिंगी पुलिस मौके पर पहुंची और गोली को जब्त कर लिया। पुलिस को संदेह है कि गोली पास के आर्मी फायरिंग रेंज से चली है, जहां जवान फायरिंग की प्रैक्टिस कर रहे थे। करीब दो हफ्ते पहले इसी इलाके के एक घर में गोली लगी थी। गंडमगुड़ा के पास ही पुलिस और सेना की दो फायरिंग रेंज हैं। पुलिस और सेना के जवान नियमित रूप से वहां फायरिंग का अभ्यास करते हैं।

जिष्णु देव वर्मा आज तेलंगाना के राज्यपाल के रूप में शपथ लेंगे

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिष्णु देव वर्मा बुधवार को यहां राजभवन में शाम 5.03 बजे तेलंगाना राज्य के राज्यपाल के रूप में शपथ लेंगे। 2018 से 2023 तक त्रिपुरा राज्य के उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्य करने वाले जिष्णु देव वर्मा को 27 जुलाई को तेलंगाना का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया था, जो वर्तमान राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन की जगह लेंगे, जिन्हें महाराष्ट्र राज्य का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। 15 अगस्त 1957 को जन्मे जिष्णु देव वर्मा ने बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया था। वह 1993 में भाजपा में शामिल हुए और तब से पार्टी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। त्रिपुरा सरकार में, उन्होंने बिजली, ग्रामीण विकास, पंचायत राज, वित्त, योजना, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और पर्यावरण विभागों की जिम्मेदारियां भी संभालीं, लेकिन वह सिपाहीजला जिले के चारिलम से 2023 में विधानसभा चुनाव हार गए। जिष्णु देव वर्मा त्रिपुरा के पहले व्यक्ति हैं जिन्हें किसी राज्य का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

ब्रह्म विद्या सत्संग सेवा समिति का सत्संग सम्पन्न

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कुतबुलापुरम सुभाष नगर राजस्थानी विश्वकर्मा भवन में ब्रह्म विद्या सत्संग सेवा समिति व भक्तों के सानिध्य में सत्संग महोत्सव कार्यक्रम मंगलवार 30 जुलाई प्रात: 11 बजे से 3 बजे तक भव्यरूप से आयोजित किया गया। जिसमें आचार्य संत श्री प्रह्लादपुरीजी महाराज पीठाधीशर ब्रह्म विद्या शाक्तिपीठ निर्भय आश्रम करनसर जयपुर ने सत्संग में भजनों के पुष्प अर्पित किये।

प्रेस विज्ञप्ति में शांतिलाल सुथार ने बताया कि ब्रह्म विद्या सत्संग सेवा समिति व भक्तों के सानिध्य में सत्संग महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्वकर्मा भवन में विशेष पंडाल सजाकर महिलाओं द्वारा कलश यात्रा व पुष्प-वर्षा, व पधारे गुरुवर श्री प्रह्लादपुरीजी महाराज का आयोजकों द्वारा विशेष सम्मान व विश्वकर्माजी महाराज के मंदिर में दीप प्रज्वलित व पूजा-अर्चनाकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया।

कार्यक्रम में भक्तों व महिलाओं ने गुरुवर का पुष्प-मालाओं से विशेष सम्मान के पश्चात् गुरुवर ने भजनों के पुष्प अर्पित किया। सत्संग व कथा प्रवचन के दौरान बताया कि उन्नत संगति के बिना जीवन व्यर्थ है। सुवचन सदा प्रकाशमय होते है। इसीलिए मनुष्य को हमेशा सोच-समझकर शुद्ध वचन ही बोलना चाहिए। सांसारिक धर्म में अगर संतों की कृपा हो जाए तो जीवन सफल हो सकता है।

कार्यक्रम में पधारे भक्तों के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। कार्यक्रम के सफल ओयजन में बंशीलाल कुमावत खाटुश्याम सीकर, अमराराम सुथार बिरई जोधपुर, धूडाराम सैनी खाटुश्याम सीकर, मोहनलाल कुमावत दांतारामगढ सीकर, भरत, गोविन्दराम पंवार सांसरी पाली, मोहनराम कुमावत बालेसर जोधपुर, कार्यकर्ताओं, भक्तों व समाज बन्धुओं का विशेष सहयोग रहा। मंच का संचालन शिवानन्दजी महाराज व आनन्दजी महाराज ने संयुक्तरुप से किया। महाआरती के पश्चात् कार्यक्रम का समापन हुआ।

तेयुप हैदराबाद द्वारा जैन संस्कार विधि से सामूहिक जन्मोत्सव आयोजित

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के त्रिआयाम सेवा संस्कार संगठन जिसमे संस्कार के अंतर्गत जैन संस्कार विधि से सामूहिक जन्मदिन एवं वैवाहिक वर्षगांठ का आयोजन किया गया। अध्यक्ष श्री अभिनंदन नाहटा ने सभी का स्वागत किया।

कार्यक्रम 1 जुलाई 24 से 31 जुलाई 24 के बीच जिनके जन्मदिन एवं वैवाहिक वर्षगांठ आते हैं उनका जन्मदिन व वर्षगांठ जैन संस्कार विधि से मनाया गया। संस्कारक श्री ललित लुनिया ने जैन मंत्रोच्चार द्वारा कार्यक्रम संपादित करवाया। कार्यक्रम का सुभारंभ नमस्कार महामंत्र के संगान से हुआ।श्री राजकुमार सांखला ने महावीर स्तुति का संगान किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

वायनाड में 4 घंटे ...

वायनाड के 4 गांव (मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला और नूलपुझा) में लैंडस्लाइड की घटना हुई है। 5 साल पहले 2019 में भी भारी बारिश की वजह से इन्हीं गांवों में लैंडस्लाइड हुई थी, जिसमें 17 लोगों की मौत हुई थी। 5 लोगों का आज तक पता नहीं चला। 52 घर तबाह हुए थे। वायनाड का मुंडक्कई गांव लैंडस्लाइड की वजह से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। यहां चूरलमाला को मुंडक्कई से जोड़ने वाला पुल बह गया है, जिससे क्षेत्र तक पहुंचना मुश्किल हो गया है। एनडीआरएफ की 20 सदस्यीय टीम पैदल चलते हुए यहां तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। मुंडक्कई में करीब 250 लोगों के फंसे होने की खबर है। यहां कई घर बह गए है। यहां 65 परिवार रहते थे।

यहीं पास के एक टी एस्टेट के 35 कर्मचारी भी लापता हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष समशाद मरईक्कर ने बताया कि मुंडक्कई सड़क मार्ग से पहुंचा नहीं जा सकता है। मोबाइल नेटवर्क भी ठप है। चूरलमाला गांव में भी नुकसान ज्यादा है। यहां रेस्क्यू जारी है। यहां कई घर बह गए हैं। कई लोगों को बचाया गया हैं, जिनमें दो विदेशी नागरिक भी शामिल थे। ये एक होमस्टे में रुके थे। यहां रेस्क्यू टीम एक-एक घरों की जांच कर रही है।

वायनाड में भारी बारिश का अनुमान :

मौसम विभाग ने आज भी वायनाड के अलावा कोझिकोड, मल्लपुरम और कासरगोड में रेड अलर्ट जारी किया है। यानी आज भी यहां भारी बारिश होने की संभावना है। इसकी वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कत आ सकती है।

मुझे अनुराग ठाकुर ...

, लीडर ऑफ प्रोपेगैंडा नहीं। कांग्रेस पार्टी ने बहुत भ्रष्टाचार किया है। अनुराग ठाकुर के ऐसा बोलते ही सदन में हंगामा होने लगा। इसी दौरान राहुल गांधी फिर से अपनी सीट से खड़े हुए और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर पर जवाबी हमला बोला। राहुल गांधी ने महाभारत का जिक्र करते हुए कहा कि, स्पीकर सर, जो भी दलितों की बात उठाता उसे गाली खानी ही पड़ती है। मैं ये सब गालियां खुशी से खाऊंगा। महाभारत की बात हुई तो अर्जुन को सिर्फ मच्छी की आंख दिख रही थी, तो हमें जातीय जनगणना चाहिए वह हम करा के रहेंगे। इसके पीछे चाहे मुझे कितनी भी गाली दी जाए। राहुल गांधी ने कहा कि अनुराग ठाकुर जी ने मुझे गाली दी है, लेकिन मुझे उनसे कोई माफी नहीं चाहिए।

राहुल गांधी के इस जवाबी हमले के बाद, जब सदन में फिर से हंगामा बढ़ा तो सभापति जगदंबिका पाल ने सभी से शांत रहने के लिए कहा, इसी दौरान अखिलेश यादव अपनी सीट से उठ खड़े हुए और उन्होंने राहुल गांधी का समर्थन करते हुए केंद्र व सत्ता पक्ष पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि, सदन में किसी की जाति कैसे पूछी जा सकती है? इस पर सभापति पाल ने कहा कि, सदन में कोई किसी की जाति नहीं पूछेगा।

बार काउंसिल में ...

याचिका में यह भी कहा गया कि अधिक शुल्क के कारण वकील बनने की चाह रखने वाले ऐसे युवा पंजीकरण नहीं करा पाते, जिनके पास आवश्यक संसाधन और इतना मोटा शुल्क देने की व्यवस्था नहीं होती। सुप्रीम कोर्ट ने इसे महत्वपूर्ण मुद्दा मानते हुए 10 अप्रैल को केंद्र सरकार, बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) और राज्य बार निकायों को नोटिस जारी किया था। नोटिस का जवाब मिलने के बाद कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए फैसला सुरक्षित रखा था।

प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने याचिका पर फैसला सुनाते हुए कहा कि अधिवक्ता अधिनियम के तहत स्नातकों का पंजीकरण करने में बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) और राज्य बार काउंसिल कानून का उल्लंघन कर रही हैं। अधिवक्ता अधिनियम 1961 की धारा 24 के तहत विधि स्नातक के लिए वकील के रूप में पंजीकरण शुल्क 650 रुपये है। जबकि एससी-एसटी वर्ग के लिए यह शुल्क 125 रुपये है। नए पंजीकरण में यही लिया जाए। इसे संसद में कानून संशोधन के बाद ही बढ़ाया जा सकता है। कोर्ट ने सभी बार काउंसिल से तय शुल्क ही लेने के लिए कहा है।

इन राज्यों में लग रहा था यह शुल्क :

याचिका में कहा गया था कि ओडिशा में विधि स्नातकों से पंजीकरण शुल्क 42,100 रुपये, गुजरात में 25,000 रुपये, उत्तराखंड में 23,650 रुपये, झारखंड में 21,460 रुपये और केरल में 20,050 रुपये लिया जा रहा है। यह कानून का उल्लंघन है।

गरीबी रेखा से ...

पीएम मोदी ने कहा कि पिछली सरकार की तुलना में हमारी सरकार ने रेलवे का बजट 8 गुना बढ़ाया है। हाईवे का बजट 8 गुना बढ़ाया है। एग्रिकल्चर का बजट 4 गुना और डिफेंस का बजट 2 गुन से अधिक बढ़ाया है। पीएम मोदी ने कहा है कि हमारी सरकार की नीयत और प्रतिबद्धता साफ है, हम विकसित भारत पर पूरा ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हम जल्द ही अपतटीय खनिज ब्लॉक की नीलामी शुरू करेंगे।

देश में 1.40 लाख से ज्यादा स्टार्ट अप :

आज भारत मोबाइल फोन का शीर्ष विनिर्माता है। आज भारत में 1.40 लाख स्टार्टअप हैं और आठ करोड़ लोगों ने मुद्रा ऋण से अपना व्यवसाय शुरू किया है। दुनिया भर के निवेशक भारत आने को इच्छुक हैं।

यह उद्योग के लिए एक सुनहरा अवसर है और हमें इसे गंवाना नहीं चाहिए। पीएम मोदी ने कहा है कि देश के 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला गया है और अब भारत का टारगेट वैश्विक स्तर पर तीसरे नंबर की इकोनॉमी पर है।

फिल्म अभिनेता अर्जुन ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से उनके जुबली हिल्स स्थित आवास पर मुलाकात की।

नारायणपेट में बनेगा काले हिरणों के लिए बचाव केंद्र

> किसानों को मिलेगी बड़ी राहत > अक्सर खेतों को बर्बाद करते थे हिरण

नारायणपेट, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के विभिन्न मंडलों के किसान अब राहत की सांस ले सकते हैं, क्योंकि वन विभाग काले हिरणों और चित्तीदार हिरणों को पकड़ने और अन्य स्थानों पर स्थानांतरित करने के लिए एक बचाव केंद्र स्थापित करने की तैयारी कर रहा है।

मगनुरु, कृष्णा, मकथल, उत्कूर, नरवाह, देवरकद्रा और कई अन्य स्थानों के किसान काले हिरणों और चित्तीदार हिरणों के बारे में शिकायत करते रहे हैं जो अक्सर उनके खेतों पर हमला करते हैं। भरपूर पानी उपलब्ध होने और इनपुट सब्सिडी के कारण, पिछले कुछ वर्षों से किसान इस क्षेत्र में साल में दो फसलें उगा रहे हैं। पहले, पर्याप्त पानी की उपलब्धता की कमी के कारण, केवल एक फसल की खेती होती थी और दूसरे मौसम में, खेत काले हिरणों के चारे के लिए घास के मैदान में बदल जाते थे। अब, दो फसलों की खेती होने और काले हिरणों के खेतों पर हमला करने से किसान चिंतित हैं। चूंकि काले हिरण अनुसूची 1 की प्रजाति हैं, इसलिए उन्हें नुकसान नहीं पहुंचाया जा सकता, न ही उनका शिकार किया जा सकता है।

फसल के नुकसान से चिंतित किसान वन विभाग से काले हिरणों को पकड़कर उनकी फसल बचाने की गुहार लगा रहे हैं। चूंकि अधिकांश भूमि राजस्व विभाग के अधीन आती है, इसलिए वन विभाग के अधिकारी विभिन्न कारणों से कोई कार्रवाई नहीं कर पा रहे हैं। 2021 से स्थानीय अधिकारी 2.6 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता के लिए मुख्यालय से अपील कर रहे हैं। विचार यह था कि काले हिरणों और चित्तीदार हिरणों को पकड़ने और उन्हें अलग-अलग जगहों पर स्थानांतरित करने के लिए एक बचाव केंद्र स्थापित किया जाए। बार-बार अनुरोध के बाद, मुख्यालय ने जिले के कृष्णा मंडल के अंतर्गत मुदुमुल में 75 एकड़ में फैले बचाव केंद्र की स्थापना के लिए 2.7 करोड़ रुपये की प्रशासनिक मंजूरी दी। एक अधिकारी ने बताया कि काले हिरणों को पकड़ने के बाद उन्हें बचाव केंद्र में रखा जाएगा। विचार यह है कि उन्हें अमराबाद या कवाल टाइगर रिजर्व या एतुरनगरम के जंगलों में भेजा जाए। लेकिन इस काम को करने के लिए वन्यजीव अधिकारियों से अनुमति लेनी होगी।

अग्रवाल समाज शालीबंडा शाखा ने स्वागत मंच लगाया

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज शालीबंडा शाखा द्वारा मानद मंत्री पंकज गोयनका ने बताया पुराने शहर के बोनालु जुलूस में घटों का स्वागत व प्रसाद वितरण किया गया, महाराजा अग्रसेन जी की पूजा अर्चना के बाद प्रसाद आरंभ हुआ उपमा एवं जल आदि भक्तों में वितरण किया गया। शाखा के अध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल ने सभी का धन्यवाद और आभार माना। मंच का संचालन प्रेम अग्रवाल, उमेश अग्रवाल और संजय अग्रवाल ने किया तथा शाखा के पदाधिकारियों ने उनका सम्मान किया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारतीय स्टार मनिका ने फ्रांस की प्रीथिका को 4-0 से हराया

राउंड 16 में पहुंची, रचा इतिहास

पेरिस, 30 जुलाई (एजेंसियां)। मनिका बत्रा का पेरिस ओलंपिक में दमदार प्रदर्शन जारी है। भारतीय खिलाड़ी ने फ्रांस की प्रीथिका पावड़े को लगातार चार गेमों में हराकर महिला एकल के राउंड 16 में अपनी जगह पक्की कर ली। बत्रा ने 11-9, 11-6, 11-9, 11-7 से राउंड 32 में पावड़े को हराया। अपनी इस जीत के साथ मनिका ओलंपिक में राउंड 16 के दौर में पहुंचने वाली भारत की पहली महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी बन गई हैं।

टूर्नामेंट में 18वीं वरीयता प्राप्त और विश्व में 28वें स्थान पर काबिज 2018 राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन मनिका ने इससे पहले पेरिस ओलंपिक में विश्व की 103वें नंबर की खिलाड़ी ग्रेट ब्रिटेन की अन्ना हर्सी पर 11-8, 12-10, 11-9, 9-11, 11-5 अपनी पहली जीत हासिल की थी।

मनिका को पहले गेम में बायें हाथ की खिलाड़ी के खिलाफ सामंजस्य बिठाने में परेशानी हुई और यह काफी करीबी मुकाबला रहा। मनिका ने अखिरी तीन अंक अपने नाम कर इसे 11-9 से जीता। दूसरे गेम की शुरुआत में भी मुकाबला काफी करीबी था, लेकिन 6-6 की बराबरी के बाद मनिका ने प्रीथिका को कोई मौका नहीं दिया और 11-6 से वह जीत गई।

भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे गेम की लय तीसरे गेम में जारी रखते हुए पांच अंक की बढ़त बनाई, लेकिन प्रीथिका ने लगातार चार अंक हासिल कर स्कोर को 9-10 कर दिया। प्रीथिका दबाव में गेंद को नेट पर खेल गई और मनिका ने 11-9 से इस गेम को जीत लिया। मनिका ने चौके गेम में 6-2 की बढ़त के साथ अच्छी शुरुआत को 10-4 में बदल कर छह मैच प्वाइंट हासिल किए।

प्रीथिका तीन मैच प्वाइंट बचाने में सफल रही, लेकिन मनिका ने चौथे अंक को भुनाकर मैच अपने नाम किया। प्री क्वार्टर फाइनल में मनिका की भिड़ंत जापान की आठवीं वरीय हिरोनो मियू और हांगकांग की झू चेंगझू के बीच होने वाले मैच की विजेता से होगी।

दूसरा कांस्य जीतने के बाद मनु-सरबजोत की पहली प्रतिक्रिया

बोले- दबाव था, लेकिन फैंस ने हौसला बढ़ाया

पेरिस, 30 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की स्टार निशानेबाज मनु भाकर ने स्वतंत्रता के बाद एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने सरबजोत सिंह के साथ पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम वर्ग में दक्षिण कोरिया को हराकर कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी ने कोरिया के ली वोन्हो और ओ ये जिन को 16-10 से हराकर देश को इस ओलंपिक में दूसरा पदक दिलाया । इससे पहले मनु ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य जीता था। टोक्यो ओलंपिक में मनु पिस्टल में खराबी आने के कारण फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी थीं, लेकिन यहां दो पदक जीतकर उन्होंने हर जख्म पर मरहम लगा दिया।

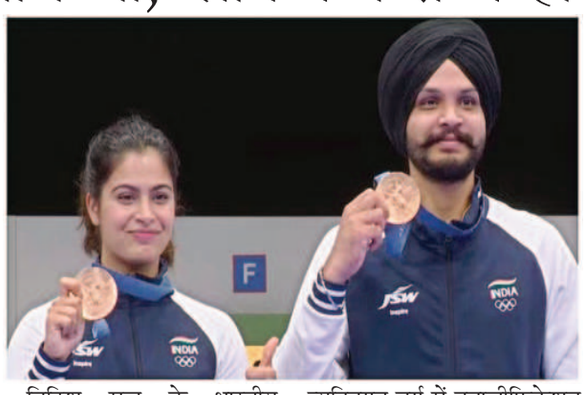

ब्रिटिश मूल के भारतीय खिलाड़ी नॉर्मन प्रिचर्ड ने 1900 ओलंपिक में 200 मीटर स्प्रिंट और 200 मीटर हर्डल में रजत पदक जीते थे, लेकिन वह उपलब्धि आजादी से पहले की थी। मनु को अभी 25 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में भी उतरना है और वह इस ओलंपिक में पदकों की हैट्रिक भी लगा सकती हैं। सरबजोत 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत वर्ग में क्वालीफिकेशन में 577 के स्कोर के साथ नौवें स्थान पर रहे थे और फाइनल में जगह नहीं बना सके थे।

मनु ने जीत के बाद कहा, 'मैं बहुत ही गर्व महसूस कर रही हूं। सभी को शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। हम हर चीज को नियंत्रित नहीं कर सकते। हम बस अपना सर्वश्रेष्ठ करने की कोशिश कर सकते हैं। यहां आने से पहले, मैंने और सरबजोत ने एक-दूसरे से कहा था हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे और चाहे जो भी हो, हम इसे स्वीकार करेंगे और आखिरी शॉट तक लड़ते रहेंगे।'

टोक्यो में मनु और सौरभ चौधरी इस स्पर्धा के फाइनल में क्वालिफाई नहीं कर सके थे और सातवें स्थान पर रहे थे। अंबाला के निशानेबाज सरबजोत पर व्यक्तिगत वर्ग में नाकाम रहने के बाद अच्छे प्रदर्शन का काफी दबाव था। सरबजोत सिंह ने खुशी व्यक्त की और आयोजन स्थल पर समर्थन के लिए भारतीय प्रशंसकों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा- मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। खेल बहुत कठिन था और बहुत दबाव था, लेकिन भारतीय दर्शकों का समर्थन बहुत अधिक था। मैं बता नहीं सकता कि मैं कितना अच्छा महसूस कर रहा हूं।

16 साल की जिया ने रचा इतिहास : इंग्लिश चैनल पार करने वाली दुनिया की सबसे युवा और सबसे तेज पैरा तैराक

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। 'ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर' से पीड़ित मुंबई की 16 वर्षीय जिया राय इंग्लिश चैनल पार करने वाली दुनिया की सबसे कम उम्र की और सबसे तेज पैरा तैराक बन गई हैं। उन्होंने यह उपलब्धि 28-29 जुलाई को हासिल की। जिया ने 28 से 29 जुलाई के बीच 17 घंटे और 25 मिनट के समय में इंग्लैंड के एबट्स क्लिफ से फ्रांस के प्वाइंट डे ला कोर्टे-ड्यून तक इंग्लिश चैनल को तैरकर पार किया। उन्होंने 34 किलोमीटर की दूरी तय की।

वह मुंबई में सेवारत नौसेना के मदन राय की बेटी हैं। पश्चिमी नौसेना कमान (डब्ल्यूएनसी) ने

युवा पैरा तैराक को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। पश्चिमी नौसेना कमान ने 'एक्स' पर लिखा, 'डब्ल्यूएनसी के सभी कर्मचारी जिया राय को इंग्लिश चैनल को सफलतापूर्वक अकेले तैरकर पार करने वाली दुनिया की सबसे कम उम्र की और सबसे तेज महिला पैरा तैराक बनने पर हार्दिक बधाई देते हैं।'

जिया ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

जिया ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं, जिसमें पहले पाक खाड़ी में तैरना शामिल है। अपनी सभी अक्षमताओं के बावजूद, जिया सात महासागरों को तैरने वाली दुनिया की पहली और सबसे कम उम्र की पैरा तैराक बनने के मिशन पर हैं। ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर एक न्यूरोलॉजिकल और विकासात्मक स्थिति है जिसका प्रभाव इस बात पर पड़ता है कि लोग दूसरों के साथ कैसे बातचीत करते हैं, संवाद करते हैं, सीखते हैं और व्यवहार करते हैं।

जिया की कई और उपलब्धियां

जिया ने इतनी कम उम्र में बहुत कुछ हासिल किया है, जैसे दिसंबर 2022 में, उसने 1,100 किलोमीटर तैराकी की। यह मुंबई से गोवा तक छह सदस्यीय रिले टीम के हिस्से के रूप में किया गया था और 11 दिन, 22 घंटे और 13 मिनट में वसई किले तक वापस लाया गया था। वह टीम की सबसे कम उम्र की और एकमात्र महिला प्रतिभागी थीं।

पश्चिमी नौसेना कमान के अनुसार, जिया ने श्रीलंका में स्थित तलाईमन्नार से लेकर भारत में स्थित धनुषकोडी तक पाक जलडमरूमध्य को तैरकर पार किया है। वह 13 घंटे 10 मिनट के भीतर 29 किलोमीटर की दूरी तय करने में सफल रहीं और 20 मार्च, 2022 को विश्व रिकॉर्ड बनाया। इसलिए, वह पाक जलडमरूमध्य को तैरकर पार करने वाली दुनिया की सबसे कम उम्र की और सबसे तेज महिला एथलीट बन गईं। जिया राष्ट्रीय और राज्य ओपन वाटर सी-स्विमिंग चैंपियनशिप में भी पदक जीत चुकी हैं।

पुरुष युगल टेनिस के पहले दौर में हारने के बाद रोहन बोपन्ना ने की संन्यास की घोषणा

पेरिस, 30 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय दिग्गज रोहन बोपन्ना ने पेरिस ओलंपिक में पुरुष युगल टेनिस के पहले दौर में हारने के बाद संन्यास की घोषणा कर दी। रविवार को खेले गए मुकाबले में उन्हें फ्रांस की गेल मोनफिल्स और एडौर्ड रोजर वेसलिन की जोड़ी ने 5-7, 6-2 हरा दिया। इसी के साथ भारतीय जोड़ी टूर्नामेंट से बाहर हो गई।

'यह मेरा आखिरी इवेंट था'

इस मैच में हार के बाद बोपन्ना ने संन्यास की घोषणा की। उन्होंने कहा, यह निश्चित रूप से देश के लिए मेरा आखिरी इवेंट होगा। मैं पूरी तरह से समझता हूं कि मैं कहां हूं और अब, जब तक यह चलता रहेगा, मैं टेनिस सर्किट का आनंद लेता रहूंगा। मैं जहां हूं,

उसके लिए यह पहले से ही एक बड़ा बोनस है।

मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं दो दशकों तक भारत का प्रतिनिधित्व करूंगा। 2002 से अपने पदार्पण से और 22 साल बाद भी भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलना। मुझे इस पर बेहद गर्व है।

1996 के बाद से नहीं आया कोई पदक

बोपन्ना और बालाजी की हार के साथ ही टेनिस में 1996 के बाद भारत के लिए ओलंपिक पदक का सूखा बरकरार रहा। बोपन्ना 2016 में इस सूखे को खत्म करने के करीब आए थे लेकिन मिश्रित स्पर्धा में उनकी और सानिया मिर्जा की जोड़ी चौथे स्थान पर रही थी। बोपन्ना 2026 एशियाई खेलों से भी बाहर रहेंगे। वह पहले ही डेविस कप से संन्यास की घोषणा कर चुके हैं।

उत्तर प्रदेश बास्केटबॉल लीग का आगाज

छह टीमों के बीच खेला जा रहा दिलचस्प टूर्नामेंट

गाजियाबाद, 30 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश बास्केटबॉल एसोशिएशन के द्वारा 27 जुलाई से तीन अगस्त तक उत्तर प्रदेश बास्केटबॉल लीग का आयोजन किया जा रहा है। जिसकी मेजबानी नेहरु वर्ल्ड स्कूल गाजियाबाद द्वारा की जा रही है। इस लीग के लिए खिलाड़ियों की चयन प्रकिया 19 जुलाई से 21 जुलाई तक नेहरु वर्ल्ड स्कूल गाजियाबाद में की गई, जिसमें उत्तर प्रदेश के 400 खिलाड़ियों ने भाग लिया। 72 खिलाड़ियों का चयन किया गया, जिन्हें छह टीमों में विभाजित किया गया। प्रशिक्षकों के चयन की प्रकिया में कुल 47 प्रशिक्षकों के आवेदन थे। कुल छह टीमों के लिए छह प्रशिक्षकों को चुना गया। 23 जुलाई को ड्रॉ के द्वारा टीम प्रशिक्षकों के नाम का एलान किया गया। 24 जुलाई को खिलाड़ियों की नीलामी हई। जिसमें टीम मालिकों ने अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को चुना।

इस टूर्नामेंट में विजेता टीम को एक लाख रुपए और उपविजेता टीम को 75 हजार रुपए दिए जाएंगे। तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को 50 हजार रुपए नगद पुरुस्कार दिया जाएगा। नेहरु वर्ल्ड स्कूल गाजियाबाद में आयोजित की जाने वाली उत्तर प्रदेश बास्केटबॉल लीग खेल प्रेमियों का उत्साहवर्धन करने के साथ युवा खिलाड़ियों के लिए एक मंच प्रदान कर रही है। इस टूर्नामेंट में दो दिन का खेल हो चुका है और भारी संख्या में लोग इस टूर्नामेंट को देखने जा रहे हैं।

पहले दिन मेजबान नेहरु वर्ल्ड स्कूल गाजियाबाद के सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान उत्तर प्रदेश बास्केटबॉल एसोशिएशन की अध्यक्ष डा. सीमा शर्मा जी ने अपने स्वागत भाषण में खिलाड़ियों को अनुशासन का महत्व समझाया और खेल भावना के साथ खेलने के लिए प्रेरित किया। इस लीग को कराने के उददेश्य के पीछे अपने मकसद को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि यदि एक सीनियर खिलाड़ी एक नए खिलाड़ी को प्रशिक्षित करे तो बास्केट बॉल का महत्व कई गुना बढ़ जाएगा। टीम जर्सियों एवं किट टीम के कैप्टन और टीम कोच को मंच पर बुलाकर सौंपी गई। साथ ही टीम की ग्रुप फोटोग्राफ खींची गई।

भारत को 34 साल बाद एशिया कप की मेजबानी मिली

2025 में होगा यह मेंस क्रिकेट इवेंट; 2027 में बांग्लादेश में खेला जाएगा

खेल डेस्क, 30 जुलाई (एजेंसियां)। भारत 2025 में टी-20 फॉर्मेट में मेंस एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। यह 2026 में देश में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप से पहले खेला जाएगा। भारत को मेंस एशिया कप के इतिहास में दूसरी बार मेजबानी मिली है। इससे पहले, 1990 में मिली थी।

इसके बाद एशिया कप 2027 की मेजबानी बांग्लादेश करेगा। यह टूर्नामेंट वनडे फॉर्मेट में खेला जाएगा। इसी साल (2027 में) साउथ अफ्रीकी सरजमीं पर वनडे वर्ल्ड कप खेला जाना है।

एशिया क्रिकेट काउंसिल की ओर से जारी किए गए इनविटेशन फॉर एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट डॉक्यूमेंट के मुताबिक, भारत 2025 में मेंस एशिया कप की मेजबानी करेगा, जो टी-20 फॉर्मेट में खेला जाएगा। वहीं, 2027 का एशिया कप बांग्लादेश की मेजबानी में होगा। 2027 का एशिया कप वनडे फॉर्मेट में ही होगा।

भारत सबसे सफल टीम

एशिया कप का आयोजन एशियन क्रिकेट काउंसिल करती है। भारत ने रिकॉर्ड 8 बार एशिया कप अपने नाम किया है। इनमें 7 बार यह वनडे फॉर्मेट में और 1 बार टी-20 फॉर्मेट में हुआ। भारत के बाद श्रीलंका सबसे कामयाब टीम है। वह 6 बार यह ट्रॉफी जीती है। तीसरे नंबर पर पाकिस्तान है। वह 2 बार यह टाइटल जीता है।

'द लास्ट सपर' को लेकर हो रहे विवाद में कूदे डोनाल्ड ट्रंप

ओलंपिक उद्घाटन समारोह को बताया अपमानजनक

पेरिस, 30 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी पेरिस ओलंपिक खेलों के उद्घाटन समारोह की आलोचना करने वालों में शामिल हो गए हैं। उन्होंने इसे अपमानजनक करार दिया है। दरअसल, पेरिस ओलंपिक को लेकर 26 जुलाई को हुए उद्घाटन समारोह में लियोनार्डो दा विंची की मशहूर पेंटिंग 'द लास्ट सपर' का मजाक उड़ाया गया था। आलोचक उद्घाटन समारोह की उस दृश्य के लिए आलोचना कर रहे हैं। अमेरिका में पांच नवंबर को होने वाले आम चुनावों के लिए रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ट्रंप ने फॉक्स न्यूज पर एक कार्यक्रम के दौरान कहा, 'मेरा मानना है कि उद्घाटन समारोह अपमानजनक था। मैं वास्तव में मानता हूं कि यह अपमानजनक था। मैं खुले विचारों वाला व्यक्ति हूं, लेकिन मुझे लगता है, उन्होंने जो किया वह गलत था।'

इससे पहले हाउस स्पीकर माइक जॉनसन ने भी उद्घाटन

समारोह की आलोचना की थी। जॉनसन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'लास्ट सपर का मजाक उड़ाना ओलंपिक खेलों के उद्घाटन समारोह को देखने वाले दुनिया भर के ईसाई धर्म के अनुयायियों के लिए हैरानी भरा और अपमानजनक था।' उन्होंने कहा, 'आज हमारी आस्था और पारंपरिक मूल्यों पर किए जा रहे प्रहार की कोई सीमा नहीं है, लेकिन हम जानते हैं कि सच्चाई और सदाचार की हमेशा जीत होगी। रोशनी अंधेरे में उजाला बिखेरती है और अंधेरा उस पर कभी काबू नहीं पा सका है।' डोनाल्ड ट्रंप के सबसे बड़े बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर भी ओलंपिक में ड्रैग एक्ट के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में शामिल हो गए हैं। ट्रंप जूनियर ने एक्स पर एक पोस्ट कर कहा, 'मेरी मां एक ओलंपियन (चेक नेटल स्की टीम) थीं और एक बच्चे के रूप में हम खेलों से पहले हफ्तों तक उत्साहित रहते थे। अब मुझे नहीं लगता इसको लेकर कोई उत्साहित रहता है और हाइलाइट्स देखकर ही काम चला लेता है। यह बहुत शर्म की बात है कि जो घटना इतना राष्ट्रीय गौरव पैदा करती थी, वह अब उदासीनता पैदा करती है। जागृत विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए खेलों का उपयोग करने से खेलों का किसी भी चीज से कोई लेना-देना नहीं है।'

वहीं, टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलोन मस्क ने इस मुद्दे पर अब हटाए गए ट्वीट के जवाब में कहा था- ईसाइयों के प्रति अपमानजनक। भारत में भी नेताओं ने इसकी आलोचना की है।

नोवाक जोकोविच ने जारी रखा विजयी अभियान

राफेल नडाल के खिलाफ दर्ज की आसान जीत

पेरिस, 30 जुलाई (एजेंसियां)। सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने पेरिस ओलंपिक में अपना पहला स्वर्ण पदक जीतने के अभियान को गति दी और स्पेन के राफेल नडाल के खिलाफ एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज करते हुए तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया। जोकोविच ने अपने सबसे कड़े प्रतिद्वंद्वी नडाल को लगातार सेटों में 6-1, 6-4 से हराया। दोनों खिलाड़ियों के बीच 2022 में फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल के बाद यह पहला मुकाबला था जिसमें जोकोविच अपने प्रतिद्वंद्वी पर भारी पड़े।

जोकोविच ने नडाल से लिया पिछली हार का बदला

नडाल और जोकोविच पुरुष एकल वर्ग में मौजूदा समय के दिग्गज खिलाड़ी हैं। इन दोनों के नाम ओपन एरा में सर्वाधिक ग्रैंडस्लैम जीतने के रिकॉर्ड दर्ज हैं। नडाल और जोकोविच के बीच पिछली बार 2022 में रोलां गैरों के क्वार्टर फाइनल का मुकाबला खेला गया था जिसमें नडाल ने चार सेटों में जीत दर्ज की थी। जोकोविच और नडाल के बीच इस मैच से पहले जीत हार का रिकॉर्ड 30-29 का था और जोकोविच स्पेनिश खिलाड़ी के खिलाफ अपना रिकॉर्ड मजबूत करने में सफल रहे।

जोकोविच ने शुरुआत से बनाई रखी बढ़त

जोकोविच ने पहले एक घंटे में ही नडाल पर बढ़त बना ली थी। पहले सेट में जोकोविच ने एकतरफा अंदाज में नडाल को पछाड़ा, जबकि नडाल ने दूसरे सेट में कुछ चुनौती पेश करने की कोशिश, लेकिन इसमें सफल नहीं हो सके। नडाल ने जोकोविच को 2008 के बीजिंग ओलंपिक में हराया था और अब इस सर्बियाई खिलाड़ी ने नडाल से पुराना हिसाब चुकता कर लिया। 2008 में आखिरी बार ओलंपिक पदक जीतने वाले जोकोविच का सामना अब तीसरे दौर में जर्मनी के डॉमिनिक कोएफर और इटली के माटेओ एर्नाल्डी के बीच होने वाले मैच के विजेता खिलाड़ी से होगा।

चीन ने गोताखोरी में 49वें स्वर्ण के साथ अमेरिका को पीछे छोड़ा, ओलंपिक रिकॉर्ड भी अपने नाम किया

पेरिस, 30 जुलाई (एजेंसियां)। चीन ने लियान जुन्जी और यांग हाओ की जोड़ी की सिंक्रोनाइज्ड 10-मीटर प्लेटफार्म में जीत के साथ ही ओलंपिक गोताखोरी में किसी देश द्वारा सबसे ज्यादा स्वर्ण पदक जीतने का इतिहास रच दिया। ओलंपिक गोताखोरी में चीन का यह 49वां स्वर्ण पदक है। इससे पहले यह रिकॉर्ड लंबे समय तक अमेरिका के नाम था।

हालांकि, इस मामले में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) को स्पष्टीकरण देना पड़ा। कुछ रिकॉर्ड के मुताबिक अमेरिका के नाम भी गोताखोरी में 49 स्वर्ण है लेकिन

आईओसी ने अमेरिका द्वारा 1904 ओलंपिक में 'प्लंजिंग फॉर डिस्टेंस' में जीते स्वर्ण को गोताखोरी की जगह तैराकी स्पर्धा का हिस्सा करार दिया। चीन ने पिछले दोनों ओलंपिक में इस खेल के आठ में सात स्वर्ण पदक जीते है।

तीन दिन खत्म होने के बाद पदक तालिका की बात करें तो जापान छह स्वर्ण समेत 12 पदक के साथ शीर्ष पर है। उसके बाद पांच स्वर्ण समेत 16 पदक जीत चुका मेजबान फ्रांस दूसरे, पांच स्वर्ण समेत 12 पदक जीत चुका चीन तीसरे, पांच स्वर्ण समेत नौ पदक जीत चुका ऑस्ट्रेलिया चौथे और पांच स्वर्ण समेत नौ पदक जीत चुका दक्षिण कोरिया पांचवें स्थान पर है। भारत एक कांस्य के साथ 26वें स्थान पर है। भारत के पदक का खाता निशानेबाज मनु भाकर ने खोला। उन्होंने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य अपने नाम किया।

मेरा हैदराबाद

कृषि ऋण माफ करना देश के इतिहास में नया रिकॉर्ड : रेवंत रेड्डी

> *तेलंगाना सरकार ने 12 दिनों में 12,000 करोड़ रुपये के कृषि ऋण माफ किए*

> *कृषि ऋण माफी के दूसरे चरण के तहत धनराशि जारी की*

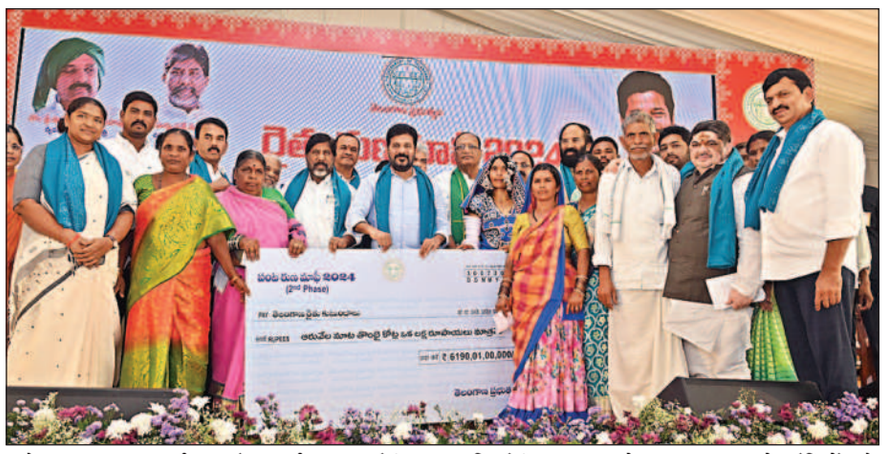

हैदराबाद 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने आज यहां कहा कि अगस्त में भारत को स्वतंत्रता मिली थी, उसी महीने तेलंगाना राज्य के किसानों को भी बढ़ते कर्ज के बोझ से मुक्ति मिली और 2 लाख रुपये तक के कृषि ऋण माफ होने से कृषक समुदाय को राहत मिली। मुख्यमंत्री ने कहा कि जुलाई और अगस्त को देश के इतिहास में महत्वपूर्ण और उल्लेखनीय महीनों के रूप में याद किया जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने मात्र 12 दिनों में 12,000 करोड़ रुपये के कर्ज माफ करके किसानों के कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता साबित की है। उन्होंने कहा कि किसानों के कल्याण और किसानों की भलाई के लिए बनाई गई योजनाओं के प्रति सरकार की ईमानदारी पर सवाल उठाने की हिम्मत कोई भी कर सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक बार में 31,000 करोड़ रुपये की धनराशि आवंटित करके कृषि ऋण माफ करना देश के इतिहास में एक नया रिकॉर्ड है। देश के इतिहास में अब तक किसी भी राज्य ने इतनी बड़ी राशि के किसानों के कर्ज माफ नहीं किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजनीतिक दल आमतौर पर चुनाव के समय किसानों को याद करते हैं और उन्हें वादों के साथ लुभाते हैं। आज, न तो चुनाव हैं और न ही संकटग्रस्त किसानों के हितों की रक्षा के अलावा कृषि ऋण माफी में कोई राजनीतिक हित है। विधानसभा सत्र के दौरान, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आज (मंगलवार) दोपहर विधानसभा परिसर में 1.50 लाख रुपये तक के दूसरे चरण की कृषि ऋण माफी योजना का शुभारंभ किया। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, विधानसभा अध्यक्ष गड्डाम प्रसाद, परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी, कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, राज्य के मंत्रियों और विधायकों ने किसानों को चेक वितरित करने में भाग लिया और पूरे परिसर में उत्सव का माहौल रहा। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि 6.40 लाख किसानों के खातों में सीधे 6198 करोड़ रुपये जमा करके सभी किसानों का 1.50 लाख रुपये तक का कर्ज माफ किया जाएगा। किसानों के जीवन में खुशी देखकर मेरे जीवन का उद्देश्य पूरा होता है। किसान ऋण माफी योजना के तहत, सरकार ने 18 जुलाई को पहली किस्त में 1 लाख रुपये तक की ऋण राशि माफ कर दी। कुल 11 लाख किसानों को 6098 करोड़ रुपये का कृषि ऋण माफी लाभ मिला।

12 दिनों के भीतर दूसरी किस्त के रूप में 6198 करोड़ रुपये और जारी किए गए हैं। कार्यक्रम में सत्तारूढ़ दल के विधायकों के साथ-साथ भाकपा और भाजपा विधायकों ने भाग लिया। मुख्यमंत्री ने पार्टी से जुड़े सभी नेताओं को इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए धन्यवाद दिया। सीएम रेवंत रेड्डी ने याद दिलाया कि कांग्रेस ने 6 मई, 2022 को वारंगल में किसान घोषणापत्र की घोषणा की और कृषि को एक लाभदायक पेशे के रूप में बढ़ावा देने का वादा किया। कांग्रेस के वादे के अनुसार, सरकार ने सत्ता में आने के बाद मात्र आठ महीने में ही किसानों का कर्ज माफ कर उनके जीवन में खुशियां भर दी हैं। सीएम ने कहा कि देश में कुछ कॉरपोरेट संगठनों ने बैंकों से कर्ज लिया और खुद को दिवालिया घोषित कर धोखाधड़ी की। पिछले दस सालों में कंपनियों ने बैंकों का 14 लाख करोड़ रुपये का कर्ज नहीं चुकाया। जबकि पूरे देश का पेट भरने वाले किसान अच्छी उपज, लाभकारी मूल्य न मिलने और बढ़ते कर्ज को चुकाने में असमर्थ होने के कारण मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने दुख जताया कि आत्मसम्मान खोने के कारण कुछ किसानों ने आत्महत्या कर ली। यही कारण है कि कांग्रेस ने दो लाख रुपये तक के कृषि कर्ज को माफ करने का वादा किया और परेशान किसान परिवारों में खुशियां भर दीं। मुख्यमंत्री ने यह भी याद दिलाया कि पिछली सरकार एक लाख रुपये तक के कृषि कर्ज को लागू करने में विफल रही। पिछली सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में चार किस्तों में कृषि कर्ज माफ किया और किसानों को अपने कर्ज पर अधिक ब्याज देकर परेशानी का सामना करना पड़ा। दूसरे कार्यकाल में बीआरएस सरकार ने एक लाख रुपये तक के कृषि ऋण माफ करने का यही वादा किया, लेकिन 19,000 करोड़ रुपये की आवश्यकता के मुकाबले केवल 12,000 करोड़ रुपये जारी किए। पिछली सरकार ने 7,000 करोड़ रुपये के कृषि ऋण माफ नहीं किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्तीय संकट के बीच कृषि ऋण माफी योजना के क्रियान्वयन पर कुछ लोगों ने सरकार का मजाक उड़ाया और कुछ ताकतों ने सरकार को कोसा। मेरी सरकार ने कृषि ऋण माफी योजना के लिए आवश्यक धनराशि जुटाई और अगस्त तक कृषि ऋण माफी योजना के क्रियान्वयन की योजना के अनुसार वादा पूरा किया। मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि पूर्व प्रधानमंत्रियों जवाहर लाल नेहरू और लाल बहादुर शास्त्री ने जय जवान और जय किसान के नारे के साथ देश में हरित क्रांति लाई।

कांग्रेस के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि भाकरनंगल से नागार्जुनसागर तक की परियोजनाएं किसानों के लाभ के लिए बनाई गई थीं, इंदिरा गांधी ने गरीब किसानों को कम ब्याज दरों पर ऋण उपलब्ध कराने के लिए बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया था, सोनिया गांधी के नेतृत्व वाली मनमोहन सिंह सरकार ने खाद्य सुरक्षा अधिनियम लाया, 72,000 करोड़ रुपये के ऋण माफ किए और किसानों का समर्थन किया। यह एकमात्र कांग्रेस सरकार थी जिसने सब्सिडी पर बीज, उर्वरक, मुफ्त बिजली, फसल बीमा और न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रदान किया। कांग्रेस देश में किसानों की हितैषी पार्टी साबित हुई। वादे के मुताबिक, सीएम रेवंत रेड्डी ने आश्वासन दिया कि इस साल अगस्त तक एक महीने के भीतर 2 लाख रुपये तक के कृषि ऋण माफ कर दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने पिछली सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि उसने भारी कर्ज लेकर राज्य को गिरवी रख दिया। कांग्रेस सरकार राज्य को कर्ज के बोझ से उबारने के लिए प्रयास कर रही है। उनकी सरकार ने महज आठ महीने में 7 लाख करोड़ रुपये के कर्ज का ब्याज चुकाने के लिए 42,000 करोड़ रुपये का भुगतान किया। मुख्यमंत्री ने उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क और उनकी टीम की प्रशंसा की, जिन्होंने 12 दिनों में 12,000 करोड़ रुपये जुटाए और किसानों के खातों में जमा करवाए। मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं का भी उल्लेख किया, जिसमें आरटीसी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा, आरोग्यश्री, 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली आपूर्ति, 500 रुपये में गैस सिलेंडर शामिल हैं और चुनाव के दौरान कांग्रेस द्वारा घोषित छह गारंटियों को पूरा करने में सरकार की ईमानदारी दिखाई।

भट्टी ने किसानों के फसल बीमा प्रीमियम के भुगतान का आश्वासन दिया

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने बताया है कि राज्य सरकार ऋण माफी योजना तक ही सीमित नहीं रहेगी और वह किसानों की ओर से फसल बीमा प्रीमियम का भुगतान भी करेगी।

मंगलवार को विधानसभा परिसर में फसल ऋण माफी के दूसरे चरण का शुभारंभ करने के बाद एक कार्यक्रम में बोलते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि संसदीय चुनाव से पहले मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा किए गए वादे के अनुसार राज्य सरकार ऋण माफी को लागू कर रही है और अगस्त के अंत से पहले इसकी प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

हमने 5,45,407 परिवारों को 6,190 करोड़ रुपये जारी करने के लिए इसी महीने दूसरा चरण शुरू किया है। भट्टी ने बताया कि कुल मिलाकर दो चरणों में राज्य सरकार 16.29 लाख परिवारों के 17.91 लाख बैंक खातों में जमा करने के लिए 12,289 करोड़ रुपये जारी कर रही है। पिछली बीआरएस सरकार ने फसल बीमा योजना को लागू नहीं किया था और किसानों की कठिनाइयों की परवाह नहीं की थी। लेकिन, कांग्रेस सरकार फसल बीमा योजना को लागू करेगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की ऋण माफी योजना के तहत तेलंगाना के सभी बैंकों को एक खाते के माध्यम से 31,000 करोड़ रुपये जारी कर रही है, यह महत्वपूर्ण है क्योंकि देश और बैंकिंग इतिहास में पहली बार इतनी बड़ी राशि सभी बैंकों में एक साथ जमा की जा रही है। उन्होंने सुझाव दिया कि बड़े दिल वाले बैंकरों को किसानों के साथ सहयोग करना चाहिए और तुरंत नए ऋण स्वीकृत करने चाहिए। भट्टी विक्रमार्क, जो वित्त मंत्री भी हैं, ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी, मुख्यमंत्री और कैबिनेट सहयोगियों को उन्हें यह मौका देने के लिए धन्यवाद दिया। फसल ऋण माफी के बड़े कार्यक्रम को आगे बढ़ाने का अवसर मिला है।

शहर में गंदगी रोकने के लिए उठाए जाएं कदम : आयुक्त अम्रपाली काटा

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त अम्रपाली कट्टा ने अधिकारियों को शहर में कहीं भी कूड़ा फैलाने से रोकने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया है। मंगलवार को उन्होंने एडिशनल और जोनल कमिश्नरों के साथ टेलीकांफ्रेंस की। इस मौके पर आयुक्त ने अधिकारियों को स्वच्छता एवं स्वच्छ ऑटो में उपस्थिति प्रतिशत में सुधार के लिए कदम उठाने का आदेश दिया। आयुक्त ने विशेष रूप से संबंधित उपायुक्तों सहित सहायक चिकित्सा पदाधिकारियों को सुबह 6 बजे ड्यूटी पर रिपोर्ट करने का निर्देश दिया। आयुक्त ने कहा कि डीसी और सहायक चिकित्सा अधिकारी यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार हैं कि कचरा, हरित कचरा, (सी एंड डी) निर्माण कचरा मुक्त है। कमिश्नर ने जोनल कमिश्नरों को इस संबंध में विशेष ध्यान देने को कहा। आयुक्त ने अधिकारियों को सीआरएमपी सड़कों पर गड्ढे, सड़क की मरम्मत, सड़क पर लाइनिंग चिह्नित करने, फुटपाथ माध्यम में पौधे लगाने और यदि कोई कमी है तो एजेंसी प्रबंधकों को पूरा करने का निर्देश दिया।

जीआईएस मैपिंग के हिस्से के रूप में फील्ड स्तरीय सर्वेक्षण शुरू

जीएचएमसी ने लोगों को सहयोग करने की अपील की

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी के तहत संपत्तियों और उपयोगिताओं के जीआईएस मैपिंग सर्वेक्षण के हिस्से के रूप में क्षेत्र स्तरीय सर्वेक्षण आज से शुरू हो गया है। शहरी नियोजन के तहत एकीकृत जीआईएस सर्वेक्षण मंगलवार से शुरू हो गया है। इस पृष्ठभूमि में, सटीक मानचित्रण के कारण हैदराबाद में सभी संपत्तियों और उपयोगिताओं का विवरण भौगोलिक रूप से पहचाना जाता है। टैक्स वसूली भी आसान होगी।

कहा जा सकता है कि इससे प्रॉपर्टी टैक्स से जुड़ी समस्याओं को सुलझाने में मदद मिलेगी और ऑनलाइन भुगतान आसान हो जाएगा। हाई रेजोल्यूशन मैपिंग से सड़कों, पार्कों और अन्य सुविधाओं का विवरण स्पष्ट हो जाता है। कई सर्किलों में फील्ड लेवल सर्वे आज (मंगलवार) से शुरू हो गया है और यह फील्ड सर्वे उप्पल, हयात नगर, हैदर नगर, कुक्पकटपल्ली, केपीएचबी कॉलोनी, मियापुर और चंदनगर इलाकों में किया जा रहा है। शहर के अन्य सभी हिस्सों में सर्वेक्षण जारी रहेगा। संसाधन प्रबंधन के लिए जीएचएमसी द्वारा किए गए इस सर्वेक्षण में मकान मालिकों को सहयोग करने के लिए कहा गया है। जीएचएमसी ने सर्वेक्षण कर्मचारियों से मांगी गई जानकारी प्रदान करने को कहा। सर्वेक्षण का विवरण पूर्णतः गोपनीय रखा जाएगा। जीएचएमसी ने क्षेत्र स्तरीय सर्वेक्षण के लिए आने वाले कर्मियों से बिल्डिंग परमिट, अधिभोग प्रमाण पत्र, नवीनतम भुगतान संपत्ति कर रसीद, नाला बिल, बिजली बिल, मालिक आईडी विवरण, व्यापार लाइसेंस संख्या (वाणिज्यिक भवन) विवरण प्रदान करके सहयोग करने के लिए कहा है। ड्रोन सर्वे के तहत दोबारा घर-घर जाकर भवन संरचनाओं की जांच की जाएगी।

साइबराबाद आयुक्त कार्यालय में घरेलू हिंसा समन्वय बैठक आयोजित

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद आयुक्त कार्यालय के मिनी कॉन्फ्रेंस हॉल में महिला एवं बाल सुरक्षा विंग (डब्ल्यूएंडसीएसडब्ल्यू) डीसीपी सृजना कर्णम द्वारा घरेलू हिंसा पर समन्वय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में शी टीम, मानव तस्करी विरोधी इकाई (एएचटीयू), सखी केंद्र और भरोसा केंद्र के प्रतिनिधियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस बैठक का उद्देश्य घरेलू हिंसा के पीड़ितों के लिए प्रयासों का समन्वय करना और सहायता प्रणालियों को बढ़ाना है, ताकि व्यापक और समय पर सहायता सुनिश्चित हो सके। बैठक के दौरान, डीसीपी सृजना कर्णम ने घरेलू हिंसा पर सहयोगात्मक चर्चा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने रंगारेड्डी, मेडचल-मलकजगिरी और संगारेड्डी जिलों के जिला कल्याण अधिकारियों के साथ-साथ सखी केंद्रों और महिला विकास और सशक्तिकरण केंद्र (सीडीईडबलू) केंद्रों के प्रतिनिधियों को शामिल किया। चर्चा का मुख्य उद्देश्य समन्वय को बढ़ाना और घरेलू हिंसा को संबोधित करने और रोकने के लिए प्रभावी उपाय विकसित करना था।

डीसीपी ने पीड़ितों का समर्थन करने और मजबूत तंत्र तथा त्वरित प्रतिक्रियाओं के माध्यम से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एकीकृत दृष्टिकोण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। बैठक में साइबराबाद पुलिस और संबंधित कल्याण संगठनों की घरेलू हिंसा से व्यापक रूप से निपटने की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया। सहयोगात्मक प्रयासों का उद्देश्य सभी के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाना है, यह सुनिश्चित करना कि पीड़ितों को आवश्यक सहायता और न्याय मिले। भरोसा केंद्रों के प्रतिनिधियों ने कहा कि घरेलू हिंसा में किसी व्यक्ति द्वारा अपने रिश्तेदारों से झेली गई किसी भी तरह की हिंसा शामिल है, लेकिन आम तौर पर यह किसी महिला द्वारा अपने परिवार के किसी पुरुष सदस्य या रिश्तेदारों के कारण झेली गई हिंसा होती है। यह दुर्व्यवहार जरूरी नहीं कि शारीरिक हो। यह मौखिक, भावनात्मक, यौन और आर्थिक क्षेत्रों तक भी फैल जाता है, जिससे वह टूट जाती है और अपने अधिकारों के लिए खड़ी नहीं हो पाती। दहेज निषेध अधिनियम, 1861 से शुरू होकर घरेलू हिंसा को रोकने के लिए कई कानून बनाए गए, जिसने दहेज देने और लेने के कृत्य को अपराध बना दिया। सबसे हालिया कानून घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम (पीडब्ल्यूडीवीए) 2005 है, जो एक नागरिक कानून है जिसने घरेलू हिंसा की परिभाषा को व्यापक बनाया है। बैठक में डब्ल्यू एंड सीएसडब्ल्यू डीसीपी सृजना कर्णम, डब्ल्यू एंड सीएसडब्ल्यू इंस्पेक्टर सुनीता, एएचटीयू इंस्पेक्टर जेम्स बाबू, डब्ल्यूपीएस इंस्पेक्टर लक्ष्मरेड्डी, डीडब्ल्यूओ रंगारेड्डी पद्मजा, डीडब्ल्यूओ मेडचल-मलकजगिरी कृष्णारेड्डी, डीडब्ल्यूओ संगारेड्डी ललिता, अन्य अधिकारी, एसआई अधिकारी, भरोसा केंद्र के प्रतिनिधि और शक्ति केंद्र के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

विधानसभा ने बनाया 16 घंटे बजट चर्चा का रिकॉर्ड

सोमवार सुबह शुरू हुई चर्चा मंगलवार को हुई खत्म

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य विधानसभा ने सोमवार को 16 घंटे से अधिक समय तक मैराथन सत्र चलाकर एक तरह का रिकार्ड बनाया। सोमवार को सुबह 10 बजे शुरू हुई वार्षिक राज्य बजट पर चर्चा मंगलवार को 2.15 बजे तक चली। राज्य गठन के बाद, यह राज्य विधानसभा का सबसे लंबा कार्यदिवस बताया जा रहा है, इससे पहले बीआरएस सरकार के दौरान विधानसभा का कार्यदिवस 10 घंटे से अधिक समय तक चला था। सत्तारूढ़ और विपक्षी दोनों दलों के नेताओं ने पूरे दिन विधानसभा में बारी-बारी से अपनी पार्टियों का प्रतिनिधित्व किया। वर्ष 2024-25 के लिए अनुदान मांगों पर मतदान के पहले दिन विधानसभा में मुख्यमंत्री और 5 अन्य मंत्रियों द्वारा प्रस्तुत लगभग 19 मांगों पर चर्चा की गई और उन्हें पारित किया गया। सभी राजनीतिक दलों के सदस्यों ने लम्बी चर्चा में भाग लिया, जिसमें सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच गरमागरम बहस हुई। उन्होंने बिजली खरीद, अनुबंध, सिंचाई परियोजनाओं और पूर्ववर्ती आंध्र प्रदेश से परिसंपत्तियों और ऋणों के विभाजन जैसे व्यापक मुद्दों पर बहस की।

चारमीनार पर लगी 130 साल पुरानी घड़ी क्षतिग्रस्त

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ऐतिहासिक चारमीनार की पूर्वी ओर की घड़ी का सफेद डायल सोमवार को क्षतिग्रस्त हो गया। 433 साल पुराने स्मारक पर तैनात सुरक्षाकर्मियों ने घड़ी को हुए नुकसान को देखा, जिसके बारे में संदेह है कि यह नुकसान घड़ी के इर्द-गिर्द झुंड बनाकर रहने वाले कबूतरों की वजह से हुआ है। सूचना मिलने पर अधिकारियों ने इसकी मरम्मत का काम शुरू किया, जो मंगलवार दोपहर तक पूरा हो गया।

महबूब चौक स्थित वाहिद वॉच के गुलाम मोहम्मद रब्बानी ने अपने सहयोगी मधुसूदन चारी के साथ मिलकर 130 साल से अधिक पुरानी घड़ी की अस्थायी मरम्मत की थी। रब्बानी ने बताया कि घड़ी के डायल को हुए नुकसान के बारे में सूचना मिलने पर हमने आज इसकी मरम्मत करवाई। टूटे हुए डायल को जोड़ने और इसे लगभग मूल स्वरूप में वापस लाने के लिए एक विशेष गोंद पेस्ट का इस्तेमाल किया गया। चारमीनार पर चार घड़ियां 1889 में छठे निज़ाम मीर महबूब अली खान के शासनकाल में लगाई गई थीं और इन्हें चार दिशाओं में लगाया गया है। चारों में से सिर्फ़ गुलज़ार हौज़ के सामने वाली घड़ियां ही ऐसी हैं जो हर घंटे एक बार बजती हैं। रब्बानी ने कहा कि घड़ियों को हर 48 घंटे में चालू करना पड़ता है। हम में से कोई एक आकर बिना चूके यह काम कर देता है। इन घड़ियों के रखरखाव का काम पहले वाहिद वॉच कंपनी के सिकंदर खान द्वारा किया जाता था, जिनका दो सप्ताह पहले निधन हो गया, जिसके बाद अब रब्बानी रखरखाव का काम संभाल रहे हैं। वाहिद वॉच कंपनी की शुरूआत मूल रूप से सिकंदर खान के दादा वाहिद खान ने 1942 में की थी। 1947 में निज़ामों का शासन समाप्त होने के बाद, उपेक्षा के कारण घड़ियां काम करना बंद कर चुकी थीं।

2 अगस्त तक हल्की बारिश का अनुमान

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सुबह धूप खिलने के बावजूद मंगलवार शाम तक हैदराबाद में हल्की से मध्यम बारिश और बूंदाबांदी होने की संभावना है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) हैदराबाद ने शहर में अगले 4 दिनों, यानी 2 अगस्त तक बारिश होने का अनुमान लगाया है। मौसम विभाग ने राज्य में बारिश की कोई चेतावनी जारी नहीं की है, लेकिन मौसम विशेषज्ञों का अनुमान है कि दोपहर से रात तक तेज बारिश होगी। पूर्वी और मध्य तेलंगाना में रात या सुबह मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है। सोमवार को तेलंगाना के कुछ जिलों में भारी बारिश हुई, महबूबाबाद और वारंगल में क्रमशः 99.8 मिमी और 94.5 मिमी बारिश हुई। हैदराबाद में भी आधी रात को हल्की से मध्यम बारिश हुई।

गदवाल विधायक रेड्डी ने कांग्रेस छोड़ी

बीआरएस में हुए शामिल

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायकों को अपने पाले में करने की कांग्रेस की कोशिशों में एक नया मोड़ तब आया जब हाल ही में सत्ताधारी पार्टी में शामिल हुए गडवाल विधायक बंदला कृष्ण मोहन रेड्डी ने फिर से विपक्ष में लौटने का फैसला किया। संयोग से, उन्होंने अपने फैसले की घोषणा तब की जब कांग्रेस विधानसभा परिसर में कृषि ऋण माफी की दूसरी किस्त जारी होने का जश्न मनाने में व्यस्त थी। गडवाल विधायक ने विधानसभा परिसर में पार्टी विधायी कार्यालय में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव से मुलाकात की और पार्टी में फिर से शामिल होने की इच्छा जताई। मुलाकात के दृश्य सोशल मीडिया पर वायरल हो गए।

रामा राव से मुलाकात के दौरान कृष्ण मोहन रेड्डी ने घर वापसी की अनुमति मांगी, जिसे स्वीकार कर लिया गया। बीआरएस नेताओं ने उम्मीद जताई कि सत्तारूढ़ कांग्रेस में शामिल हुए नौ अन्य विधायकों में से अधिकांश भी बीआरएस के पाले में लौट आएंगे। वह 6 जुलाई को मुख्यमंत्री और टीपीसीसी अध्यक्ष ए रेवंत रेड्डी और अन्य नेताओं की मौजूदगी में कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए थे। हालांकि, वह कथित तौर पर पार्टी से नाखुश थे और अपने फैसले पर खेद जता रहे थे।

मानसून के दौरान आर्द्रता 8 प्रतिशत बढ़ी

हालिया रिपोर्ट में हुआ खुलासा

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, हैदराबाद का मानसून सीजन तेजी से आर्द्र होता जा रहा है। अध्ययन में 2001 से 2023 तक के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है, जिससे पता चलता है कि मानसून के महीनों (जून से अगस्त) के दौरान आर्द्रता का स्तर 2001-2010 की अवधि की तुलना में 8 प्रतिशत बढ़ गया है। नमी में इस वृद्धि के कारण ताप सूचकांक में मामूली वृद्धि हुई है, जो तापमान और आर्द्रता को मिलाकर यह बताता है कि गर्मी कितनी महसूस होती है। मानसून के दौरान गर्मी सूचकांक अब 2001-2010 में 1.6 डिग्री सेल्सियस से बढ़कर 2014-2023 में 1.7 डिग्री सेल्सियस हो गया है। इसका मतलब यह है कि वास्तविक तापमान में उल्लेखनीय वृद्धि न होने के बावजूद, बढ़ी हुई आर्द्रता हवा को गर्म और अधिक दमनकारी महसूस कराती है।

रिपोर्ट में प्री-मानसून अवधि (मार्च से मई) के दौरान हुए बदलावों की भी जांच की गई है। इसमें पाया गया कि आमतौर पर शुष्क रहने वाला यह मौसम और भी उमस भरा हो गया है, पिछले एक दशक में आर्द्रता का स्तर 15 प्रतिशत तक बढ़ गया है।

हालांकि, इस अतिरिक्त नमी का ताप सूचकांक पर प्रभाव मानसून के दौरान की तुलना में कम गंभीर है। प्री-मानसून के दौरान ताप सूचकांक में औसतन 1.1 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई है, जो पिछले दशक के 0.6 डिग्री सेल्सियस से अधिक है, जो तापमान में मामूली वृद्धि दर्शाता है।

आर्द्रता में इस वृद्धि के बावजूद, मानसून-पूर्व और मानसून-पूर्व दोनों अवधियों में वास्तविक तापमान में मामूली गिरावट देखी गई है। अध्ययन में कहा गया है कि 2001-2010 के औसत की तुलना में प्री-मानसून और मानसून मौसम के दौरान औसत तापमान में क्रमशः 0.7 डिग्री सेल्सियस और 0.5 डिग्री सेल्सियस की कमी आई है। हालांकि, इन दोनों मौसमों के बीच तापीय अंतर कम होता जा रहा है, तथा समान अवधि में ताप सूचकांक में अंतर 3.1 डिग्री सेल्सियस से घटकर 2.9 डिग्री सेल्सियस रह गया है। एक अन्य महत्वपूर्ण निष्कर्ष हैदराबाद में शहरी ताप द्वीप प्रभाव है, जहां शहर का आंतरिक भाग, बाहरी क्षेत्र की तुलना में रात में अधिक गर्म रहता है।

दिन के समय, शहर का केंद्र वास्तव में अपने उपनगरीय क्षेत्रों की तुलना में लगभग 0.7 डिग्री सेल्सियस ठंडा होता है। हालांकि, रात में, स्थिति उलट जाती है, शहरी केंद्र अधिक गर्मी बरकरार रखता है और आसपास के क्षेत्रों की तुलना में 1.9 डिग्री सेल्सियस अधिक गर्म होता है। इस घटना का अर्थ यह है कि जहां शहरी क्षेत्रों में रात के समय तापमान 12.3 डिग्री सेल्सियस तक ठंडा हो जाता है, वहीं शहर का केंद्र केवल 9.7 डिग्री सेल्सियस तक ठंडा होता है, तथा 2.6 डिग्री सेल्सियस अधिक गर्मी बरकरार रखता है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.